श्री नरेन्द्र मोदी
मा.प्रधानमंत्री, भारत सरकार

मा.मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से

# नवाचारी बाँदा

# Innovative Banda

श्री योगी आदित्यनाथ
मा.मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

हीरा लाल, आईएएस
जिलाधिकारी बाँदा

उत्तर प्रदेश सरकार

# सूची


| क्र.सं. | अभियान | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 01. | इनोवेशन एण्ड स्टार्टअप समिट – 2019 | 01-03 |
| 02. | एक लक्ष्य : 90⁺% मतदान | 04-06 |
| 03. | जेल सुधार | 07-09 |
| 04. | भूजल बढ़ाओ–पेयजल बचाओ एवं कुआं–तालाब जियाओ अभियान | 10-12 |
| 05. | योग के अभिनव प्रयोग | 13-15 |
| 06. | बाँदा सुपोषण कार्यक्रम | 16-18 |
| 07. | बाँदा पर्यटन | 19-21 |
| 08. | बेसिक शिक्षा में नवाचार | 22-24 |
| 09. | वृक्ष जियाओ अभियान | 25-27 |
| 10. | झोला युक्त : पॉलीथीन मुक्त बाँदा | 28-30 |
| 11. | किसान विकास भवन भ्रमण | 31-33 |
| 12. | छात्र निर्माण संवाद | 34-36 |
| 13. | नेकी की दीवार | 37-39 |
| 14. | ज्ञानार्जन यात्रा | 40-42 |
| 15. | एक दिन का अधिकारी | 43-45 |
| 16. | सरदार वल्लभ भाई पटेल (ऑक्सीजन पार्क) बाँदा | 46-48 |
| 17. | बांदा महिला समृद्धिकरण | 49-51 |

- बाँदा उत्तर प्रदेश के पिछड़े जनपदों में से एक है। यहां अन्ना प्रथा, पेयजल, सिंचाई, कुपोषण, औद्योगिकीकरण एवं रोजगार जैसी प्रमुख समस्याएं व्याप्त हैं।
- इन समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की जिला स्तरीय इकाई जिला विज्ञान क्लब बाँदा ने जिलाधिकारी बाँदा की प्रेरणा, दिशानिर्देशन एवं अध्यक्षता में नवाचार एवं स्टार्टअप के माध्यम से जनपद की ज्वलंत समस्याओं पर विचार मंथन कर स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने की तकनीकी व आविष्कारों से अवगत कराते हुए दैनिक जीवन की गतिविधियों को सरल एवं सहज बनाने का प्रयास किया।
- इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए जिला विज्ञान क्लब बाँदा द्वारा **3 दिवसीय इनोवेशन एण्ड स्टार्टअप समिट 2019** का आयोजन बाँदा के राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज में 28, 29 व 30 जनवरी 2019 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## मुख्य विषय

- सतत् विकास के लिए नवाचार एवं स्टार्टअप

## उपविषय

01. ग्रामीण एवं शहरी विकास
02. कृषि से कृषि व्यवसाय की ओर
03. चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
04. शिक्षा, शैक्षिक प्रक्रिया एवं शैक्षिक वातावरण
05. सामाजिक विकास हेतु प्रौद्योगिकी
06. जल संरक्षण एवं प्रबन्धन
07. पारम्परिक/सामाजिक/स्थानीय एवं सांस्कृतिक विकास एवं परिवर्तन

## लक्ष्य समूह

- विद्यार्थी
- किसान
- प्रशिक्षित जनसाधारण
- अप्रशिक्षित जनसाधारण

## समिट के प्रमुख अंग:

- ब्रीफिंग सेशन एवं उद्घाटन सत्र
- निर्धारित उपविषयों पर विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान पाने हेतु 28 विचार विमर्श सत्र

## तकनीकी सत्र

- नवप्रवर्तकों द्वारा इनोवेशन एवं स्टार्टअप एक्सपो
- सरकारी विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं एवं इनोवेटिव कार्यों पर एक्सपो
- गैर सरकारी/ इण्डस्ट्रियल एक्सपो
- सभी के लिए एक्सपोजर विजिट
- स्थानीय विधाओं/कलाओं को प्रोत्साहित करने हेतु इनोरंग सांस्कृतिक कार्यक्रम
- टेक अवे, सम्मान एवं समापन सत्र

## प्रमुख समितियां

- प्रशासनिक समिति
- प्रबन्ध समिति
- विषय विशेषज्ञ समिति
- 28 जनवरी 2019 को बाँदा की धरती में इनोवेशन एण्ड स्टार्टअप समिट 2019 के आयोजन का वैज्ञानिक एवं परम्परागत रस्मों के साथ भव्य एवं वृहद् रूप से शुभारम्भ हुआ।
- इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर कृपाशंकर सिंह शरीक हुए।
- श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि समिट का आयोजन जनसाधारण की समस्याओं का हल निकालने में व देश में जनपद को एक विशेष पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।
- इसी कड़ी में जिलाधिकारी एवं कार्यक्रम के प्रमुख प्रेरक श्री हीरा लाल ने कहा कि समिट का मकसद इस पिछड़े क्षेत्र में नवाचार एवं स्टार्टअप के माध्यम से यहां की समस्याओं का सरल, सहज एवं कम लागत वाले सतत् विकास में सहयोगी उपाय खोजना है।
- युवाओं के लिए यह ज्ञान का कुम्भ था।
- युवाओं ने इसमें चिंतन मनन के साथ नवाचारों को करीब से देखा।
- समिट में देश के विभिन्न स्थानों से 135 चयनित नवप्रवर्तक एवं 80 सरकारी / गैर सरकारी विभागों/ कम्पनियों द्वारा एक्सपो में स्टाल लगाए गए।
- समिट में चित्रकूटधाम मण्डल के मण्डलायुक्त, समस्त जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों के साथ – साथ विभिन्न मा. जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न आई.ए.एस., विभिन्न स्थानों से आए वैज्ञानिक, उद्योगपतियों, बैंकर्स, स्पीकर्स, एकाडमिशियन एवं अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।
- 30 जनवरी 2019 को समापन के अवसर पर भारत के पद्मश्री श्री रामशरण वर्मा उपस्थित रहे। जिनको बनाना इण्डिया के नाम से जाना जाता है।
- श्री रामशरण वर्मा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि खेती मजबूरी नहीं बल्कि मजबूती के लिए की जानी चाहिए। उन्होंने जनपद के किसानों को निःशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए भी अपने यहां आमंत्रित किया ।

# झलकियां

INNOVATION & START-UP

INNOVATION & START-UP
SUMMIT 2019

INNOVATION & START-UP
SUMMIT 2019

# सुर्खियां

बाँदा जागरण

अपना बुंदेलखंड

समिट से निकलेगा जनसमस्याओं का समाधान

इनोवेशन-स्टार्ट अप समिट

नई पीढ़ी की बेहतरी को सभी जगह हों ऐसे कार्यक्रम

समिट से छुयी जा सकती है जीवन की नई

जिलाधिकारी ने बताया समिट का महत्व

बुंदेलखंड में हुनर व मेधा की कमी नहीं : प्रो. कृपाशंकर

बांदा ही नहीं बुंदेलखंड की समस्याओं पर निकलेगा समाधान

स्टार्टअप समिट से अब फैलेगा रोजगार का उजियारा

स्टार्टअप में विकास और उद्यमिता प्रेरणा की बही बयार

जिला जज ने अधिवक्ताओं को

स्वावलंबन के संकल्प संग समिट का हुआ समापन

बाँदा में पार्थ के इनोवेटिव समाधानों को मिली वाह वाही

बांदा सिटी

खेती मजबूरी में नहीं, मजबूती के लिए की जाए

दैनिक जागरण, झाँसी, 31 जनवरी

समिट में ज्ञान-विज्ञान, कला और संस्कृति को दी नई ऊंचाई

खेती मजबूरी में नहीं, मजबूती के लिए की जाए

- निर्वाचन आयोग के अनुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन – 2014 में भारत का औसत मतदान 66.38 प्रतिशत था। जिसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश का औसत मतदान 58.29 प्रतिशत तथा बाँदा का मतदान 52.69 प्रतिशत था।
- विधान सभा चुनाव – 2017 में बाँदा की चारों विधान सभा का औसत मतदान 60.20 प्रतिशत था। वर्ष 2015 के पंचायत चुनाव में दो ग्राम पंचायतों – कोलावल रायपुर विकास खण्ड महुआ में 91.80 प्रतिशत एवं शाहपाटन विकास खण्ड नरैनी में 90.70 प्रतिशत मतदान हुआ था।
- इन ग्राम पंचायतों के मतदान के परिणाम स्वरूप ज्ञात हुआ कि पंचायत चुनाव में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हो सकता है। तो लोकसभा में क्यों नहीं ?
- इसी को आधार मानकर लोकसभा सामान्य निर्वाचन – 2019 के चुनाव में बाँदा जनपद में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।
- भारत निर्वाचन आयोग ने एक जनवरी, 2018 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं के नाम फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली में जोड़ने, संशोधित करने तथा मृत मतदाताओं के नाम विलोपित करने के लिये एक सितम्बर 2018 तक विशेष अभियान चलाया।
- अभियान के दौरान 38831 नये मतदाता बढ़ाये गये ।
- प्रदेश के 06 सर्वोच्च बढ़ोत्तरी वाले जनपदों में बाँदा का नाम था।
- जिसके लिये 25 जनवरी, 2019 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रदेश के तत्कालीन मा0 राज्यपाल श्री रामनाइक एवं मुख्य सचिव डॉ. अनूप चन्द्र पाण्डेय द्वारा जिलाधिकारी श्री हीरा लाल, को सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन अधिकारी, बाँदा का पुरूस्कार दिया गया। जिससे इस अभियान को शुरू करने में बल मिला।
- अभियान के दौरान आये मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी महोदय भी इस अभियान की तरीफ करते हुये अन्य जनपदों को बांदा आकर सीखकर कार्य करने की प्रेरणा दे गए।

**अभियान को सफल बनाने हेतु ऐतिहासिक कदम :**

- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- ब्रांड एम्बेसडर
- बूथ एम्बेसडर
- इन्टर्नशिप
- डी0एम0 की चिट्ठी (20000 पत्र)/हैण्डबिल
- टी–शर्ट, टोपी, दुपट्टा आदि।
- यातायात की सुविधा।
- जनपद से बाहर जाने वाले मतदाताओ को बुलाने के प्रयास।
- एन0सी0सी0/स्काउट/रोवर्स–रेन्जर्स की मतदान में भागीदारी।
- मतदान मेला
- विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनो को जोड़ना।
- प्रत्येक कर्मी का अपना बूथ (8161 अधिकारी / कर्मचारी द्वारा)
- दिव्यांग मतदाताओं को विशेष सुविधा।
- नॉलेज पार्टनर
- वॉर रूम
- सलाहकार मण्डल
- बेस्ट वोटिंग रिवार्ड
- प्रचार–प्रसार के नये तरीके
- प्रत्येक मतदाता तक पहुँचने हेतु एस. ओ. पी.
- महिला प्रेरक समितियां
- सघन मानीटिरिंग सिस्टम
- मीडिया प्रबन्धन
- प्रेरक स्लोगन
- 1950 का अतिरिक्त प्रयोग

**अभियान के परिणाम :**

- लोक सभा सामान्य निर्वाचन – 2019 में बाँदा का 63.24 प्रतिशत मतदान रहा।
- वर्ष 2014 में लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तुलना में 10.55 प्रतिशत वृद्धि के साथ प्रदेश में जनपद बाँदा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2014 में 90 प्रतिशत से अधिक कोई भी बूथ नहीं था।
- जबकि 2019 में 07 बूथ 90 प्रतिशत से अधिक के जादुई आंकड़े को पार कर गए।
- इसके अतिरिक्त 60 – 70 प्रतिशत से अधिक वाले 645 बूथ, 70 – 80 से अधिक प्रतिशत वाले 281 बूथ एवं 80 – 90 प्रतिशत वाले 43 बूथ ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।
- इस अभियान से जनपदवासियों में जन सहयोग की भावना विकसित हुई।
- *इस उपलब्धि के लिए जिला निवार्चन अधिकारी श्री हीरा लाल को उ.प्र. के मा. राज्यपाल द्वारा 25 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेस एवार्ड – 2019 लखनऊ में प्रदान किया गया।*

# झलकियां

अध्यक्षता - श्री एल. वेंकटेश्वर लू (I.A.S.)

INDIA
NATIONAL VOTERS' DAY
25th JANUARY, 2020

बूथ गोद लेकर आयोग की मंशा करें
मतदान के लिए भेजा जाए न्योता
मायका हो या ससुराल मतदान के लिए करें तैयार
लाख मतदाताओं पर
हजार जवान तैनात
जादू से मतदान को किया जागरूक
घर-घर दस्तक दे मतद
ensure over 90 pc voting
युवाओं पर 90 प्लस मतदान का जिम्मा
मतदान में कर्मचारी घराती और मतदाता बराती : डीएम
में 150 गैरहाजिर, एक नकल में धरा
जागरूकता रैलियों से दी मतदान की प्रेरणा
बेहतर लीडर के लिए करें 90 फीसदी तक मतदान
All SDMs should visit polling centres for ensuring a free, fair election: Singh
Girl going to harvest wheat badly mauled by leopard
के हाथों बीएलओ सम्मानित
डीएम ने खुद भी गोद लिया एक बूथ
खेत-खलिहान पहुंचा 90 प्लस अभियान

- जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक बाँदा व जेल अधीक्षक बाँदा की जिला स्तरीय समिति द्वारा जेल का विजिट करके बंदियों की समस्याओं के समाधान व उनके कल्याणार्थ प्रभावी कदम उठाने की दिशा में निम्न सकारात्मक उपाय किए जा रहे हैं :

## जेल में सुधार हेतु उठाए गए कदमों का विवरण

### योग कार्यक्रम :

- कारागार में निरूद्ध बन्दियों को शारीरिक, मानसिक, प्राणिक, बौद्धिक, चारित्रिक लाभ प्रदान किये जाने के उद्देश्य से कारागार में निःशुल्क योग शिविर का आयोजन कराया जा रहा है। कारागार के समस्त बन्दियों द्वारा बड़े मनोयोग से उत्कृष्ट जीवन जीने की कला सीखी गयी तथा देवतुल्य इस जीवन को राष्ट्रहित में जीने का संकल्प लिया गया है। उक्त योग प्रत्येक बैरक के चार – चार बन्दियों द्वारा सीखा गया तथा उनके द्वारा अन्य बंदियों को सामूहिक रूप से योग कराया जा रहा है।

### खेल कूद कार्यक्रम :

- कारागार में निरूद्ध बन्दियों को शारीरिक, मानसिक लाभ प्रदान किये जाने के उद्देश्य से खेल–कूद के अन्तर्गत बॉली–बाल, बैडमिण्टन, लूडो, कैरम, रस्साकसी, आदि खेलों का अभ्यास कराया जाता है तथा समय–समय पर बन्दियों की टीम बनाकर आपस में प्रतिस्पर्धा करायी जाती है। विजेता टीम को पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

- 26 जनवरी 2019 को गणतंत्र दिवस तथा 15 अगस्त 2019 स्वत्रंतत्रा दिवस के अवसर पर खेल–कूद प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कराया गया।

### सांस्कृतिक कार्यक्रम :

- कारागार में निरूद्ध बन्दियों के बौद्धिक व चारित्रिक लाभ हेतु नृत्य, गायन व नाटक में अभिरुचि रखने वाले बन्दियों से अपनी प्रतिभा को निखार देने हेतु समय–समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत नृत्य एवं गायन व नाटक का कार्यक्रम भी कराया जाता है । उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन करने वाले बन्दियों को पुरस्कृत किया जाता है ताकि भविष्य में अपनी प्रतिभा को और निखार सकें।

### चित्रकला :

बन्दियों में उनकी बौद्धिक क्षमता अग्रेसित करने के उद्देश्य से जो बन्दी चित्रकला में अभिरुचि रखते हैं उनसे अपने मन की इच्छा अनुरूप तस्वीर या चित्रकला को कागज पर बनवाया जाता है उत्कृष्ट चित्रकला का प्रदर्शन करने वाले बन्दी को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाता है।

### चारित्रिक उत्थान :

- बन्दियों के मानसिक विकास एवं आध्यात्मिक चेतना जागृत करने हेतु उपदेश/ प्रवचन के कार्यक्रम नियमित कराये जाते हैं। 04.01.2012 से प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बांदा द्वारा बन्दियों के नैतिक उत्थान हेतु कारागार में राजयोग कक्ष की स्थापना की गयी है, जहां प्रतिदिन बन्दियों को नियमित रूप से प्रवचन दिये जा रहे हैं।

### साफ–सफाई/सौंदर्यीकरण :

- कारागार में निरूद्ध बन्दियों के रहने हेतु कारागार में स्थित बैरकों व अहातों को साफ–सुन्दर बनाए रखने हेतु बंदियों को स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत समय–समय पर अपनी–अपनी बैरक व अहाते साफ रखने की भी प्रतियोगिता कराई जाती है।

### महिला बन्दियों के उत्थान हेतु :

- कारागार में निरुद्ध महिला बन्दियों को पत्र व पत्रिकायें उपलब्ध करायी जा रही हैं। महिलाओं को उनकी अभिरूचि के अनुसार कविता, गीत, कहानी आदि लिखने हेतु प्रेरित किया जाता है ताकि उनका लेख पत्रिकाओं में प्रकाशित कराया जा सके जिससे उनमें सकारात्मक नजरिया विकसित हो सके।

### मुलाकातियों की समस्याओं का निस्तारणः

- बंदियों से मुलाकात करने आने वाले उनके परिजनों में से प्रतिदिन 2–3 परिजनों की समस्याओं को सुना जायेगा और इस हेतु बनाए गये रजिस्टर में उनको दर्ज किया जायेगा। इन समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव सहित जिला मजिस्ट्रेट को भेजा जायेगा और जो समस्याएं कारागार के स्तर की हैं उनका तत्काल समाधान कर दिया जायेगा। अब तक 17 बन्दियों के परिजन से समस्याये आयी हैं जिनका समाधान किया गया।

### जेल उत्थान हेतु प्रस्तावित नवीन कार्यक्रम

- गौशाला निर्माण एवं संचालन योजना
- काष्ठशिल्प कार्यशाला
- बन्दी साक्षर अभियान
- पुस्तक पठन अभियान
- कम्प्यूटर साक्षरता अभियान
- मिट्टी के बर्तनों से जेल परिसर की साज–सज्जा
- 2 कुओं को जीर्णोद्धार व 1 नवीन तालाब की स्थापना
- जेल परिसर में पार्क की स्थापना

- ***उक्त कार्यों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में बाँदा जेल को सर्वश्रेष्ठ जेल का पुरस्कार अगस्त 2019 में मिला।***

- ***बांदा जेल के अधीक्षक श्री आर.के. सिंह को 8 नवम्बर 2019 को उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशासन द्वारा प्रशंसा चिन्ह प्रदान किया गया।***

- ***राष्ट्रीय स्तर पर तिनका– तिनका फाउण्डेशन द्वारा 'तिनका–तिनका पुरस्कार–2019' 10 दिसम्बर 2019 को बांदा जेल के अधीक्षक श्री आर.के.सिंह को उत्कृष्ट जेल प्रबन्धन के लिए सम्मानित किया गया साथ ही 5 पुरूष एवं 2 महिला बंदियों को उनकी उत्कृष्ट कलात्मक एवं रचनात्मक प्रतिभा के लिए सम्मानित किया गया।***

लक्ष्य
90
मतदान

# अफसरों ने खंगाला मंडल कारागार

## डीएम बोले-बंदियों को रोज दें अखबार, कराएं योगाभ्यास, अफसरों ने किया जेल का निरीक्षण

अमर उजाला ब्यूरो

जेल का निरीक्षण कर बाहर आते अफसर। अमर उजाला

**बांदा।** जनपद न्यायाधीश राधेश्याम यादव, डीएम हीरालाल और एसपी गणेश साहा ने बृहस्पतिवार को सुबह जिला जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। हालांकि इसे उन्नाव जेल में बंदी द्वारा तमंचा लहराने का वीडियो वायरल होने के परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है।

जिला जज ने बंदियों से कहा कि जो अपना वकील करने में सक्षम नहीं है, उन्हें नियमानुसार सरकारी वकील उपलब्ध कराया जाएगा। बंदियों से कहा कि पढ़-लिखकर अच्छा नागरिक बनें। जेल में सजा के सिवा कुछ नहीं है। जिला जज ने जेल रसोई की रोटी खाकर खाने की गुणवत्ता देखी। डीएम हीरालाल ने जेलर को निर्देश दिए कि जो बंदी सुधरने का प्रयास करते हुए अच्छा काम करें उन्हें यहां की टीम का लीडर बनाया जाए। महिला-पुरुष दोनों ही बंदियों को हर शनिवार संगीत सिखाएं। यह स्वस्थ रहने की मेडिसिन है। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी बंदियों को रोजाना समाचार पत्र दें और तड़के चार बजे योगाभ्यास कराएं। जेल हॉस्पिटल में भर्ती 86 वर्षीय पूरन और महिला बैरक में 80 वर्षीय बंदी कुसुम की जमानत के लिए कागजात तैयार कराने को कहा। हर बैरक में दो-दो नीम के पौधे लगवाने को कहा। डीएम ने विकास प्राधिकरण अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि महिला बैरक के सामने खाली पड़ी जमीन में तालाब खोदकर चारों तरफ पौधे लगवाएं और कुएं की सफाई कराएं।

पुलिस अधीक्षक गणेश साहा ने जेलर को निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। कोई भी आपत्तिजनक चीज जेल में न आने पाए। प्रशासनिक आधार पर बंदियों को अलग रखा जाए। बाहर निकलने वाले कैदियों पर खास निगरानी के निर्देश दिए। मुआयने के मौके पर प्रभारी वरिष्ठ अधीक्षक रंजीत कुमार सिंह, जेल चिकित्सा अधिकारी डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी जेलर तारकेश्वर सिंह व रवींद्र कुमार प्रजापति, फार्मासिस्ट अरविंद कुमार तिवारी और अध्यापक प्रदीप कुमार मिश्रा भी मौजद रहे।

# डीजे और डीएम, एसपी ने किया मण्डल कारागार का औचक निरीक्षण

## बंदियों की समस्यायें सुन निराकरण कराने का दिया भरोसा

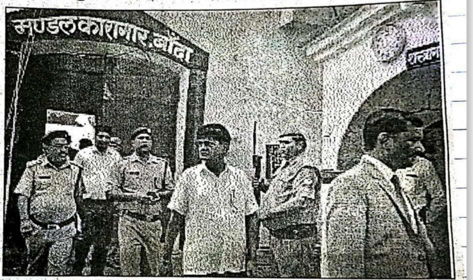


मण्डल कारागार का निरीक्षण कर बाहर आते डीजे, डीएम और एसपी। छाया:आज

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 12 सितम्बर। जिला जज, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की गाड़ियां गुरुवार को जब अचानक मण्डल कारागार पहुंची तो वहां के अधिकारी और कर्मचारी भी एकबारगी दंग रह गये। आला अफसरों ने कारागार का विधिवत निरीक्षण किया और रसोई घर मे बंदियों को मिलने वाले खाने की पड़ताल की। बंदियों की समस्यायें सुन उनके निराकरण कराने का भरोसा दिया।

आमतौर पर जिले के इन तीनों अफसरों का त्रैमासिक दौरा महीने की 28 तारीख को होता है लेकिन गुरुवार की दोपहर जब जिला जज राधेश्याम यादव, जिलाधिकारी हीरा लाल व पुलिस अधीक्षक गणेश साहा मण्डल कारागार पहुंचे तो वहां मौजूद कर्मचारियों में खलबली मच गयी। जेल अधीक्षक आरके सिंह ने बताया कि यह त्रैमासिक दौरा है। शासन के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश ने आला अधिकारियों के साथ कारागार का औचक निरीक्षण किया है। अफसरों ने सभी बैरकों का गहनता पूर्वक निरीक्षण किया और बंदियों की समस्यायें जानी। उनके निराकरण का भरोसा भी दिया। रसोई घर से बंदियों को [illegible] खाने की जांच-पड़ताल की। गुणवत्ता में और सुधार लाने के निर्देश भी दिये। अन्य व्यवस्थायें ठीक होने पर अधिकारियों ने संतोष जताया।

बांदा जेल अधीक्षक को सर्वोत्तम कारागार का प्रशंसा पत्र सौंपते प्रदेश के जेल महानिदेशक आनंद कुमार। अमर उजाला

# बांदा जेल प्रदेश का 'सर्वोत्तम कारागार'

**बांदा।** जिला जेल अब प्रदेश का 'सर्वोत्तम कारागार' हो गया है। प्रदेश के पुलिस/कारागार महानिदेशक ने इसके लिए जेल प्रशासन को प्रशंसा पत्र सौंपकर सम्मानित किया। यह जानकारी सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में डीएम हीरालाल और प्रभारी कारागार अधीक्षक आरके सिंह ने दी। डीएम ने बताया कि जुलाई 2017 से जून 2019 तक की अवधि में जेल में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। बंदियों को शारीरिक, मानसिक चारित्रिक सुधार व योग आदि के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रशिक्षित बंदी अन्य बंदियों को योगा करा रहे हैं। बैडमिंटन, लूडो, कैरम, रस्साकसी आदि खेलों का आयोजन किया गया, ताकि बंदी स्वस्थ रहें। प्रभारी कारागार अधीक्षक ने कहा कि हर शनिवार को जेल में बंदियों द्वारा गीत, संगीत, नाटक, नृत्य का मंचन होता है। स्वच्छता कार्यक्रम भी होते हैं। पुरुष और महिला बंदियों के लिए अलग-अलग पुस्तकालय हैं। जल संचयन को तालाब व नर्सरी प्रस्तावित है। प्रशंसा पत्र शनिवार को लखनऊ में डीजी जेल आनंद कुमार ने प्रभारी जेल अधीक्षक को सौंपा। सूचना उप निदेशक भूपेंद्र सिंह यादव, अंगद शर्मा सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी सईद अहमद आदि मौजूद थे। ब्यूरो

# संयुक्त निरीक्षण में बंदियो से जानीं उनकी समस्याएं

मंडल कारागार का निरीक्षण कर बाहर निकलते जिला जज राधेश्याम यादव ,डीएम हीरा लाल व एसपी गणेश साहा • जागरण

**जागरण संवाददाता, बांदा :** शुक्रवार को जिला जज राधेश्याम यादव, डीएम हीरा लाल व एसपी गणेश साहा संयुक्त रूप से त्रैमासिक निरीक्षण करने अचानक जेल पहुंच गए। वहां उन्होंने बैरिकों के निरीक्षण के समय बंदियों से उनकी समस्याएं पूछीं। पाकशाला में जाकर बंदियों के लिए बनाने वाले भोजन आदि की स्थिति का जायजा लिया।

जेल अधीक्षक से सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने को कहा। निरीक्षण में मरीजों के बारे में पूछने के साथ दवाओं आदि के बारे में जानकारी ली। सुरक्षा व्यवस्था का भी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निगरानी की स्थिति के बारे में जानकारी की। कहा कि मुलाकातियों की तलाशी आदि में पूरी तरह सर्तकता बरती जाए।

**पीआरडी कर्मी की मौत, जहर देने की आशंका :** देहात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लुकतरा निवासी 50 वर्षीय पीआरडी कर्मी देवी सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में शुक्रवार दोपहर मौत हो गई। चचेरे भाई संजय ने बताया कि उनकी गांव के एफसीआइ गोदाम में ड्यूटी थी। घर से एफसीआइ गोदाम जाने के लिए निकले थे। अचानक उनकी हालत बिगड़ गई। ग्रामीणों से जानकारी मिलने पर वह जब तक जिला अस्पताल ले गए तब तक रास्ते में उनकी मौत हो गई है। परिजनों ने आरोप लगाया कि शरीर नीला पड़ने से साजिश के तहत जहरीला पदार्थ खिलाए जाने की आशंका है। पुलिस को घटना की सूचना दी गई है।

अच्छी पहल — डीएम ने जेल गेट पर रखवाया रजिस्टर, समस्याओं को विभागों तक पहुंचाएगा जेल प्रशासन

# बंदियों के परिजन दर्ज करा सकेंगे समस्याएं

अमर उजाला ब्यूरो

**बांदा।** जेल के बंदियों के परिजनों की समस्याओं के निस्तारण में अब जेल प्रशासन भी भागीदार बनेगा। नई व्यवस्था के तहत जेल में एक रजिस्टर रखा गया है। बंदियों से मिलने आने वाले उनके परिजन इसमें अपनी घरेलू या गांव की समस्या दर्ज कर सकेंगे। जेल प्रशासन इन्हें संबंधित विभाग को भेजकर निदान कराने का प्रयास करेगा। यह व्यवस्था डीएम हीरा [illegible] इसकी समीक्षा भी करेंगे।

डिप्टी जेलर वीरेश्वर प्रताप ने बताया कि डीएम के निर्देश पर जेल में एक शिकायत रजिस्टर [illegible] मुलाकात करने आने वाले उनके परिजन अपनी निजी शिकायत दर्ज कराएंगे। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई। कई बंदियों [illegible] रजिस्टर में अंकित की हैं। इनमें ज्यादातर पुलिस से संबंधित मामले हैं। इन्हें पुलिस अधीक्षक को भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक स्तर से कार्रवाई हुई है। कारागार अधीक्षक आरके सिंह का कहना है कि इस व्यवस्था उन बंदियों को खासतौर से लाभ मिलेगा जिनके परिवार में कोई पुरुष, पैरोकार नहीं है। महिलाएं और बच्चे ही हैं। उनकी समस्या को जेल प्रशासन के जरिए निस्तारित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि डीएम की इस पहल से [illegible]

### जेल में पॉलिथीन पर पूरी तरह रोक

**बांदा।** जेल में पॉलिथीन व प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसकी जानकारी के लिए जेल परिसर में जगह-जगह सूचना चस्पा की गई है। बंदियों से मिलने आने वाले मुलाकातियों को भी पॉलिथीन में सामान जेल के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं है। उनके सामान की छानबीन की जाती है। पॉलिथीन के साथ जेल में दाखिल होने वाले मुलाकातियों की अनुमति पर्ची निरस्त कर दी जाएगी। ब्यूरो

- *पुराने जमाने में खेत, तालाब से पानी पीता था। इंसान, कुएं से पानी पीता था। तालाब, तालाब नहीं रहा। कुएं और तालाब सूख गए। जब से कुएं–तालाबों ने हमारा साथ छोड़ा, तब से पानी का विकट संकट हमारे सामने आ गया है। जल ही जीवन है। जल है तो कल है। वर्तमान जीवन और भविष्य को यदि सुरक्षित करना है तो तालाब और कुएं को जीवित कर, दोस्त एवं जीवनसाथी बनाना होगा। तालाब और कुएं हमारे लिए पूजनीय हैं। पुनः हमें इनकी पूजा शुरु कर देनी चाहिए। यह हमारी बाध्यता है इस सच्चाई को समझना होगा। सामूहिक श्रमदान और आपसी सहयोग 'पुरानी रीति–रिवाज' से तालाबों को पुनर्जीवित करना होगा। यदि ऐसा नहीं किया तो क्या होगा? भीषण गर्मी एवं गंभीर जल संकट इसके भयावह परिणाम के संकेत दे रहे हैं।*

- बुन्देलखंड में पानी की कमी सबसे बड़ी समस्या है। बाँदा, उत्तर प्रदेश के बुंदेलखण्ड का जिला है। यहां जल का जबरदस्त संकट है। बाँदावासियों के पास जल आपूर्ति का सबसे बड़ा जरिया जमीन के अंदर का पानी यानी भूजल है। बाँदा में जरूरत का 85 फीसदी पीने का पानी इसी भू–जल से मिलता है।

- अभियान को सफल बनाने हेतु दो चरण में कार्य किया गया :
- 1– **"भूजल बढ़ाओ, पेयजल बचाओ' अभियान**
- 2– **कुआं–तालाब जियाओ अभियान**

**इस अभियान का उद्देश्य**

***आम जनमानस की सोच में***
***जल संचय,***
***कुआँ तालाब के प्रति लगाव,***
***अपनत्व,***
***प्रेम,***
***आदर एवं सम्मान का भाव***
***पैदा करना।***

**उपलब्धियां**

- भारत में बाँदा पहला जिला है, जहाँ पीने के पानी के स्रोतों (हैंडपम्प और कुओं) के आस – पास भूगर्भीय जलस्तर को बनाए रखने के लिए ऐसा अनोखा अभियान चलाया गया।

- 471 ग्राम पंचायतों में जल चौपाल लगी। इस चौपाल में लोगों ने अपने पानी खर्च (वाटर बजटिंग) का हिसाब लगाया और अपने इलाके की जमीन के अंदर के पानी की हालत का अंदाज़ा लगाया। इसमें करीब 34732 हजार ग्रामीणों ने सीधे तौर पर भाग लिया। भू–जल बचाने और पीने के पानी के स्रोतों की हिफाजत करने का संदेश बाँदा की 15 लाख ग्रामीण आबादी तक पहुँचा।

- 2443 जल स्रोतों के इर्दगिर्द 2605 खन्तियों का निर्माण किया गया। इनमें 2183 हैंडपम्प और 260 कुएँ शामिल हैं।

- अभियान में 3930 किलो लीटर पानी जमा करने के लायक खन्तियों का निर्माण हुआ। इससे सालाना 110001 किलो लीटर पानी जमीन के अंदर जा सकता है। हमने बाँदा की धरती को इतना पानी वापस देने लायक ढाँचा तैयार कर लिया है।

- वर्ष 2019 के प्रारम्भ में जिलाधिकारी बाँदा श्री हीरा लाल द्वारा वॉटर ऐड इंडिया, लोक विज्ञान केंद्र तथा अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान के तकनीकी सहयोग तथा श्री महेंद्र मोदी (राष्ट्रीय जल गुरु) के मार्गदर्शन से, बाँदा जनपद में चलाये गए **"भूजल बढ़ाओ ,पेयजल बचाओ अभियान"** ने कई कीर्तिमान स्थापित किये।

- इस अभियान को लिम्का बुक ऑफ़ रिकाड्र्स 2019 में शामिल कर लिया गया गया है।

- जिले में पेयजल के स्रोतों यथा हैंडपम्प तथा कुओं के चारों ओर पेयजल संवर्धन हेतु खोदे जाने वाले हैं। अधि. कतम कंटूर ट्रेंचेस की संख्या= 2605। जोकि 2183 हैंडपम्प तथा 260 कुओं के चारों ओर सामुदायिक सहभागिता से खोदे गए।

- जिले में एक माह की समयावधि में वाटर बजटिंग तथा ग्राउंड वॉटर रिचार्ज को लेकर आयोजित की जाने वाली जल चौपाल की अधिकतम संख्या= 469। जिनमें जनपद के 34732 ग्रामवासियों ने भागीदारी की।

- इस अभियान के दौरान श्री संजय आर. भुसरेड्डी, प्रमुख सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास उत्तर प्रदेश शासन, श्री एल. वेकटेश्वर लू, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ.प्र. एवं श्री यू.पी. सिंह सचिव, जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने बांदा आकर स्वयं इसे देखा एवं सराहा।

- **कुआं–तालाब जियाओ अभियान** के अन्तर्गत तालाबों की खुदाई/जीर्णोद्धार एवं अन्य कार्य
- 49 छोटे सिंचाई तालाब
- मनरेगा के अन्तर्गत 249 ग्राम पंचायत तालाब
- ग्राम निधि के अन्तर्गत 274 तालाब
- खेत–तालाब योजनान्तर्गत 840 तालाब
- 1311 कृषि भूमि में सिंचाई हेतु मेड़बन्दी
- विभिन्न सरकारी भवनों एवं कार्यालयों में 82, डिग्री कालेजों में 29 एवं 1507 प्राइमरी स्कूलों में रूफ टाप रेन वाटर हारवेस्टिंग कम रिचार्ज पिट स्ट्रक्चर स्थापित किए गए।
- *जिनके माध्यम से 27,62,515 हे.मी.प्रति वर्ष जल रिचार्ज क्षमता का स्ट्रक्चर तैयार हुआ है।*
- स्मार्ट सिटीज इंडिया एक्सपो एंड कांफ्रेंस, प्रगति मैदान, नयी दिल्ली में "भूजल बढ़ाओ पेयजल बचाओ अभियान" के लिए जिलाधिकारी बाँदा के अगुवाई में जिला प्रशासन बाँदा को "बेस्ट इनिशिएटिव इन वॉटर सेक्टर" का पुरस्कार प्रदान किया गया।
- जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 18 दिसम्बर 2019 को कांस्टीट्यूशन क्लब नई दिल्ली में बांदा में जल संरक्षण के प्रति समर्पित एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए जिलाधिकारी श्री हीरा लाल, समाजसेवी श्री उमाशंर पाण्डेय (जखनी) एवं कु. प्रशंसा गुप्ता (वाटर एड एवं अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान) को **'जल प्रहरी'** सम्मान से प्रदान किया गया।

जल संरक्षण चेतन

व्यवस्था | जिले के 2038 विद्यालयों में बनेंगे मॉडल रीचार्ज पिट, 846 से ज्यादा स्कूलों में संरक्षित हो रहा बारिश का पानी

# स्कूलों में रीचार्ज पिट से पढ़ाएंगे जल संरक्षण का 'पाठ'

प्रदीप द्विवेदी • बांदा

विद्यालयों के जरिए अब लोगो को जल संरक्षण का पाठ पढ़ाया जाएगा। जिले के सभी विद्यालयों में माडल रिचार्ज पिट बनेंगे। ये ग्राम पंचायतों के लिए प्रेरणास्रोत होंगे। शिक्षा विभाग सभी 2038 विद्यालयों में रिचार्ज पिट बनवाने की कवायद में जुट गया है। 846 विद्यालयों में रिचार्ज पिट बन चुके हैं और इनमें बारिश के पानी को संरक्षित किया जा रहा है।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय चहितारा में बनाया गया वाटर रिचार्ज सिस्टम • जागरण

जिलाधिकारी हीरा लाल कुआं-तालाब जिआओ अभियान के बाद जल संरक्षण की मुहिम में जुटे हैं। नगरीय और ग्रामीण इलाकों में रिचार्ज पिट बनवाकर पूजन व दीपदान करा रहे हैं ताकि ग्रामीण इनके महत्व को समझें। इसी कड़ी में उन्होंने विद्यालयों में माडल रिचार्ज पिट बनाने की कवायद शुरू की है। ये रिचार्ज पिट गांवों के लिए भी नजीर बनेंगे। गुरुजन ग्रामीणों को जल संरक्षित करने के लिए प्रेरित करेंगे। सभी विद्यालयों में भू जल संरक्षण के उद्देश्य से रिचार्ज पिट बनवाने के निर्देश बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए गए हैं। बीएसए ने ब्लाकवार लक्ष्य तय किया है। 1192 विद्यालयों में रिचार्ज पिट के निर्माण का कार्य चल रहा है। जिला प्रशासन की यह मुहिम रंग लाई तो निश्चित तौर पर तेजी से खिसक रहे भूजल स्तर को रोकने में बड़ी मदद मिलेगी और जल संकट दूर होगा।

> जिले में जल संरक्षण अभियान के तहत प्रत्येक विद्यालय में तकनीक से जुड़ा रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम रिचार्ज पिट बनवाया जा रहा है। करीब 50 फीसद बनकर तैयार भी हो गए हैं। इनमें जल संरक्षण का कार्य किया जाएगा।
> –हरिश्चंद्रनाथ, बीएसए

**पूर्व माध्यमिक विद्यालय चहितारा बना नजीर :** मंडल मुख्यालय से नौ किलोमीटर दूर पूर्व माध्यमिक विद्यालय चहितारा जल संरक्षण में जिले के लिए नजीर बना है। प्रधानाध्यापक निशांत चौरसिया ने माडल रिचार्ज पिट खुद अपने खर्च से बनवाकर तैयार किया है। करीब चार माह से इसमें बारिश का पानी संरक्षित हो रहा है। वह बच्चों व उनके अभिभावकों को भी जल संरक्षण के लिए लगातार प्रेरित कर रहे हैं।

**लक्ष्य पर एक नजर**

| ब्लाक | विद्यालय | रिचार्ज पिट |
|---|---|---|
| बड़ोखर खुर्द | 238 | 200 |
| महुआ | 259 | 85 |
| नरैनी | 430 | 110 |
| बिसंडा | 232 | 91 |
| जसपुरा | 157 | 61 |
| तिंदवारी | 213 | 75 |
| बबेरू | 248 | 119 |
| कमासिन | 213 | 98 |
| नगर क्षेत्र | 48 | 07 |
| योग | 2038 | 846 |

# पानी की कथा सुनाकर दूर की लोगों की व्यथा

- समस्याओं से निजात पाने के लिये अपनाया लो कास्ट माडल
- कुँआ–तालाब जियाओ अभियान अपने आप में अनोखा काम

**बाँदा : दिल्ली में जलशक्ति के केन्द्रीय सचिव को बांदा का एलबम देते डीएम।**

**बाँदा ब्यूरो :** पिछले करीब एक साल में जनपद के विकास के लिये नये आयामों पर किये गये कार्यों को लेकर राजधानी दिल्ली में मंत्रणा की गयी। जिसमें मुख्य रूप से जल संरक्षण का माडल छाया रहा। अभियानों की सफलता का राज बताते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का काम किया गया। पानी के लिये गांव–गांव में कथा सुनाकर इस व्यथा को दूर करने का काम किया है।

नेशनल वाटर मिशन के तहत दिल्ली में आठवीं वाटर टाक कार्यशाला हुयी। जिसमें जल शक्ति मंत्रालय के केन्द्रीय सचिव यूपी सिंह ने बाँदा में जल संरक्षण के क्षेत्र में किये गये कार्यों को सराहा। कहाकि बाँदा का माडल सस्टनेबल माडल है। मैं जिस फोरम में जाता हूं वहां इस माडल की बात करता हूं। कुआं–तालाब जियाओ अभियान अपने आप में अनोखा काम है। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी हीरा लाल ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने लगभग एक वर्ष के अंतराल में चलाये गये विभिन्न अभियानों के पीछे सफलता के राज बताये। कहा कि कुआं–तालाब जियाओ अभियान चलाया। हैण्डपम्प व कुओं के आस–पास करीब ढाई हजार जल स्रोत बनाये गये। ग्राम पंचायतों की बैठकों में पानी की कथा सुनाई। ताकि लोगों के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर इस व्यथा को दूर किया जा सके। जनपदवासियों के सहयोग से बेहतर सफलता मिली। भौगोलिक रूप से देंखे बाँदा मध्यप्रदेश का सीमावर्ती जनपद है। जहां पानी,अन्नाप्रथा,कुपोषण जैसी प्रमुख समस्यायें हैं। इनसे निपटने के लिये बड़े पैमाने पर काम किया गया है और सहज व सरल तरीका अपनाकर बिना पैसे के ही इन समस्याओं को दूर करने में सफलता हासिल की है। इस तरह के 15 धंधे अर्थात अभियान बिना पैसे के ही चला चुके हैं। सभी में फायदा मिला। शुरूआत जनवरी में स्टार्ट अप इनोवेशन से की गयी थी।

**दिल्ली में हुई जखनी के काम की सराहना**

**बाँदा :** जनपद के महुआ विकासखंड के गांव जखनी में जलसंरक्षण के लिये किये गये कार्यों की राजधानी दिल्ली में भी सराहना की गयी। बतातें चलें कि गांव वालों ने सामूहिक प्रयास से बिना किसी मदद के जल संरक्षण पर काम किया है। जिसे देखने केन्द्रीय सचिव यूपी सिंह गांव आ चुके हैं और गांव में किये गये जल संरक्षण के कार्यों की तारीफ की थी।

# तालाब व कुआं बचाने को जनांदोलन की जरूरत

कुआं–तालाब जिआओ अभियान कार्यशाला में बोलते डीएम हीरा लाल • जागरण

**बोले डीएम**

- जिलाधिकारी ने प्रधान, सचिव व लेखपालों को सौंपे दायित्व
- कार्यशाला में गूंजी कुआं–तालाब बचाओ अभियान की आवाज

**जागरण संवाददाता, बांदा :** वर्तमान जीवन और भविष्य यदि सुरक्षित करना है तो तालाब और कुएं को जीवित करना होगा। उन्हें अपना दोस्त व जीवन साथी बनाना होगा। ये हमारे लिए पूज्यनीय भी हैं। उक्त बातें डीएम हीरा लाल ने सोमवार को निजामी हाल में आयोजित कुआं–तालाब जियाओ अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला में कहीं। इस दौरान जिले भर से प्रधान, सचिव, लेखपाल व अधिकारी जुटे।

डीएम ने कार्यशाला में 'कुओं-तालाबों में पानी लाएंगे, बांदा को खुशहाल बनाएंगे' का नारा देते हुए प्रधान व सचिवों में जोश भरा। उन्होंने कुआं–तालाब जिआओ अभियान को जनांदोलन बनाने की अपील की। कहा कि पुराने जमाने में खेत, तालाब से लोग पानी पीते थे। कुआं ही पेयजल का बेहतर स्रोत रहा है। अब तालाब–तालाब नहीं रहा। कुएं और तालाब सूख गए हैं। जब से कुएं-तालाबों ने हमारा साथ छोड़ा, तब से पानी का संकट बढ़ गया है। अब जल ही जीवन के संकल्प के साथ इन्हें फिर पुनर्जीवित करना होगा।

**प्रधानों ने बढ़ाया हौसला :** कार्यशाला में शामिल ग्राम प्रधानों ने डीएम व इस मुहिम में लगे अधिकारियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वह तालाब व कुओं को पुनर्जीवित करने लेकर पूरी ताकत झोंकेंगे।

# कुओं की सफाई के लिए आईआईटी कानपुर से डीएम ने मांगे उपकरण

**एचबीटीयू, कानपुर को भी पत्र भेजा, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट अधूरा होने पर फाइल तलब**

अमर उजाला ब्यूरो

बांदा। कुआं-तालाब जियाओ अभियान की श्रृंखला में अब कुओं की सफाई के लिए विशेषज्ञों और आधुनिक उपकरणों की मदद ली जाएगी। इसके लिए डीएम हीरालाल ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। उधर, शहर के पास कनवारा गांव में ट्रीटमेंट प्लांट के कचरा प्रवाह न हो पाने पर नाराजगी जताते हुए जल निगम से फाइल तलब की है।

रविवार को डीएम हीरालाल ने एचबीटीयू, कानपुर कुलपति, राजकीय इंजीनियर कालेज, बांदा के निदेशक और आईआईटी कानपुर के उपनिदेशक को अलग-अलग भेजे पत्रों में कहा है कि बांदा में कुआं-तालाब सफाई का अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन पुराने लोगों और इस काम में महारथ रखने वालों की उपलब्धता न हो पाने से कुओं की सफाई नहीं हो पा रही है। ये कूड़ा-करकट से भरे पड़े हैं। इनकी सफाई करा दी जाए तो पूर्व की भांति यह पानी उपलब्ध करा सकेंगे। डीएम ने निदेशक और कुलपति से अनुरोध किया है कि उनकी संस्था में कुओं की सफाई का कोई मैकेनिकल उपकरण हो तो उसे उपलब्ध कराने का कष्ट करें। साथ ही इस कार्य के विशेषज्ञों का सहयोग भी प्रदान करें।

सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की फाइल देखते डीएम हीरा लाल। अमर उजाला

उधर, डीएम ने रविवार को शाम कनवारा स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का आकस्मिक निरीक्षण किया। यहां पाया कि पाइप लाइन बाधित होने से कचरा प्रवाह नहीं हो पा रहा। इसमें रेलवे का सहयोग भी नहीं मिल रहा।

डीएम ने इस बात पर नाराजगी जताई कि इस बारे में उन्हें अब तक क्यों नहीं अवगत कराया गया? डीएम ने जल निगम से तत्काल इसकी पत्रावली तलब की है।

**हर गांव में खुलेंगे योग सेंटर**

बांदा। 21 जून को पूरे जनपद में योगा दिवस मनाने की तैयारियां जारी हैं। उधर, डीएम हीरालाल ने कहा है कि योग पखवारा खत्म होते ही जिले की सभी 471 ग्रामं पंचायतों में प्रतिदिन योग टीम संचालित कराए जाएंगे। इसके लिए हरेक गांव के 4-4 इच्छुक और उत्साहित लोगों को चयनित कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बड़ोखर और नरैनी ब्लाक का चयन किया गया। यहां योग शिक्षक डा. रमेश राजपूत की देखरेख में योग टीम संचालित होगी और इसके लिए क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. वरुण गुप्ता को नोडल नामित किया गया है। डीएम ने कहा कि 6 माह के अंदर हरेक गांव में योग केंद्र चालू कराए जाएंगे। यह गांव के किसी सार्वजनिक भवन या स्थान पर होंगे। ब्यूरो

# पानी के महत्व को समझ जल संरक्षण के प्रति सचेत हो नई पीढ़ी:भूसरेड्डी

*प्रमुख सचिव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जल मार्च, दिलाई जल संरक्षण की शपथ*

*प्रत्येक नागरिक समझे अपनी जिम्मेदारी, बर्बाद न होने दे पानी की एक भी बूंद:डीएम*

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 22 जून। कुआं-तालाब जियाओ अभियान के अंतर्गत शनिवार की सुबह शहर के मोहल्ला छाबी तालाब से निकाले गये जल मार्च को चीनी उद्योग व गन्ना विकास के प्रमुख सचिव संजय आर भूसरेड्डी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो विभिन्न मार्गों से होते हुए प्रागीतालाब पहुंचकर समाप्त हुआ। यहां प्रमुख सचिव समेत जिलाधिकारी ने सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। कहा कि नई पीढ़ी को पानी के महत्व को समझना होगा यदि हम लोग अभी न चेते तो आने वाले भविष्य में पानी का संकट विकराल रूप ले सकता है।

जल मार्च में शामिल प्रमुख सचिव, जिलाधिकारी समेत अन्य। छाया :आज

प्रागी तालाब में जल मार्च को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि विभिन्न विद्यालयों के बच्चों, एनसीसी कैडेटों, छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों और जनपदवासियों ने जो यह मुहिम चलाई है वह बुंदेलखंड के लिए वारदान बनेगी। पेयजल हमारी आधारभूत सुविधाओं में से एक है। जल के बगैर जीवन जीने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। १९९० के दशक में हम लोगों के सामने सामाजिक रीति रिवाजों के हिसाब से शादी विवाहों के अवसर पर विवाह के दिन लड़की व लड़के की मां कुआं पूजन करती थी और सूर्यदेव की आराधना कर आगे की रस्मे की जाती थीं। दक्षिण भारत में आज भी इन्ही रस्मो के साथ वैवाहिक जीवन का शुभारंभ किया जाता है। कुआं, तालाब, नदियां, झरने यही सब देवता होते हैं।

प्रमुख सचिव संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि जब हम ट्रेनिंग में मंसूरी गये थे, तो वहां २०-२० लोगों की टोलियां बनाई जाती थीं। सभी लोग झरनों का मीठा व ताजा पानी पीते थे और स्वस्थ्य रहते थे। नई पीढ़ी को पानी का महत्व समझना होगा। संसाधनों का कभी गलत प्रयोग नहीं करना चाहिए। वरना आने वाले समय में पानी का संकट विकराल होगा। जल संरक्षण के प्रति सभी को जागरुक होना होगा। जिलाधिकारी हीरालाल ने कहा कि पीने योग्य पानी का स्तर दिनो दिन गिरता जा रहा है। इसके प्रति सभी को सचेत होना होगा। मनुष्य के शरीर में ७५ प्रतिशत पानी होता है। जीवन जीने के लिए यह बहुत उपयोगी है लेकिन हम लोग कभी लॉन-फुटपाथ व गाड़ियों के धुलने में पानी बर्बाद कर देते हैं। पानी के महत्व को प्रत्येक नागरिक अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझे और एक भी बूंद बर्बाद न होने दें। खेतों की सिंचाई के लिए किसान माइक्रो और ड्रिप पद्धति अपनायें जिससे पानी के कम खर्च में अच्छी फसल हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि अगले २० दिनों में इस तालाब को मॉडल बनाने में जोर दिया जायेगा। जिस तरह आप सभी लोग अपने बच्चों से प्रेम करते हैं ठीक उसी प्रकार कुओं और तलाबों से प्रेम करें क्योंकि जल ही नहीं होगा तो फिर जीवन कैसा। सभी लोग सामूहिक रुप से श्रमदान कर कुओं और तालाबों की सफाई करें ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल इकट्ठा हो सके।

***"Prevention Is Better Than Cure"***

- *सभी का ध्यान इलाज (**Cure**) से बचाव (**Prevention**) पर लाना है। सबके तन और मन में योग को बसा कर उन्हें स्वस्थ, ऊर्जावान और दक्ष बनाये रखना ही लक्ष्य है।*

- योग शब्द संस्कृत की 'युज्' धातु से बना है। जिसका अर्थ–जोड़ना है। योग दर्शन 6 दर्शनों में एक दर्शन है। जिसके प्रणेता महर्षि पतंजलि हैं।

- पतंजलि के अनुसार– **'योगश्चित्त वृत्ति निरोधः'** अर्थात् चित्त की वृत्तियों पर नियंत्रण करना ही योग है। चित्तवृत्तियां जब शांत होती हैं तब मन शांत होता है। जब मन शांत होता है, तब स्वयं का पता चलता है। अन्यथा यह चंचल मन हमें बाहर ही भटकाता रहता है। जब हम स्वयं में स्थित होते हैं तो तनावमुक्त और स्वस्थ होते हैं।

- जिलाधिकारी ने विचार किया कि इस जनपद के प्रत्येक व्यक्ति को वर्षभर स्वास्थ्य एवं खुशहाली का लाभ कैसे पहुंचाया जाए जिससे जनपद बांदा निरामय व सुखमय रह सके।

- उन्होंने ठाना कि **'योग'** को गांव–गांव तक पहुंचाया जाए। इसके लिए उन्होंने ठोस कार्य योजना बनायी, जिसके अंतर्गत जनपद के प्रत्येक विभाग को योग करना अनिवार्य बनाते हुए प्रत्येक विभाग को पत्र जारी किया।

- यह चिट्ठी स्वास्थ्य और खुशहाली का संदेश है। उनका सोचना है कि योग एक औषधि है, जोकि कड़वी होती है। सहज रूप से लोग इसे स्वीकार नहीं करते, दबाव में इसे सिखाया जाता है।

- ***''स्वस्थ शरीर के लिए योग बेहद आवश्यक है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ रहे, तभी अच्छे समाज की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।''***

- ***''मैं अपने जनपद के प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ और खुशहाल देखना चाहता हूं। इसीलिए मैंने बिना लागत के सहज, सरल तरीके से योग को जन–जन तक पहुंचाने के लिए ठाना है।''***

- **अभियान की गतिविधियां**

**अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पखवाड़ा**

- 15 जून से 30 जून 2019 तक, प्रत्येक विकासखण्ड, सरकारी कार्यालयों एवं स्कूलों में मनाया गया।

**पांचवाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस**

- बांदा का केंद्रीय कार्यक्रम पांचवां विश्व योग दिवस राजकीय इण्टर कॉलेज बांदा के विशाल मैदान में 21 जून 2019 को मनाया गया।

**योग गुरुओं की बैठक**

- योग पखवाड़े के तहत जिले में लगाए गए योग शिविरों की सफलता के बाद जिलाधिकारी ने 32 योग प्रशिक्षकों 1 जुलाई, 2019 को कैंप कार्यालय में प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

**योग के लाभ हेतु प्रशिक्षण की कार्ययोजना**

- ऐलोपैथी, आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथी एवं पशु चिकित्सा के चिकित्सकों को योगमय बनाना ताकि ये लोग योग को जन–जन तक पहुंचाने में नेतृत्व दे सकें।

- 470 गांवों में 4– 4 (2 पुरुष + 2 महिला) को प्रशिक्षण दे कर योग ट्रेनर तैयार करना।

- बेसिक शिक्षा के 71 संकुलों से 4–4 (2 पुरुष + 2 महिला) अध्यापकों को प्रशिक्षित करना।

- माध्यमिक शिक्षा के 170 विद्यालयों से 2–2 (1 व्यायाम शिक्षक) को प्रशिक्षित करना।

- उच्च शिक्षा के 93 विद्यालयों से 1–1 शिक्षक को प्रशिक्षित करना।

- 06 नगर पंचायतों एवं 02 नगर पालिकाओं के 121 वार्डों में प्रत्येक से 4–4 व्यक्तियों को योग की ट्रेनिंग देना।

**पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित दो विकास खण्ड**

- पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रत्येक गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक योग को पहुंचाने के लिए दो विकासखण्डों बड़ोखर खुर्द और नरैनी का चयन किया गया।

**प्रो0 एच0आर0 नागेन्द्र का योग कार्यक्रम**

- 12 सितम्बर, जी0आई0सी0 मैदान, बाँदा।
- स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु के कुलाधिपति प्रो0 डॉ0 एच0आर0 नागेंद्र ने योग का महत्व बताया।

**योग प्रहरी एवं योग मित्र सम्मान**

- 14 सितंबर, कलेक्ट्रेट सभागार, बाँदा में जिलाधिकारी ने योग में सराहनीय कार्य करने वाले 100 लोगों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

*जिलाधिकारी श्री हीरा लाल की प्रेरणा से बांदा के समस्त कार्यालयों, स्कूलों आदि में आज भी सतत् रूप से योग कराया जा रहा है।*

सहयोगी

# सुर्खियां

## ...जुड़ने का सबसे बेहतर माध्यम

...हजार से ज्यादा ने किया अभ्यास, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग चेयरमैन भी शामिल

जीआइसी में योग करतीं युवतियां • जागरण

बांदा के बड़ोखर बुजुर्ग के राजकीय हाईस्कूल में प्राणायाम करती शिक्षिकाएं • जागरण

जागरण संवाददाता, बांदा : अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस पर मंडल मुख्यालय में जगह-जगह योग अभ्यास के कार्यक्रम हुए। जीआइसी मैदान में करीब पांच हजार योग प्रेमियों ने अभ्यास किया। इस दौरान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष बाबूराम निषाद ने योग का महत्व बताया। कहा कि योग प्रकृति से जुड़ने का सबसे बेहतर व सशक्त माध्यम है।

योग दिवस पर सरकारी, गैर सरकारी, विभिन्न संस्थाओं, स्कूल-कॉलेज, पार्क, व घरों में लोगों ने योगासन किया। सुबह से ही लोगों की भीड़ सड़कों पर दिखी। शहर के राजकीय इंटर कालेज मैदान में योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सदर विधायक, डीएम, एडीएम, एसपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों समेत आम लोगों ने शिरकत की। अधिकारियों ने लोगों को योग के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष ने दीप प्रज्जवलित कर किया। सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। योग को जीवन में अपना कर हम अपनी आयु बढ़ा सकते हैं। डीएम हीरा लाल ने कहा कि योग के माध्यम से व्यक्ति निरोग रह सकता है। आप लोग अपने अपने जीवन में योग को अपना कर योगी बनें और समाज के लिए उपयोगी बनें। इसके माध्यम से आंतरिक शांति प्राप्त होती है। योग शिक्षक व विश्व योग सेवा ट्रस्ट के संस्थापक रमेश चंद्र सिंह ने कहा कि इस अनूठी विद्या को अपने दैनिक जीवन शैली के साथ अपनाना जरूरी है। इस मौके पर एडीएम संतोष बहादुर सिंह, एसपी गणेश साहा, सीडीओ हरिश्चंद्र वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार सिंह, कार्यक्रम के संयोजक आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राजेश राजपूत आदि रहे।

बांदा के जीआइसी मैदान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग कराते उ.प्र. पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष बाबूराम निषाद, जिलाधिकारी हीरा लाल, एडीएम संतोष बहादुर • जागरण

विश्व योग दिवस पर मंडल कारागार में योग करते बंदी • जागरण

पुलिस लाइन में योग करते पुलिस अधीक्षक गणेश साहा व उनकी पत्नी डॉ. कोमल • जागरण

## योग निरोगी जीवन के लिये महत्वपूर्ण : डीएम

- बजरंग कॉलिज में योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित
- एनसीसी कैडिट्स ने निकाली कुँआ तालाब जियाओ रैली

बाँदा : बजरंग कॉलिज में योग करते डीएम व डीआइओएस।

बाँदा : रैली को झण्डी दिखाकर रवाना करते डीएम।

बाँदा ब्यूरो : 21 जून को मनाए जाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व गुरूवार को आदर्श बजरंग इण्टर कॉलिज में योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें लोगो को योग के गुर सिखाए गये।

कॉलिज में आयोजित योग प्रशिक्षण शिविर में जिलाधिकारी हीरा लाल ने प्रतिभाग करने वाले एनसीसी के कैडिट्स को सम्बोधित करते हुए योग के महत्व को समझाया और जल संरक्षण जल संचयन, वृक्षों व कुँआ, तालाबों को बचाने में सक्रिय मुहिम चलाने की अपील की। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक हिफ्जुर्रहमान ने भी छात्रों को योग के महत्व को बताया और कहा कि यह हमारे जीवन को निरोगी व बेहतर बनाने में बहुत ही कारगर है। प्रधानाचार्य मेजर मिथलेश कुमार पाण्डेय, चीफ ऑफिसर मंगल प्रसाद, व्यायाम शिक्षक रमेशचन्द्र, देशराज, शिवराम, रोहित, नंदन त्रिपाठी, संपूर्णानंद तिवारी समेत एनसीसी के 225 कैडिट्स ने भागीदारी की। योग प्रशिक्षण शिविर में योग शिक्षक बिंद कुमार सिंह ने प्रोटोकाल के अनुसार लोगों को योग से सम्बंधित विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। शुक्रवार को योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले शिविर के मुख्य अतिथि सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी होंगे। योग प्रशिक्षण शिविर के उपरांत एनसीसी के कैडिट्स द्वारा कुँआ तालाब जियाओ के अभियान के तहत जन जागरण रैली निकाली गयी। जिसे जिलाधिकारी हीरा लाल ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

## जब जिलाधिकारी ने उठाई लाठी

इस फोटो को देखकर हैरान न हों, दरअसल यह फोटो जनपद के जिलाधिकारी हीरा लाल की है। हाथ में लाठी उठाकर यह कोई करतब नहीं दिखा रहे हैं बल्कि ग्रामीणों को लाठी से योगा सिखा रहे हैं। जिलाधिकारी बुधवार को महुआ ब्लाक के घुरौड़ा ग्राम में तालाब- कुआं जिआओ अभियान में ग्रामीणों को जागरुक कर रहे थे इसी दौरान वह ग्रामीणों को लाठी से योग सिखाने लगे। उनका यह अंदाज देख हर कोई मंद- मंद मुस्कराने लगा • जागरण

## योग को बनाये जीवन का अंग : डॉ. नागेन्द्र

- डीएम समेत अधिकारियों, कर्मचारियों व नागरिकों ने किया योग
- जीआइसी के मैदान में वृहद योगाभ्यास शिविर आयोजित

बाँदा : योग करते योगाचार्य डॉ. नागेन्द्र, डीएम व अन्य।

बाँदा ब्यूरो : जीवन के बेहतर विकास एवं स्वस्थ्य व निरोगी बनाये रखने के लिये योग को जीवन का हिस्सा बनाएं। जिससे प्रत्येक व्यक्ति अनेकानेक बीमारियों से अपना बचाव कर पूरी तरह से स्वस्थ्य व तनावमुक्त रह सकता है। बंगलुरु कर्नाटक स्थित योग अनुसंधान संस्थान के कुलाधिपति के योगाचार्य डॉ एचआर नागेन्द्र यह अपील राजकीय इण्टर कॉलिज के मैदान में योगाभ्यास कार्यक्रम से पूर्व शिविर मे आए अधिकारियों कर्मचारियों व युवाओं को सम्बोधित करते हुए यह संदेश दियां। उन्हेंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि देश के 50 करोड लोग अगले योग दिवस पर योगाभ्यास मे शामिल हों। उन्होने कहा कि यह गौरव की बात है किं प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मान्यता मिली है। उन्होने कहा कि योग के माध्यम से मानव महा मानव बन सकता है। उन्होने लोगो से अपील कि है कि वह कर्म योग को अपनाएं। जिलाधिकारी हीरा लाल ने अपने सम्बोधन मे कहा कि देश और समाज की प्रगति शिक्षा स्वास्थ्य पर ही संभव है। उन्होने कहा कि दक्षिण कोरिया ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होने कहा कि वह चाहते है कि जनपद के लोग बीमार न पडें इसलिये उनके तन मन में योग को बसाना है। जिलाधिकारी ने योग को घर-घर पहुंचाने के उद्देश्य को सफल बनाने के लिये कहा कि योग प्रशिक्षक तैयार किये जा चुके है। जो गाँवों विद्यालय, कार्यालयों मे योग कराएंगे। बाबा भीमराव अम्बेडकर लखनऊ के विभागध्यक्ष हरि सिंह ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस योग कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों के अलावा गणमान्य लोगों बुद्धजीवियों, नागरिकों के साथ-साथ अनेक विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों, शिक्षकों ने बड़े उत्साह के साथ भागीदारी की। जिसमे सीडीओ, एडीएम, एसडीएम, सीएमओ आदि बडी संख्या मे अधिकारी शामिल रहे। मुख्य अतिथि डॉ. नागेन्द्र ने योग कार्यक्रम शुभारम्भ में दीप प्रज्ज्वलित कर तथा भगवान धनवंतरि, योग ऋषि पतंजलि एवं स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम में योगाचार्यों को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किये गये।

### युवाओं ने की भागीदारी

नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयक डॉ दिनेश यादव ने बताया कि कार्यक्रम में सत्यनारायण सिंह, विपिन कुमार, विवेक कुमार त्रिपाठी, मनीष कुमार, रामबाबू, अमर नामदेव, सत्यम पाण्डेय, नेहा पाण्डेय, आदर्श कुमार, एकता देवी, बिट्टन देवी आदि शामिल रहीं।

## Practise yoga daily to keep ailments at bay, says DM

CORRESPONDENT ■ BANDA

Yoga practice was done under the leadership of DM Heera Lal on the occasion of International Yoga Day at the GIC Ground here. Speaking on the occasion the DM said that a yoga centre would be opened in every village to keep the people healthy. He said that a healthy mind encouraged us to do things well. He said that yoga practice would be made mandatory in the colleges and schools at least once a week. Lal said that we should involve our elders and youngsters in yoga practice and try to tell them its advantages for their health. He said that we could keep ourselves away from several diseases like high blood pressure and diabetes by practising yoga daily. Lal said that we should resolve to give up all our bad habits on the occasion of International Yoga Day and follow the rules of nature for leading a healthy life. Banda MLA, Prakash Dwivedi, CDO, Harish Chandra and ADM, Santosh Singh, were also present on the occasion.

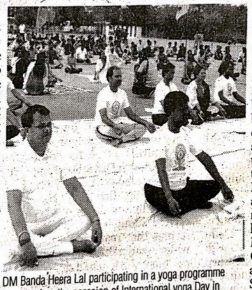

DM Banda Heera Lal participating in a yoga programme organised on the occasion of International yoga Day in Banda. *Pioneer*

## अब हर गाँव में जगेगी योग की अलख

बाँदा : योग शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर जिलाधिकारी ने किया सम्मानित। ▸▸ जागरण

बाँदा ब्यूरो : शहर हो या गांव प्रत्येक घर में योग की अलख जगानी है। ताकि सभी स्वस्थ्य व निरोगी रह सकें। इसमे महिलाओं को जोड़ने के लिये स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

जिलाधिकारी हीरा लाल ने पिछली 12 सितम्बर को राजकीय इण्टर कॉलिज के मैदान में योगाभ्यास के आयोजित शिविर को सफल बनाने में सक्रिय योगदान देने वाले 100 योग प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए इसमें योगाचार्य रमेश सिंह राजपूत एवं उनकी टीम के सदस्य, रमेश सिंह पटेल, देवेश निगम, शिवप्रकाश सिंह, पवन कुमार श्रीवास्तव, मोतीलाल, तरुण सिंह, रामसिंह, कैलाश द्विवेदी को योग प्रहरी तथा 90 लोगों को योग मित्र के सम्मान से सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने योग प्रशिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि उन्होंने योग की अलख लोगों में जागृत करने के लिये जो योगदान दिया है वह अत्यंत सराहनीय है। उनका कहना है कि प्रत्येक गाँव मे घर-घर योग का कार्यक्रम चलाना है। उन्होंने कहा कि नि:स्वार्थ भाव से एवं अच्छी नियत से कार्य करने पर ही बेहतर परिणाम मिलते है। उन्होंने कहा कि योग के गाँव-गाँव में सेण्टर चलाए जाएं एवं जादा से जादा लोगों को जोड़ा जाए। इनमे स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इस काम में आगे आएं और महिलाओं को इसमे शामिल करें।

राज्यपाल से सम्मानित योगाचार्य रमेश राजपूत ने फिट इंडिया के तहत जिलाधिकारी के निर्देशन पर दिन रात एक करके जनपद में आधा सैकड़ा से अधिक लोगों को प्रशिक्षित कर योग शिक्षक बनाया। ये सभी योग शिक्षक जनपद के अलग-अलग स्थानों पर लोगों को योग सिखाकर योगा के प्रति जागरूक कर रहे हैं। कार्यक्रम में अनेक अधिकारी व योग शिक्षक शामिल रहे।

# बाँदा सुपोषण कार्यक्रम

- बच्चों में पाया जाने वाला कुपोषण बाँदा जनपद में एक गंभीर समस्या है । नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार जनपद में लगभग हर दो में से एक बच्चा कुपोषण का शिकार है ।

- यदि बात गम्भीर तीव्र कुपोषण यानी सैम बच्चों की संख्या 6.7 फीसदी है, केवल 25 फीसदी बच्चे ही छह माह तक माँ का दूध (एक्सक्लूसिव ब्रेस्ट फीडिंग) लगातार पीते हैं। 5.9 फीसदी बच्चों को अनुपूरक आहार सही समय पर मिल पाता है।

**सैम बच्चों का समुदाय आधारित प्रबन्धन क्यों महत्त्वपूर्ण है ?**

- सैम बच्चों के प्रबंधन में अभी केवल इन– पेशेंट केयर की ही सुविधा है। जो स्वास्थ्य इकाइयों पर स्थापित पोषण पुनर्वास केंद्रों (NRC) के माध्यम से मुहैया कराई जा रही है। यह केवल 1–2 प्रतिशत सैम बच्चों को ही सालाना सुविधा प्रदान करने मे सक्षम है।

- जिलाधिकारी द्वारा किया यह एक अभिनव प्रयोग है। जिसके अंतर्गत सैम बच्चों का समुदाय आधारित प्रबन्धन किया गया है।

**प्रक्रिया**

- यूनिसेफ ने सैम बच्चों के समुदाय आधारित प्रबंधन के लिए जनपद के नरैनी विकासखंड में वर्ष 2018 में एक पायलट परियोजना चलाई, जिसमे दो चरणों मे 50 आंगनबाड़ी केंद्रों में लगभग 150 सैम बच्चों का प्रबंधन किया गया।

- आंगनबाड़ी द्वारा वजन अभियान का आयोजन कर 0 से 5 साल तक के बच्चों का वजन किया गया।

- वजन अभियान के दौरान लाल व पीली ( आंशिक व गम्भीर कुपोषित) श्रेणी के बच्चों का चिन्हांकन किया गया एवं उन्हें जिले स्तर पर स्थापित पोषण पुनर्वास केंद्र पर संदर्भित किया गया।

**क्या है बाल पोषण सत्र ?**

- इसके अंतर्गत सैम एवं अन्य कुपोषित बच्चों के अभिभावकों को विभाग द्वारा उपलब्ध पोषाहार में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जैसे कि मूंगफली, तिल, गुड़, तेल, घी, सब्जियों आदि का इस्तेमाल करते हुए पौष्टिक विधियों का प्रदर्शन किया गया।

**बांदा सुपोषण कार्यक्रम**

- यूनिसेफ के पायलट प्रोजेक्ट को आधार मानते हुए जिलाधिकारी महोदय बांदा के मार्गदर्शन में कुपोषण के प्रबन्धन हेतु एक वृहद कार्ययोजना बनाई गयी।

- पहला भाग था HRP चिन्हांकन एवं प्रबन्धन (हाई रिस्क प्रगनेंसी को चिन्हित बच्चे में सम्भावित कुपोषण को गर्भावस्था में ही कम किया जा सके)।

- दूसरा भाग पूरे जनपद के 0 से 5 साल तक बच्चों में कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर बाल पोषण सत्रों में शामिल करना।

- बच्चों के प्रबन्धन में नरैनी पायलट योजना के विभिन्न चरणों को अपनाया गया, पूरे जनपद में क्रियान्वयन हेतु नवम्बर 2018 से जनवरी 2019 तक तैयारी की गयी।

- फरवरी 2019 से लेकर मई 2019 तक प्रथम चरण सम्पन्न हुआ।

**उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु निम्न महत्वपूर्ण कदम उठाये गये :**

- **आईसीडीएस**– बाल पोषण सत्रों का आगनबाड़ी केंद्रों में आयोजन एवं कार्यक्रम का सुचारू रूप से क्रियान्वयन।
- **स्वास्थ्य विभाग**– आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु वजन मशीन की उपलब्ध करवाना तथा चिन्हित सैम बच्चों को आवश्यकता अनुसार पोषण पुनर्वास केंद्र हेतु संदर्भित करना।
- **महिला कल्याण**– विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों हेतु प्रशिक्षण आयोजित करवाकर क्षमतावर्धन करवाना।
- **खनन विभाग**– आपूर्तित पोषाहार को पौष्टिकता युक्त कर बाल पोषण सत्रों के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रति केंद्र 500 रूपये की दर से तीन चरणों में लगभग 32 लाख रूपये आई सी डी एस को भुगतान किये गये।
- **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन**– लक्षित 11985 बच्चों के सापेक्ष 432 परिवारों को मिशन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।
- **पंचायती राज विभाग**– लक्षित बच्चों के परिवारों को शौचालय का लाभ सुनिश्चित कराना।
- लक्षित बच्चों के परिवारों को जॉबकार्ड लाभ सुनिश्चित कराना।
- लक्षित बच्चो के 10105 परिवारों को राशन वितरित किये गये ।
- **अभ्युदय संस्थान** (गैर सरकारी संगठन) – सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु 2 कंसल्टेंट्स द्वारा सहयोग।
- **यूनिसेफ**– प्रयोजल से लेकर सहयोगात्मक पर्यवेक्षण रिपोर्ट विश्लेषण तक सहयोग।

**परिणाम**

- कुल कुपोषित बच्चे चिन्हित –11985 में से 1676 रिकवर हुए यानी 13.98 प्रतिशत।
- कुल सैम चिन्हित 2840 में से 484 रिकवर हुए यानी 17.04 प्रतिशत।

# झलकियां

बाँदा : छात्राओं के साथ साइकिल रैली निकालते जिलाधिकारी।

## किशोरी रैली निकालकर कुपोषण के प्रति किया जागरूक

### खानपान व साफ- सफाई पर दिया जा ध्यान : डीएम

बाँदा ब्यूरो : कुपोषण को दूर करने के लिये लोगो को जागरूक करने के उद्देश्य से शहर में किशोरी साइकिल रैली का वृहद आयोजन किया गया। जिसमें किशोरियों ने पोषण व स्वच्छता के नारे लगाते हुए कुपोषण को खत्म करने का संदेश दिया। किशोरी साइकिल रैली का उद्घाटन जिलाधिकारी हीरा लाल ने किया और स्वयं रैली में शामिल 1000 छात्राओं का नेतृत्व खुद साइकिल चलाकर किया और उनका उत्साह बढाया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की कुपोषण एक बड़ी समस्या है। जिससे निपटने के लिये सुपोषण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसीलिये सितम्बर माह के को पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक दिन पोषण सम्बन्धी गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। इसी उद्देश्य को लेकर शुक्रवार को किशोरी रैली आयोजित की गयी। ताकि आमजनमानस को कुपोषण के खिलाफ जागरूक किया जा सके। रैली को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि किशोर अवस्था में खून की कमी को नजर अंदाज किया गया तो आगे जाकर यह गम्भीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिये खानपान साफ सफाई का ध्यान देने से ही सुपोषण को कायम रखा जा सकता है। रैली में सीडीओ हरिश्चन्द्र वर्मा, कार्यक्रम अधिकारी एसके बघेल ने भी भाग लिया।

रैली में राजकीय इण्टर कॉलि आर्यकन्या इण्टर कॉलिज तथा ओ वैश्य इण्टर कॉलिज की छात्राओं प्रतिभाग किया। शुभारम्भ भी अध्याप ने हरी झण्डी दिखाकर किया। यह रै जीजीआइसी से शुरू होकर बलख नाका महेश्वरी देवी,गूलर नाका,छा होते हुए वापस कालेज में समाप्त हु जहां छात्राओ को स्वल्पाहार के रूप पौष्टिक गुड चने का वितरण किया ग कार्यक्रम में बड़ी संख्या मे अधिक कर्मचारी व शिक्षक शामिल रहे।

## जिला प्रशासन व यूनीसेफ मिलकर मिटाएंगे कुपोषण

- लखनऊ की एक कार्यशाला में बनायी गयी रणनीति
- डीएम की अध्यक्षता में गठित हुआ टास्क फोर्स

बाँदा : सुपोषण कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते डीएम व अन्य।

दा ब्यूरो : 90 प्लस व जल संरक्षण सफ लता के बाद अब जिला शासन जनपद में कुपोषण से मुक्ति लाएगा। जिसके लिये यूनीसेफ के थ मिलकर एक रणनीति तैयार की ी है। योजनाओं के कनवर्जेन्स से र्यक्रम का वित्तीय प्रबंधन संचालित ा। वहीं बेहतर क्रियान्वयन के लिये म की अध्यक्षता में टास्क फोर्स न हो चुका है।

बुंदेलखण्ड के विकास के लिये सन व प्रशासन द्वारा विशेष प्रबंध ये गये है। लेकिन इस सूखे इलाके अभी भी अनेको ऐसी चुनौतियाँ है विकास मे कहीं न कहीं आडे आ है। इन चुनौतियों से निपटने की नीति बनाकर कार्यक्रम को आगे या जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा सभा चुनाव में डीएम की अगुवाई 0 प्लस अभियान चलाया गया। के बाद पानी के संकट से निपटने ये जल संरक्षण की प्रभावी मुहिम चलायी गयी। जो इस समस्या से निजात पाने में कारगर साबित हुई है। अब अगला कदम कुपोषण मिटाने के लिये उठाया गया है। इसके लिये एक सुपोषण कार्यक्रम की रणनीति बन चुकी है और इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा को अंति रूप दिया गया है। राजधानी लखनऊ के होटल मैरियाज में सुपोषण कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ बांदा जिलाधिकारी हीरा लाल एवं यूनीसेफ टीम के अधिकारियों द्वारा किया गया। जनपद के लिये कुपोषण बडी समस्या है। लिहाजा जिला प्रशासन यूनीसेफ मिलकर सात सेक्टर में काम करने के लिये एक संयुक्त रूपरेखा को मंजूरी दी है।

यह बिंदु है स्वास्थ्य,पोषण,वाश, शिक्षा, चाइल्ड प्रोटेक्शन, कम्युनिकेशन डेवलपमेंट, समावेशी, सामाजिक नीति शामिल है। इस कार्यक्रम का वित्तीय प्रबंधन योजनाओं के कन्वर्जन से किया जाएगा। जिसमें खनन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज एनआरएलएम, खाद्य एवं रसद तथ महिला कल्याणवाद आदि शामिल है गैर सरकारी संगठनों को भी कार्यक्र से जोडा जाएगा। लाजस्टिक प्रशिक्षण, अनुश्रवण व क्रियान्वयन क प्लानिंग बनायी गयी है। आशा एएनएम एवं आंगनवाडी कार्य कत्रिय का क्षमतावर्धन किया जाएगा जिलाधिकारी ने बताया कि सुपोषण अभियान की मुहिम शुरू हो गयी है जनपद को स्वास्थ्य के क्षेत्र में जल्द ह एक नयी दिशा मिलेगी। जिलाधिकार के अलावा एडीएम संजय कुमार सीएमओ डॉ संतोष कुमार, प सीएमओ भगवती प्रसाद शर्मा, जिल कार्यक्रम अधिकारी संजीव बघेल सीडीपीओ धर्मेन्द्र सिंह,लघु सिंचा अधिशाषी अभियंता विजय शंकर बीएसए हरिश्चन्द्रनाथ, खण्ड शिक्षाधिकारी जगत सिंह, जिल प्रावेशन अधिकारी, राजीव सिंह एनआरएलएम उपायुक्त एके पाण्डेय प्रवीण कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय कुमार यादव, वंश बहादुर, मनोज द्विवेदी, ममता पाण्डेय अश्वनी गुप्ता, अंचल गुप्ता बैठक के लिये सहभागी बनाए गये है।

## महिलाओं को दी पोषण की प्रेरण

### ह माह के बच्चों को अन्नप्रासन्न कराया गया, टीकाकरण और कुपोषण की जागरूकत

मर उजाला ब्यूरो

त्रिवेणी गांव में पोषण जागरुकता रैली निकालतीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता। अमर उजाला

दा। पोषण माह के अंतर्गत मवार को ममता दिवस मनाया ा। आंगनबाड़ी केंद्रों में गोष्ठियां र जागरुकता रैलियां आयोजित र गर्भवती और धात्री महिलाओं पोषण, स्वास्थ्य और सफाई के ते जागरूक किया गया। गनबाड़ी, सुपरवाइजर और नएम ने बच्चों का सामूहिक ज किया।

डीएम हीरा लाल ने पोषण माह तहत ऐसे आयोजनों के निर्देश ए हैं। इसी श्रृंखला में ममता वस मनाया गया। महिलाओं को धारण से लेकर शिशु के दो र्ष तक खानपान, टीकाकरण, फाई, देखभाल आदि की नकारियां दी गईं। महिलाओं र बच्चों को पोषाहार वितरित आ। महिलाएं अपने घरों से ष्टिक और स्वादिष्ट भोजन लाई थीं। इन्हें बच्चों ने शौक से खाया। जिला कार्यक्रम अधिकारी एसके बघेल ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर ममता दिवस, बचपन दिवस, किशोरी दिवस इत्यादि मनाए जाते हैं। इससे महिलाओं को घर छोड़कर बाहर निकलने का मौका मिलता है और बहुत सी जानकारियां हासिल होती हैं।

उधर, बड़ोखर ब्लाक के त्रिवेणी गांव में आंगनबाड़ी प्रतिभा देवी के नेतृत्व में ममता दिवस मनाया गया। महिलाओं को सलाह दी कि अपने शिशु को छह माह तक सिर्फ स्तनपान कराएं। इसके बाद ही ऊपरी आहार दें। गर्भवती महिलाओं को आयरन क नियमित रूप से लेने को गर्भवतियों की गोद भराई अ माह के बच्चों का अन्नप्रा कराया गया। गांव में टीक और कुपोषण की जागरुक निकाली गई।

बाँदा : चिल्ला में पोषण मेले का फीता काटकर उद्घाटन करते ज़िलाधिकारी।

## बच्चों को पौष्टिक आहार ज़रूर दिया जाये

### डीएम ने ग्राम चिल्ला में पोषण मेले में किया आवाह्न

बाँदा ब्यूरो : पोषण माह के तीसरे दिन ग्राम चिल्ला में आयोजित पोषण मेला का उद्घाटन कर जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से अपील की है कि वह शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों का वजन कराएं और पौष्टिक आहार देंगे। ताकि उन्हे कुपोषण की स्थिति से बचाया जा सके। पोषण माह के तीसरे दिन जनपद के सभी

कमी न होने पाए। उन्होने कहा कि यह कार्यक्रम पिछ्ले 1 वर्ष से चलाया जा रह है और इसी कडी में सुपोषण अभियान का दूसरा चरण प्रारंभ होगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 संतोष कुमार, कार्यक्रम अधिकारी संजीव बघेल, खण्ड विकास अधिकारी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने इस कार्य में बेहतर भूमिका निभाने के लिये ग्राम प्रधान की सराहना की।

## ASHAs contributing a lot in propagating health schemes among women: DM

District Magistrate Heera Lal honouring an ASHA during a programme organised at the Government Medical College in Banda

Pione

CORRESPONDENT ■ BANDA

The ASHA Sammelan was organised at the Government Medical College, Banda. Speaking on this occasion as the chief guest District Magistrate Heera Lal said that said that ASHAs were contributing a lot in propagating the several health schemes among women. He said that ASHAs were making the people and women aware about the schemes for mother and child, mental health and national tobacco programmes. Moreover the patients suffering from different diseases were treated well. DM Lal asked the Chief Medical Officer (CMO) to make all payments of ASHAs on time. He directed the CMO to transfer their payments in the first week of every month. The DM said that if the payments of ASHAs were kept pending then stern legal action would be taken against the officer concerned. The DM Lal made an appeal to all participants of this sammelan to make Banda plastic free. He advised everyone to do yoga for remaining healthy. DM Lal spoke about water conservation and the importance of water in our lives. He encouraged the participants to consere water. DM honoured ASHAs for their extraordinary services. Total 24 ASHAs and three ASHA Sanginis were honoured by the DM. CMO Dr Santosh Kumar said that health services were improving due to sincere work of the ASHAs. Additio Director, Healt Chitrakootdham Division, Rakesh Raman, also appre ated the services of ASH Prominent among those pr sent in this Sammelan we Joint Director, Health, Gautam, ACMO, Dr R Sachan, Deputy CMO, Dr M Pal, Balram Tiwari, Al Kumar, Kushal Yadav, Ni Singh, Aman Gupta and Sure pPndey. The programme w convened by Dr Mohamma Shareef.

- बाँदा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यधिक समृद्ध है।
- बाँदा की कुछ प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरों को नवीन ढ़ंग से सजाने एवं संवारने का कार्य किया गया है।

### कालिंजर दुर्ग :

- उत्तर प्रदेश के बाँदा जनपद में स्थित ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग विश्वकला धरोहर के लिए अनुपम कृति है। इस दुर्ग की गणना चन्देलों के 8 प्रमुख दुर्गों में की जाती है।
- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित यह दुर्ग एक सजग प्रहरी के रूप में चिरकाल से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।
- यहां कालिंजर और शिव एक–दूसरे के पूरक एवं पर्याय हैं। अभिलेखों में इसे कालिंजर, कालिंजराद्रि, कालिंजरगिरि एवं कालिंजरपुर आदि नामों से तथा शिव (नीलकण्ठ) के अधिवास के रूप में सुविख्यात कहा गया है।
- कालिंजर का पौराणिक महत्व शिव के विषपान से है।

### देखने योग्य प्रमुख स्थान :

- उत्तर की ओर से जाने पर दुर्ग में आलमगीर दरवाजा, गणेश दरवाजा, चौबुरजी दरवाजा, बुद्ध भद्र दरवाजा, हनुमान द्वार, लाल दरवाजा और बारा दरवाजा नामक सात दरवाजा है।
- राजा महल और रानी महल नामक शानदार महल।
- पत्थर से बनी सीता सेज एवं सीता कुण्ड।
- 'बुड्ढा–बुढ़िया' नाम के दो संयुक्त तालाब, चर्म रोगों के लिए लाभकारी हैं।
- जहां सहस्त्रों तीर्थ एकाकार हों, ऐसा 'कोटि तीर्थ'।
- दुर्गम स्थान पर शिला खोदकर बनाई गई मांडूक भैरव एवं भैरवी की प्रतिमा।
- पातालगंगा, पाण्डवकुण्ड, सिद्ध की गुफा, भैरव कुण्ड, रामकटोरा, सुरसरि गंगा, बल खण्डेश्वर, चरण पादुका, भड़चांचर आदि दर्शनीय स्थल।
- विशाल कल्पवृक्ष।
- पौराणिक नीलकण्ठ मंदिर।
- रॉक–क्लाइम्बिंग के लिए खड़ी पर्वतमाला।

### नवाब टैंक एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल ऑक्सीजन पार्क

- जनपद बांदा में जनसामान्य के मनोरंजन हेतु कोई स्थान न होने के कारण नगरवासी अपने परिवार सहित मनोरंजन हेतु घूमने फिरने एवं बच्चे खेलकूद के झूले इत्यादि से वंचित थे। घुमने एवं शुद्ध वायु के लिए ऑक्सीजन पार्क की स्थापना की गई है।

### भूरागढ़ दुर्ग

- इस दुर्ग को विकसित किए जाने हेतु कार्ययोजना बनाए जाने का कार्य प्रगति पर है।

### बाम्बेश्वर पहाड़

- बाम्बेश्वर पहाड़ में सूर्यदर्शन स्थान विकसित करने की योजना बनायी जा रही है।

### केन सेल्फी प्वाइंट

- यहां की प्रमुख नदी केन के तट पर सेल्फी प्वाइंट बनाने का कार्य प्रस्तावित है।

### केन जल आरती

- बांदा की जीवनरेखा **केन नदी** एवं जल संरक्षण के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने के लिए 26 नवम्बर 2019 से प्रत्येक मंगलवार को केन जल आरती की जा रही है।
- इसके साथ ही जनपद की अन्य जीवनदायिनी नदियों – बागैं, यमुना आदि में भी जल आरती की जा रही है।
- बांदा की जीवनदायिनी एवं जीवनरेखा केन नदी के सम्मान के लिए जल संरक्षण जागरूकता अभियान के अन्तर्गत 17 जनवरी 2020 को कॉमेडी किंग/ अध्यक्ष, फिल्म विकास परिषद, उत्तर प्रदेश श्री राजू श्रीवास्तव ने अपने हास्य कार्यक्रम के माध्यम से जल की उपयोगिता बताते हुए भविष्य के प्रति सचेत करते हुए जनसामान्य को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

भूरागढ़
किला
Fort

जिला प्रशासन बाँदा
आप सभी को अजेय कालिंजर दुर्ग में होने वाले ऐतिहासिक महोत्सव में आमंत्रित करता है!
कालिंजर महोत्सव
बुन्देलखण्ड में पहली बार
Motor Gliding
हीरा लाल

यूपी और एमपी की सीमा पर फतेहगंज स्थित पर्यटनस्थल झेल रहा उपेक्षा का दंश, प्रकृति ने इस क्षेत्र को कई सौगातों से नवाजा बस इन्हें सहेजा नहीं जा सका

# अज्ञातवास पर पौराणिक दर्शनीय स्थल पाथर-कछार

विमल पांडेय ● बांदा

आइए आपको रूबरू कराते हैं बुंदेलखंड के पर्यटन स्थल पाथर कछार से, जिसे उपेक्षा के दंश ने पर्यटन के नक्शे से गुम कर दिया है। उत्तर प्रदेश के बांदा के फतेहगंज और मध्य प्रदेश के सतना जिले से सटे इस अज्ञात दर्शनीय स्थल की धरोहरें पर्यटकों को बुला सकती हैं लेकिन कभी उनके बारे में जानकारी ही नहीं दी गई। दरअसल इस पर्यटनस्थल का कुसूर सिर्फ इतना है कि यह दो राज्यों के मध्य स्थित है और यही उसके विकास की राह में बाधक है।

ऋषि-मुनियों से छत्रसाल की रियासत तक का सफर : यह क्षेत्र विभिन्न ऋषियों-मुनियों से जुड़ा रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम भी [illegible] ... [illegible] इस क्षेत्र से जुड़े रहे। कालांतर में यह स्थान मौर्य गुप्त, वर्धन गुर्जर और चंदेल शासकों के अधीन भी रहा। मुगल सम्राट अकबर ने भी पाथर-कछार क्षेत्र [illegible] अपने अधिकार में रखा। औरंगजेब के कार्यकाल में यह क्षेत्र बुंदेला नरेश छत्रसाल के अधिकार में आ गया था।

### यहां की खासियत जानिए

- फतेहगंज क्षेत्र के जंगलों में अनेक दर्शनीय स्थल हैं, जो लोगों को आकर्षित कर सकते हैं।
- सकरों जल प्रपात : प्राकृतिक जलाशय होने के कारण यह पहाड़ी की ऊंचाई पर स्थित है।
- मगरमुहा के शैल चित्र : यहां पहाड़ी में उत्तर पाषाण काल के शैल चित्र हैं।
- बाणगंगा जलकुंड : चित्रकूट की गुप्त गोदावरी की भांति बाणगंगा जलकुंड है।

**जागरण विशेष**

- पानी में डूबा पेड़ : इस जलकुंड में एक ऐसा पेड़ है जो पानी में डूबा रहता है लेकिन सड़ता-गलता नहीं।
- प्राचीन मंदिर व मजार : यहां एक दर्जन से अधिक प्राचीन मंदिर हैं जो मध्य कालीन और मुगलकालीन हैं। इनमें प्रमुख रुप से वीरगढ़ का दुर्ग एवं देवी मंदिर, रक्तदंतिका मंदिर, गरुण मंदिर, जगन्नाथ मंदिर के अलावा वेश्या की मजार, पथरीगढ़ दुर्ग भी हैं।

पाथर-कछार क्षेत्र का अपना महात्म्य है। उत्तर मध्य कालीन, मुगलकालीन और अनेक क्षत्रिय, मौर्य वंश की परंपराओं को सहेजे यह स्थल काफी अहम् है लेकिन आज भी अज्ञात रूप में है। इसे पर्यटन विकास के लिहाज से विकसित किया जाना चाहिए ताकि लोग इसके बारे में जान सकें। इसके लिए एक सकारात्मक पहल कर मुहिम चलाई जानी चाहिए।

– डॉ.चंद्रिका प्रसाद दीक्षित 'ललित' वरिष्ठ साहित्यकार

दो प्रदेशों की सीमा पर होने के कारण इसका विकास नहीं हो पाया और हमेशा अज्ञात ही बना रहा है। पाथर-पछार के विकास के लिए दोनों प्रदेशों को सामूहिक तौर पर प्लानिंग करना चाहिए।

सुधीर सिंह, अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक, बांदा

जनपद का फतेहगंज क्षेत्र से जुड़ा पाथर-कछार पर्यटन की संभावनाओं से भरपूर है। इसके लिए जानकारी जुटाकर देखा जाएगा कि क्या बेहतर हो सकता है। दोनों प्रदेशों से समन्वय के साथ विकास की बात की जाएगी।

हीरालाल, जिलाधिकारी, बांदा

पाथर-कछार क्षेत्र की खूबियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन दो प्रदेशों की सीमा पर है। ऐसे में विकास की गति नहीं पा सका है। पाथर-कछार क्षेत्र का सीमांकन कराया जाएगा। उसके लिए कार्ययोजना तैयार करेंगे। बाकी के लिए मध्य प्रदेश शासन से पत्राचार करेंगे। शक्ति सिंह, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी चित्रकूट धाम मंडल

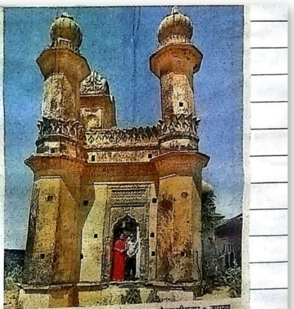

पाथर कछार क्षेत्र के फतेहगंज में मुगल कालीन का बना चच्चा सैय्यद की मजार ● जागरण

# प्राचीन धरोहरों से पर्यटन का हब बनेगा बांदा जिला

12 करोड़ की कार्य योजना से विदेशियों को लुभाने की तैयारी

विमल पांडेय ● बांदा

केंद्र और प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए जहां कदम बढ़ाए हैं, वहीं प्रशासन ने बांदा को राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन हब बनाने को अभियान शुरू किया है। इसके तहत 12 करोड़ की कार्ययोजना बना यहां की प्राचीन धरोहरों को सहेजने के साथ पर्यावरण संरक्षण को विशेष तवज्जो दी जा रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने जिला प्रशासन की पीठ थपथपाई है। जिला प्रशासन के अभिनव प्रयास एवं प्रयोग पर प्रकाश डालती एक रिपोर्ट...

**कालिंजर दुर्ग की बढ़ेगी रम्यता** मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर कालिंजर दुर्ग पर्यटन का बड़ा केंद्र है। यहां विदेशी पर्यटक पूरे वर्ष आते रहते हैं। जिला प्रशासन ने प्राकृतिक रम्यता बढ़ाने के लिए करीब 20 हजार पौधारोपण कराए हैं। यहां 8.60 करोड़ की लागत से पर्यटक हाल, बस अड्डा आदि का निर्माण कराया जा रहा है। 10 माह में सभी कार्य होने की उम्मीद है।

**अत्याधुनिक होगा मुगलों का नवाब टैंक:** मुगलकालीन नवाब टैंक उस समय सुर्खियों में आया, जब यहां एक साथ पांच हजार दीपों का दीपदान कार्यक्रम हुआ। जिला प्रशासन यहां प्रदेश स्तर का आक्सीजन पार्क बनाने जा रहा है। 2.57 करोड़ से तैयार होने वाले इस पार्क में आकर्षक बेंच, नौका विहार, बच्चों के झूले, खिलौने आदि की व्यवस्था की जाएगी। काम जल्द ही शुरू हो जाएगा।

**यादों का झरोखा बनेगा भूरागढ़ किला :** 1857 की क्रांति के दौरान एक साथ तीन हजार क्रांतिकारियों को फांसी पर लटकाने का गवाह भूरागढ़ किला भी पर्यटकों को लुभाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने करीब साठ लाख रुपये की कार्ययोजना तैयार की है। विकास प्राधिकरण और नगर पालिका मिलकर किले का सुंदरीकरण करेंगे। किले में आने जाने का मार्ग, हरित पट्टी आदि कार्य कराए जाएंगे। इसके साथ ही केन सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र होगा।

कालिंजर स्थित दुर्ग में जाते पर्यटक ● जागरण आर्काइव

**रविवार विशेष**

बांदा को पर्यटन के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। प्राचीन धरोहरों को सहेजने के लिए राष्ट्रीय स्तर का टूरिज्म हब तैयार कर रहे हैं। प्रदेश सरकार इस अभियान को धरातल पर लाने के लिए सहयोग कर रही है। विदेशी पर्यटकों को बांदा खूब भाएगा।

हीरालाल, जिलाधिकारी, बांदा

दुर्ग के तालाब में नौका बिहार की सुविधा जल्द मिलेगी, दुर्ग मुगल शासक शेरशाह सूरी का डेथ प्लेस

# का[illegible]लिंजर दुर्ग का 8.07 करोड़ रुपए से होगा कायाकल्प : जिलाधिकारी

बांदा | कार्यालय संवाददाता

डीएम हीरा लाल ने कहा कि कालिंजर किला के विकास के जिलए केंद्र सरकार ने 8.07 करोड़ रूपए मंजूर किए है। इस किले का विकास कार्ययोजना बनाकर किया जाए। इतिहासकारों के मुताबिक यह अजेय दुर्ग मुगल शासक शेरशाह सूरी का डेथ प्लेस भी है। अंतिम युद्ध में उसकी मौत यहीं हुई लेकिन उसे बाहर ले जाकर दफन किया गया।

गुरुवार को कालिंजर फोर्ट विकास समिति की बैठक में डीएम ने गैरहाजिर चित्रकूट के सहायक पर्यटन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। डीएफओ से कहा कि दुर्ग के रास्ते में फलदार व छायादार पौधे रोपित किए जाएं। सिंचाई विभाग से कहा कि दुर्ग के अंदर जो बड़ा तालाब है उसका सीपेज दुरूस्त कराएं और वहां पर्यटकों के लिए नौका बिहार का प्रबंध करें। लोनिवि दुर्ग के अंदर पांच किमी सड़क की मरम्मत कराए। डीएम ने कहा कि दुर्ग के विकास के लिए लखनऊ के यशवंत सिंह राठौर व एतिहासिक स्थलों के जानकार आईपीएस अधिकारी विजय कुमार, आर्किटेक्ट अशोक कुमार से भी सुझाव लिया गया है। कार्यदाई संस्था को पूरी कार्ययोजना बनाकर दी जाएगी। कालींजर रूट में परिवहन विभाग की नौ बसें संचालित है। उनका स्टापेज तय कर कालींजर में बस स्टाप की जगह एआरएम तलाशेंगे। जिले की सभी प्रमुख सड़कों में कालींजर फोर्ट के लिए ग्लोसाइन बोर्ड लगाए जाएं ताकि पर्यटकों को दुर्ग पहुंचने में आसानी हो। दुर्ग में अब पर्यटक सुविधाओं को बढाने का प्रयास किया जाएगा। सुरक्षा के लिए बनी पुलिस चौकी बनी है। पानी व बिजली सुविधाए भी बेहतर की जाएगी। इस बैठक में पर्यटन विभाग, पुरातत्व विभाग के अलावा सामाजिक संगठनों के लोग मौजूद रहे।

### विकास की ओर

- बैठक में गैराहाजिर सहायक पर्यटन अधिकारी को नोटिस
- कालिंजर फोर्ट विकास समिति की बैठक में डीएम ने बनाई योजना

बैठक में डीएम ने कालींजर दुर्ग का विकास योजना बनाकर करने के दिए निर्देश। ● हिन्दुस्तान

बहुरेंगे दिन — अधिकारियों के साथ डीएम तड़के चढ़े पहाड़ पर, पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने पर जोर

# बांबेश्वर पहाड़ पर बनेगा सूर्य दर्शन स्थल

बांबेश्वर पहाड़ का अफसरों के साथ निरीक्षण करते डीएम हीरालाल। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

बांदा। शहर के बांबेश्वर पहाड़ को सूर्य दर्शन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि लोग तड़के यहां से सूर्य दर्शन कर सकें। साथ ही सेल्फी प्वाइंट भी बनेगा। संबंधित विभागों को इसकी कार्य योजना तैयार करने के निर्देश डीएम हीरालाल ने दिए हैं।

सोमवार को तड़के डीएम बांबेश्वर पहाड़ पहुंच गए। दुर्गम रास्तों और चट्टानों को पार कर पहाड़ की चोटी पर बैठकर पूरा जायजा लिया। शहर का विहंगम दृश्य दर्शनीय था। उसी समय सूर्योदय हो रहा था। पहाड़ से यह नजारा बेहद लुभावना था। अपने साथ मौजूद अधिकारियों और खासकर नगर पालिका ईओ संतोष कुमार मिश्रा और जल संस्थान अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहाड़ की चोटी पर स्थित मंदिर तक जाने के लिए शेष सीढ़ियों का भी निर्माण कराएं। इस स्थान पर सूर्य दर्शन स्थल और सेल्फी प्वाइंट विकसित कराएं। नगर पालिका ईओ को रास्ते की सफाई और सोलर लाइट के निर्देश दिए। कहा कि कम लागत पर इस स्थान को आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। एसडीएम सुरजीत सिंह, अर्थ एवं संख्याधिकारी संजीव बघेल, आरईएस एक्सईएन शमीम अहमद, तहसीलदार अवधेश निगम भी शामिल रहे।

### गोशालाओं का आकस्मिक निरीक्षण

तिंदवारी। डीएम हीरालाल ने सोमवार की दोपहर यहां स्थित कान्हा आश्रय केंद्र का निरीक्षण किया। गोबर बायो गैस प्लांट सहित अन्य व्यवस्थाएं एक हफ्ते में दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डीएम को यहां 206 पशु नजर आए। सभी में टैग लगे थे। इसके अलावा कस्बे में भी कई अन्ना पशु घूमते दिखाई पड़े। डीएम ने उन्हें तत्काल गोशाला लाने के निर्देश दिए। खाली पड़े मैदान में टिनशेड और पौधरोपण के लिए नगर पंचायत ईओ अजय कुमार यादव को निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम सुरजीत सिंह, पशु चिकित्साधिकारी नंदलाल कुशवाहा, चेयमैन प्रतिनिधि भूरेलाल फौजी, लिपिक राजनारायण सिंह सहित राजस्व विभाग के कर्मी उपस्थित रहे। डीएम ने इसके बाद गोआश्रय स्थल, खप्टिहा कलां, जय हनुमान गो सेवा समिति, पिपरहरी, गो सेवा केंद्र, तुर्रा एवं गौतम पुरवा का भी निरीक्षण किया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. आईएन सिंह को निर्देश दिए कि गोशाला के पशुओं का सत्यापन कराएं। फर्जी आंकड़े पाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम, पैलानी मंसूर अहमद, एसडीएम अतर्रा सौरभ शुक्ला आदि भी उपस्थित रहे।

# कालिंजर दुर्ग को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल बनाने की कवायद हुई तेज

विकास समिति की बैठक में डीएम ने दिए निर्देश, केंद्र सरकार ने स्वीकृत किए 8 करोड़ रुपये

अमर उजाला ब्यूरो

बांदा। कालिंजर दुर्ग को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल के रूप में संवारने के लिए नए सिरे से कोशिशें शुरू हो गई हैं। डीएम हीरालाल ने गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में कालिंजर दुर्ग विकास समिति की बैठक ली। उन्होंने कई विभागों को दुर्ग को संवारने के लिए निर्देश दिए।

डीएम ने प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिया है कि कालिंजर दुर्ग के अंदर जाने वाले रास्ते पर कम से कम 10 हजार फूल और फलदार पौध लगवाए जाएं। अधिशासी अभियंता तृतीय खंड को निर्देश दिया कि सागर बांध का सीपेज [illegible] कराकर उसे नौका विहार में [illegible] कराएं, ताकि पर्यटक [illegible] हों।

पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड प्रथम को निर्देश दिया कि दुर्ग के चारों तरफ पांच किलोमीटर दायरे में सड़कों की मरम्मत और वाइंडिंग कराएं। डीएम ने बताया कि कालिंजर दुर्ग विकास के लिए भारत सरकार ने 8 करोड़ 7 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास के मुताबिक शेरशाह सूरी की मृत्यु कालिंजर दुर्ग में हुई थी। इस ऐतिहासिक धरोहर को बनाए रखना बहुत जरूरी है। रणनीति के तहत कार्य योजना तैयार की जाए। डीएम ने बैठक में अनुपस्थित चित्रकूट के सहायक पर्यटन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कहा कि जो कार्यदायी संस्था कालिंजर दुर्ग के विकास का काम करेगी, उसके कार्यों का डीपीआर उपलब्ध कराएं। इसके लिए ममता इंटेक संस्था, लखनऊ, यशवंत सिंह राठौर, ललितकला एकेडमी, आईपीएस अधिकारी विजय कुमार, आर्किटेक्ट अशोक कुमार आदि से भी डीएम ने फोन पर बात करके कालिंजर दुर्ग के विकास के लिए बात की। एआरएम रोडवेज को निर्देश दिया कि जो 9 बसें कालिंजर रूट पर चल रही हैं, उनके स्टापेज के लिए स्थल चयनित करें। एसडीएम नरैनी को निर्देश दिए कि प्रचार प्रसार के लिए मुख्य सड़कों पर साइन बोर्ड लगवाएं।

कालिंजर दुर्ग विकास समिति की बैठक संबोधित करते डीएम हीरा लाल। अमर उजाला

- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं में बेहतर समझ विकसित करने, शिक्षा के साथ–साथ व्यावहारिक कौशलों को सीखने तथा विद्यालय के प्रति समाज में अपनत्व की भावना का विकास करते हुए जनभागीदारी के दृष्टिगत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

**बेसिक शिक्षा में नवाचारी कदम**

- **एल्युमिनाई एसोसिएशन का गठन एवं सहयोगः** जनपद में संचालित कुल 2037 प्राथमिक एवं 647 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में एल्यूमनाई एसोसिएशन का गठन वर्ष 2018–19 में कराया जा चुका है।
- **स्थानीय भ्रमण कार्यक्रमः** प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं एवं 08 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं को स्थानीय प्रशासन, अस्पताल, बैंक, सहकारी संस्थाओं, पौधशाला आदि का व्यावहारिक ज्ञान कराये जाने के उद्देश्य से स्थानीय जनसमुदाय के सहयोग से छात्र–छात्राओं को स्थानीय भ्रमण कराया गया है।
- **शिक्षकों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाना :** प्रभावी शिक्षण व्यवस्था हेतु विद्यालय में अच्छा कार्य करने वाले एवं नवाचार गतिविधियां करने वाले शिक्षकों तथा बी0टेक0/ एम0बी0ए0 एवं पी0एचडी0 योग्यताधारी शिक्षकों को उनके कार्य के आधार पर चिन्हित कर पुरस्कृत किया गया।
- **पैरेण्ट्स टीचर मीट :** शिक्षकों द्वारा अभिभावकों के साथ बैठक कर बच्चों की शैक्षिक प्रगति एवं उनकी अभिरूचियों को अभिभावकों के साथ साझा किया गया।
- **राज्य स्तर पर पुरस्कृत शिक्षकों से सम्पर्क :** वर्ष 2018–19 में बेसिक शिक्षा विभाग में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अच्छा कार्य करने वाले प्रदेश के कुल 17 शिक्षकों को माननीय मुख्यमंत्री जी ने पुरस्कृत किया था।
- पुरस्कृत शिक्षकों से सम्पर्क कर उनके द्वारा किये गये कार्यों को अपने विद्यालयों में लागू किये जाने के उद्देश्य से जनपद के शिक्षकों द्वारा उनसे सम्पर्क कर उनसे प्रेरणा एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर लागू किया जा रहा है।
- **विद्यालयों में वार्षिकोत्सव का आयोजनः** विद्यालयों में उत्सव का माहौल बनाने एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से छात्र–छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से समस्त विद्यालयों में वार्षिकोत्सव मनाया गया।
- **छात्र–छात्राओं में सम्प्रेषण कौशल का विकास :** जीवन में सम्प्रेषण कौशल के महत्व के दृष्टिगत छात्र–छात्राओं में सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु विद्यालय में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गयी हैं।
- **स्मार्टक्लास के माध्यम से शिक्षण कार्य :** शिक्षण कार्य में टेक्नोलॉजी के प्रयोग के दृष्टिगत स्मार्टक्लास संचालन हेतु शिक्षकों को प्रेरित किया गया है। जनपद में दो विद्यालयों को स्मार्टक्लास से युक्त कराया गया है। उक्त कार्य स्वयंसेवियों एवं जनसमुदाय के सहयोग से किया गया है।
- **कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का उन्नयन :** कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के संचालन हेतु विकसित 'प्रयास' पुस्तिका की उपलब्धता सुनिश्चित करायी गयी तथा समय–समय पर निर्गत शासनादेशों एवं अन्य विभागीय दिशा निर्देशों का अध्ययन समस्त स्टाफ को करने के लिए प्रेरित किया गया।
- **बच्चों की अभिरूचि एवं योग्यता की पहचान एवं तद्नुसार उसका संवर्धन :** इस हेतु सोसल साइट्स एवं यू ट्यूब पर उपलब्ध ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मैटेरियल का प्रयोग बच्चों की रूचि के अनुसार करते हुए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- **ब्लाक स्तर पर पत्रिका का प्रकाशन :** पत्रिका में बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा लिखी एवं संकलित की गयी कविताओं, कहानियों, लेखों आदि को समाहित किया गया है।
- **योग प्रशिक्षण :** जनपद के सभी कार्यालयों एवं विद्यालयों में कार्यालय समय से पूर्व प्रातः काल नियमित योग अभ्यास संचालित हो रहा है।

DANGAL

बड़ोखर खुर्द, बाँदा

# सरकारी सहयोग के बिना हाईटेक हुआ विद्यालय

जागरण संवाददाता, बांदा : बिना सरकारी सहायता के भी परिषदीय विद्यालयों को संसाधनों और सुविधाओं से हाईटेक किया जा सकता है। बस मन में कुछ नया करने का जज्बा हो। बड़ोखर ब्लाक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय कनवारा में सोमवार को स्मार्ट कक्षा का उद्घाटन करने आये जिलाधिकारी हीरा लाल ने उक्त विचार रखें। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी के प्रयासों की भूरि- भूरि प्रशंसा की। कहा कि जनपद के सभी परिषदीय शिक्षकों को स्व प्रयासों से विद्यालय को मंदिर बनाना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि संगठन का अध्यक्ष आगे बढ़कर प्रयास करेगा तो बदलाव निश्चित आएगा।

स्मार्ट कक्ष में चार कंप्यूटर, एक स्मार्ट टीवी, वाइफाई डिवाइस, संपूर्ण विद्यालय में इनवर्टर, फ्रिज आदि व्यवस्थाएं बिना सरकारी सहयोग से की गई। यह सभी कार्य सामुदायिक सहयोग के आधार पर किए गए हैं। कुछ दिन पूर्व जनपद के डीएफओ द्वारा भी विद्यालय का निरीक्षण व पौधारोपण किया गया था। विद्यालय की व्यवस्थाओं से प्रसन्न होकर उन्होंने 51 सौ रुपये का पुरस्कार प्रदान किया था। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक/ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि सभी शिक्षक परिश्रम करते हैं। ऐसे प्रयास विद्यालय के समस्त स्टाफ की एकजुटता व समाजसेवियों के सहयोग से ही संभव हो पाता है।

इस मौके पर बीईओ जगत सिंह राजपूत, सहायक अध्यापक अंजना, अजय कुमार सिंह, प्रधान अभिलाषा अवस्थी, एसएमसी अध्यक्ष रामनिवास, परियोजना प्रभारी नीरा देवी, भास्कर आसवानी आदि रहें।

Scanned with CamScanner

# 15 जुलाई तक हो यूनीफॉर्म वितरण

बांदा। निःशुल्क यूनीफार्म वितरण की जिलास्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें बीएसए ने बताया कि इस वर्ष 1540 छात्रों के लिए धनराशि प्राप्त हुई है। जबकि समग्र अभियान में 206763 छात्र छात्राओं का प्रस्ताव है। जिलाधिकारी हीरालाल ने बीएसए से कहा कि यूनीफार्म गुणवत्ता पूर्ण होनी चाहिए। 1 से 15 जुलाई तक हर हाल में यूनीफार्म वितरण कराया जाए।

प्रत्येक बच्चे के नाप के अनुसार तैयार यूनीफार्म की सिलाई के लिए बाजार में उपलब्ध स्थानीय दर्जियों की सेवाएं ली जा सकती है। एसडीएम के माध्यम से रेंडम सेंपलिंग करवाई जाएगी। गुणवत्ता की जिम्मेदारी सभी खंड शिक्षाधिकारियों की होगी।

# प्राइमरी स्कूलों को दिया जाए मॉडल का रूप

## प्रधानाध्यापकों की कार्यशाला आयोजित

बाँदा : शिक्षक किसी से छोटा नहीं होता है उन्हें नाम और दाम दोनो के लिये दीवाना होना चाहिए। इसके साथ ही स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। जनपद के प्राइमरी स्कूलों सिस्टम के साथ मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। जिलाधिकारी हीरा लाल ने यह बात आदर्श बजरंग इण्टर कालेज मे स्कूल चलो अभियान नि:शुल्क यूनीफार्म वितरण एवं शैक्षिक गुणवत्ता सम्वर्धन के लिये परिषदीय, प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की गुरूवार को आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होने शिक्षकों से अपील की कि जब तक विद्यालय मे रहे अच्छा कार्य करें। इससे स्वयं के साथ-साथ विद्यालय का नाम भी रोशन होगा। उन्होने यह भी कहा कि यदि किसी शिक्षक ने किसी भी क्षेत्र में अच्छा कार्य किया है तो उसकी जानकारी दें ताकि ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया जा सके। उन्होने बताया कि वह स्वयं प्राइमरी विद्यालय के छात्र रहे हैं और आज डीएम के पद पर उन्होने समय का सद्पयोग करने की नसीहत दी और कहा कि इसे बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। अच्छा कार्य करें इससे उनका नाम हो और दाम भी कमा सकें। उन्होने शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण करने का भी भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्राइमरी स्कूलों को मॉडल के रूप मे विकसित करना है। उन्होंने वृक्षोरोपण, जल संचय आदि के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर बीएसए हरिश्चन्द्र नाथ, प्रधानाचार्य मेजर मिथलेश पाण्डेय, खण्ड शिक्षाधिकारी राजीव प्रताप सिंह, जगत सिंह राजपूत, कैलाश सिंह, आनंद पटेल, शिव औतार, श्रीमती नीरा गुप्ता, अनीता कुशवाहा, हिमांशु खरे तथा सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालय में छात्र से पढ़ाई की जानकारी लेते डीएम हीरालाल।

# परिषदीय स्कूलों को मॉडल बनाने में करें सहयोग : डीएम

जागरण संवाददाता, बांदा : प्राथमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की कार्यशाला का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने स्कूल चलो अभियान, निश्शुल्क यूनीफार्म वितरण एवं शैक्षिक गुणवत्ता संवर्धन संबंधी निर्देश दिए।

शहर के आदर्श बजरंग इंटर कालेज मे आयोजित कार्यशाला में डीएम हीरा लाल ने कहा कि बेसिक शिक्षा विद्यालय बहुत अच्छा कार्य कर रहें हैं। कोई समस्या है तो उसको तत्काल अवगत कराएं। अध्यापक किसी से छोटा नही होता। जब तक विद्यालय में रहो अच्छा कार्य करें। साथ ही अपना और विद्यालय का नाम रोशन करें। अच्छा कार्य करने वाले शिक्षक को सम्मानित करने के लिए नाम भेजने के लिए निर्देश दिए हैं। प्रदेश में जिले के प्राइमरी विद्यालयों का नाम करना है साथ ही पूरे सिस्टम को एक मॉडल के रूप में बनाना है। बच्चों को कुआं-तालाब, पौधरोपण के बारे में जानकारी देने को कहा। सीडीओ हरिश्चंद्र वर्मा ने कहा कि प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों का शिक्षा में बहुत बडा योगदान है। बेसिक शिक्षाधिकारी हरिश्चंद्रनाथ ने स्कूल चलो अभियान व पाठ्य पुस्तक और ड्रेस वितरण की जानकारी दी। जिला समन्वयक अरविंद अस्थाना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन विधु त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य मेजर मिथलेश पांडेय, आशुतोष त्रिपाठी, जयकिशोर दीक्षित, राजवीर सिंह, खंड शिक्षाधिकारी राजीवप्रताप सिंह, जगत सिंह राजपूत, कैलाश सिंह, आनंद कुमार पटेल, शिवऔतार, नीरा गुप्ता, अनीता कुशवाहा, हिमांशू खरे आदि मौजूद रहे।

# शिक्षा की रीढ़ हैं प्राइमरी विद्यालय, इन्हें बनाएं मॉडल

**जिलाधिकारी ने विद्यालय की कम्प्यूटर लैब का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से कराया उद्घाटन**

**बोले-अच्छा कार्य करने वालों को किया जायेगा सम्मानित**

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 22 जुलाई। विकास खंड बड़ोखर के कन्यापूर्व माध्यमिक विद्यालय कनवारा में बनी कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन जिलाधिकारी ने विद्यालय के ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी प्रमोद सिंह से फीता काटवाकर कराया। उन्होंने कहा कि प्राइमरी विद्यालय शिक्षा की रीढ़ हैं। ऐसे ही प्रयास कर विद्यालयों को मॉडल बनाया जाये। अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जायेगा।

कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय कनवारा में बच्चों को संबोधित करते जिलाधिकारी। छाया : आज

जिलाधिकारी हीरालाल ने कहा कि विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने वाले दानदाताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वह खुद प्राइमरी के पढ़े हुए हैं। विद्यालय आकर आज उन्हे बचपन में पढ़ाई दिनों की याद आ गई। कहा कि जो आदमी कुछ अलग हटकर अच्छा कार्य करता है तो उसी का नाम होता है। अच्छा रिजल्ट पाने के लिए अच्छा प्रयास करने की जरुरत है। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य और प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी द्वारा दानदाताओं के सहयोग से चार कम्प्यूटर लिए जाने के प्रयासों की उन्होंने सराहना की और कहा कि कम्प्यूटर स्थापना से बच्चों का विकास हो सकेगा। विद्यालय मे अखंड आर्यावर्त पृथ्वी संरक्षण समिति की ओर से राजकीय वृक्ष सीता अशोक का पौध रोपण किया गया। ग्राम प्रधान अनुराधा ने भी वृक्ष लगाये। खंड शिक्षा अधिकारी जगत सिंह राजपूत ने सभी आगंतुकों का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन विधु त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर परियोजना अधिकारी मीरा गुप्ता, जिला समन्वयक भाष्कर आसवानी, अंजना, मंजुला सिंह, प्रमोद कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

- उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है।
- बढ़ती हुयी जनसंख्या की आवश्यकता पूर्ति हेतु प्रत्येक वृक्ष पर निर्भर व्यक्तियों की संख्या निरन्तर बढ़ने के कारण प्रदेश का अधिक से अधिक भाग हरा–भरा किया जाना आवश्यक है।
- उत्तर प्रदेश राज्य वन नीति–2017 में भी हरित अवरण में वृद्धि हेतु वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों, महिलाओं, कृषकों एवं वनों के समीप रहने वाले ग्रामवासियों के सहयोग से वानिकी कार्य को जन आन्दोलन बनाये जाने का प्रावधान किया गया है।
- भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट–2017 के अनुसार उ0प्र0 के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का मात्र 6.09 प्रतिशत वनावरण तथा 3.09 प्रतिशत क्षेत्र वृक्षावरण अर्थात् कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के मात्र 9.10 प्रतिशत क्षेत्र (22121 वर्ग कि.मी. भू–भाग) में ही वनावरण एवं वृक्षाच्छादन है।
- बाँदा जनपद में 2.31 प्रतिशत वनावरण है।

**प्रक्रिया :**

- अधिक से अधिक वृक्षारोपण कराये जाने के लिए **मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की परिकल्पना** से वर्ष 2019–20 में समस्त विभागों का समावेश करते हुये जन आन्दोलन के रूप में सबकी जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुये **'भारत छोड़ो आन्दोलन'** की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर 09.08.2019 को ग्राम पंचायत/नगर निकाय स्तर पर निरूपित माइक्रोप्लान के अनुसार 22 करोड़ पौधों का रोपण किया गया है, जो जन सहभागिता द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं अन्य राजकीय विभागों के सहयोग से सम्पन्न कराया गया।
- शासन द्वारा बांदा जनपद को आंवटित लक्ष्य 18,99,209 के सापेक्ष 19,13,228 वृक्षारोपण वन विभाग व अन्य विभागों के सहयोग से पूर्ण कराया गया।
- वन विभाग द्वारा 6,45,750 वृक्षारोपण लक्ष्य के सापेक्ष 100 प्रतिशत वृक्षारोपण कार्य पूर्ण कराया गया।
- इसी प्रकार अन्य विभागों द्वारा आंवटित लक्ष्य 12,53,459 के सापेक्ष 12,67,478 (101.11 प्रतिशत) वृक्षारोपण कार्य पूर्ण करा लिया गया है।

**परिणाम :**

- बाँदा में मानक के सापेक्ष वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण हो चुका है, अभी वृक्षारापेण एवं देखरेख का कार्य नियमित रूप चल रहा है।
- बांदा जनपद में 02 गांधी उपवन की स्थापना की गयी है, जिसमें बांदा रेंज के अन्तर्गत करतल वन ब्लाक 10 हे0 में 5000 पौधों का रोपण जन सहयोग से सम्पन्न कराया गया।
- जनपद में 22 करोड़ महाकुम्भ वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने व जन आन्दोलन के रूप में मनाये जाने के उद्देश्य से 27.07.2019 को प्रदेश के **माननीया प्रमुख सचिव वन, उ0प्र0, लखनऊ डा. कल्पना अवस्थी जी** द्वारा कालिंजर में **'कालिंजर वन महोत्सव'** का आयोजन कर वृक्षारोपण महाकुम्भ को जन आन्दोलन बनाने के लिए जन सभा का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व जिलाधिकारी श्री हीरा लाल द्वारा किया गया।

**पेड़ प्रसाद कार्यक्रम**

- इसका मुख्य उद्देश्य पौधे रोपित करना नहीं बल्कि रोपित पौधों को जीवित रखना है।
- इसके अन्तर्गत श्रद्धालु अपने धार्मिक स्थलों पर प्रसाद के रूप में पौधा लाते हैं एवं उन्हें प्रसाद के रूप में धर्मगुरू द्वारा पौधे प्रसाद के रूप में प्रदान किए जाते हैं।
- श्रद्धालुजन आशीर्वाद रूपी प्राप्त पौधों को अपनी जमीन, घर आंगन, मिट्टी के गमले, घड़े एवं अनुपयोगी बर्तनों आदि में रोपित कर शुद्ध प्राण वायु (ऑक्सीजन) प्राप्त कर सकेंगे।
- इसके अन्तर्गत जिले के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों में पौधे प्रसाद के रूप में वितरित किए जा रहे हैं।

**जन्मदिन एवं अन्य अवसरों पर पौधदान**

- जन्मदिन एवं अन्य अवसरों पर 100 या 100 से अधिक पौधदान करने वाले व्यक्तियों को जिलाधिकारी द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

**घर हरियाली कार्यक्रम**

- जिले के जिन नागरिकों द्वारा अपने घर को पेड़–पौधों से सुसज्जित एवं हरा–भरा बनाया गया है उन नागरिकों के घर जाकर जिलाधिकारी द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है।

**मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान स्वरूप पौध वितरण**

- जिलाधिकारी की प्रेरणा से जनपद के समस्त शैक्षिक संस्थानों में हर कक्षा के मेधावी विद्यार्थी को गणतंत्र दिवस एवं अन्य राष्ट्रीय अवसरों सम्मान स्वरूप पौध वितरित किए जा रहे हैं।

पेड़-प्रसाद
वितरण

बाँदा : वृक्षारोपण करते डीएम व एसपी व सम्पूर्ण समाधान दिवस में समस्यायें सुनते जिलाधिकारी।

# पौध रोपण करने वाले होंगे सम्मानित : डीएम

- 61 शिकायतों में से 10 मौके पर निस्तारित
- सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनी फरियादें

बाँदा ब्यूरो : पैलानी तहसील में मंगलवार को आयोजित किये गये सम्पूर्ण समाधान दिवस मे जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों की समस्याएं सुनी और उनका निस्तारण करने के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। इस मौके पर कुल 61 शिकायतें प्राप्त की गयी। जिनमें से 10 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी हीरालाल ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी भी लाभार्थी से राशन कार्ड बनाने में पैसा लिया गया तो उसके साथ कड़ी कार्यवाही की जाएगी उन्होंने जल निगम, विद्युत, नलकूप, समाजकल्याण, स्वास्थ्य, राजस्व एव वन विभाग समेत अनेक विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होने डीएफओ को लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण के निर्देश दिये और कहा कि जहाँ पर पौधरोपण किया जाना है वहां पर भी जमीन का चिन्हांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण में बेहतर कार्य करने वाले 100 लोगो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में तहसील परिसर में जिलाधिकारी हीरा लाल, पुलिस अधीक्षक गणेश साहा, सीएमओ व एसडीएम एवं सीओ सदर द्वारा पौध रोपण किया गया। उन्होने पुलिस कर्मचारियों को भी निर्देश दिये कि वह थाने में अपनी समस्या लेकर आने वाले किसी भी व्यक्ति को परेशान नहीं किया जाए और अपराधी को किसी दशा में बक्शा नहीं जाए। समस्या का समाधान शीघ्र किया जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक गणेश साहा,सीडीओ, हरिश्चन्द्र वर्मा,सीएमओ डॉ संतोष कुमार, एसडीएम पैलानी,मंसूर अहमद, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय यादव,बीएसए हरिश्चन्द्र नाथ समेत अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

## पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण जरूरी

बांदा, 11 अगस्त। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण जरूरी है। महासभा से जुड़े सूर्यपाल सिंह चौहान के शांति नगर स्थित आवास में इस संबंध में हुई बैठक में महासभा के नरेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि गर्मी में तापमान ५० डिग्री तक पहुंच जाता है। भूगर्भ जलस्तर लगातार घट रहा है। निकट भविष्य की यह एक चेतावनी स्टीकर लगाकर ५ वृक्ष रोपित कर महासभा ने पर्यावरण मित्र बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशांत सिंह भदौरिया, सूर्यपाल सिंह चौहान, डा.एसएन सिंह, राजाबाबू परमार, मनमोहन सिंह, राकेश सिंह कछवाह, प्रजीत सिंह, रणविजय सिंह एड., आरएन सिंह, कमलेश सिंह, यशपाल सिंह, शिवविजय सिंह आदि मौजूद रहे।

# बांदा से 22 करोड़ पौधरोपण की शुरुआत

**मिशन निदेशक विभाष रंजन ने पौध लगाकर किया उद्‌घाटन, डीएम ने दिया- बबूल हटाओ-नीम लगाओ का नारा**

अमर उजाला ब्यूरो

पौधरोपण गोष्ठी को संबोधित करते डीएम हीरा लाल। अमर उजाला

बांदा। प्रदेश में 22 करोड़ पौधरोपण लक्ष्य की शनिवार को यहां शुरुआत की गई। प्रदेश के मिशन निदेशक विभाष रंजन (आईएफएस) ने कहा कि इस अभियान में सभी को निःशुल्क पौध दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जहां जिस प्रजाति के पौध का बाजार है, वही पौध रोपें। उन्होंने नीम और बांस के पौधे लगाने पर जोर दिया।

शनिवार को राजकीय मेडिकल कालेज प्रेक्षागृह में आयोजित पौधरोपण महाकुंभ 2019 प्रशिक्षण व जागरुकता गोष्ठी को संबोधित करते हुए मिशन निदेशक ने कहा कि सहजन का पौध भी रोपना लाभदायक है। यह कुपोषण से बचाता है। उन्होंने 15 अगस्त को होने वाले पौधरोपण महाकुंभ में सभी से एक-एक पौध लगाने की अपील की। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे डीएम हीरालाल ने कहा कि जिस तरह वंश चलाने के लिए संतान की चाहत होती है, उसी तरह जीवन चलाने के लिए हर व्यक्ति कम से कम दो-दो पौधे जरूर लगाए। डीएम ने पौधा लगाओ-खुशहाली पाओ का नारा दिया। नीम को बड़ा हकीम बताया और जनपद से बबूल हटाओ-नीम लगाओ का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि नीम का गल्हा इफ्को 15 रुपये किलो खरीद रहा है। इसके पौध लगाने से फल आने पर आमदनी बढ़ेगी। गोष्ठी में उद्यान विभाग ने अच्छी सब्जी पैदा करने वाले कई किसानों को सम्मानित किया।

नीम पुरुष कहे जाने वाले बीके सिंह ने कहा कि दक्षिण भारत में लोग नीम का बगीचा लगाकर अच्छा लाभ कमा रहे हैं। यहां की जलवायु में नीम का पौधा जल्दी तैयार होता है। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी है। सर्व रोग हरो निम्बः यानी नीम समस्त रोगों का हरण करने वाला है। वन रक्षक केके सिंह ने कहा कि पूरे मंडल में पौधरोपण अभियान को सफल बनाया जाएगा। डीएफओ संजय अग्रवाल, एसडीओ संजय शर्मा, आरके दीक्षित, श्यामलाल आदि ने मिशन निदेशक और डीएम सहित सभी का अभिनंदन किया। सीडीओ हरिश्चंद्र वर्मा, पीडी आरपी मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार, उप कृषि निदेशक एके सिंह, डीपीआरओ संजय यादव, एसडीएम संदीप कुमार (बांदा), वंदिता श्रीवास्तव (नरैनी), मंसूर अहमद (पैलानी), बांदा ईओ संतोष मिश्रा, उद्यान अधिकारी परवेज अहमद, वन रेंजर जुनैद अहमद, कलक्ट्रेट के सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी सईद अहमद आदि उपस्थित रहे। संचालन सुनील कुमार सनी ने किया। इस कार्यक्रम के बाद मिशन निदेशक ने डीएम आवास पर पौधरोपण किया।

# कलेक्ट्रेट में डीएम ने झंडारोहण करने के बाद किया पौधारोपण

कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी हीरा लाल ने झंडारोहण किया। कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का आजादी के लिए किया गया योगदान हमारे लिए अनुकरणीय है। हमें उससे प्रेरणा लेनी चाहिए। यह आजादी हमें बहुत संघर्षों के बाद मिली है। इसे अक्षुण्य बनाए रखने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितों को फूल माला व शाल भेंटकर सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण कर उनकी पूजा-अर्चना की। इस मौके पर एडीएम संतोष बहादुर सिंह, एडीएम न्यायिक, सिटी मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार सिंह सहित सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में रोपित पौधे का पूजन करते जिलाधिकारी हीरा लाल • जागरण

# जलवायु परिवर्तन रोकने को कम से कम 2 पेड़ लगायें : प्रमुख सचिव

**कालिंजर दुर्ग में वृहद पौधारोपण मेले का कार्यक्रम सम्पन्न**

बाँदा : कालिंजर दुर्ग में वृक्षारोपण करती प्रमुख सचिव कल्पना अवस्थी।

पौधारोपण मेले में पौधा देती नरैनी एसडीएम वंदिता श्रीवास्तव।

बाँदा ब्यूरो : शनिवार को जिलाधिकारी हीरा लाल द्वारा चलायी जा रही पौधारोपण मुहिम के तहत कालिंजर दुर्ग में वृहद पौधारोपण मेले में प्रदेश की वन प्रमुख सचिव कल्पना अवस्थी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए सभी लोग कम से कम दो पेड़ अवश्य लगायें। हम अपनी पुरानी परम्पराओं को भूलते जा रहे हैं जिसके कारण पर्यावरण प्रदूषण की स्थिति आ रही है। प्रदेश सरकार ने 22 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। इसे पूरा करने के लिए चित्रकूट मंडल में 9 अगस्त को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर एक रिकार्ड बनाया जाये। कालिंजर दुर्ग में आयोजित वृक्षारोपण मेले व जन जागरूकता गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्रमुख सचिव श्रीमती अवस्थी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए आप लोग कम से कम दो पेड़ अवश्य लगायें। कहा कि जिला प्रशासन द्वारा वृक्षारोपण के कार्य को जन आन्दोलन के रूप में चलाया जा रहा है। यह बहुत ही प्रशंसनीय प्रयास है। हम अपनी पुरानी परम्पराओं को भूलते जा रहे है। दुर्ग पर वृक्षारोपण कार्य का शुभारम्भ करते हुए उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के लक्ष्य को हम आसानी से पूरा कर सकेंगे। वन विभाग ने पुस्तिका भी प्रकाशित की है जिसकी आप लोग सहायता ले सकते है। उन्होंने पीपल का पौधा लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर विजेता अनुरागी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा मनोज खन्ना व दयाराम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अखण्ड फौज के कैडेटर्स ने मनोहरी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन तहसीलदार सदर अवधेश निगम किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जनपद न्यायाधीश, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने वृक्षारोपण किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सहाना खातून को प्रमुख सचिव ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने प्रमुख सचिव को शाश्वत स्मृति चिन्ह के रूप में कदम्ब का पेड़ भेंट किया। इस मौके पर सीएमओ डॉ संतोष कुमार, एडीएम संतोष बहादुर सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार, वनाधिकारी संजय अग्रवाल, उपनिदेशक सूचना भूपेन्द्र सिंह यादव, एडीएम अतर्रा जेपी यादव, एसडीएम पैलानी मंसूर अहमद, एसडीएम बबेरू अरविन्द तिवारी, एसडीएम सदर संदीप कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महिला डॉ ऊषा सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी संजय यादव, अधिशापी अभियन्ता डीएन यादव, बीएसए हरिश्चन्द्र नाथ आदि अधिकारी व जन प्रतिनिधि, गणमान्य व बुद्धिजीवी नागरिक आदि मौजूद रहे।

### कालिंजर दुर्ग पवित्र भूमि : डीजे

गोष्ठी में जनपद न्यायाधीश राधेश्याम यादव ने कहा कि कालिंजर बहुत ही ऐतिहासिक और पवित्र भूमि है। यहां से वृक्षारोपण के कार्य का शुभारम्भ किया जा रहा है तो निश्चित रूप से प्रकृति का आशीर्वाद प्राप्त होगा। धरा का आभूषण जल, जंगल और पहाड़ है। इसलिए हम जल संरक्षण व वन संरक्षण करके ही न केवल अपने देश अपितु विश्व का कल्याण कर सकते है।

### कालिंजर दुर्ग को विश्व पटल पर लाने का करेंगे प्रयास : विधायक

नरैनी विधायक राजकरन कबीर ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा वृक्षारोपण का अभियान बहुत ही रचनात्मक और सराहनीय प्रयास है। कालिंजर की भूमि पर ऋषि मुनियों ने तपस्या की थी और भगवान भोलेनाथ यहां विराजमान है। आज के कार्यक्रम से लोग वृक्षारोपण का संदेश ले। नवम्बर माह में कालिंजर महोत्सव का आयोजन कराया जायेगा और हम कालिंजर को विश्व पटल पर लाने का प्रयास करेंगे।

### डीएम ने कविता के माध्यम से किया प्रेरित

गोष्ठी में जिलाधिकारी हीरा लाल ने कहा कि कालिंजर बहुत ही पवित्र और शक्तिशाली जगह है। यहां से वृक्षारोपण का कार्य हम प्रारम्भ कर रहे है इसलिये निश्चित रूप से यह कार्यक्रम सफल होगा। जनपद को स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए सभी लोग कम से कम दो पेड़ लगायें। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके ही हम सबको शुद्ध स्वांस वायु उपलब्ध हो सकती है। उन्होंने पेड़ों के महत्व के सम्बन्ध में कविता भी पढ़ी।

### दुर्ग की रौनक बनाने के लिए करें पौधरोपण : एसपी

जन जागरूकता गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक गणेश साहा ने कहा कि कालिंजर किला अजेय रहा है। किन्तु अब कालिंजर दुर्ग हार रहा है। इसलिये हमें इसकी प्राकृतिक रौनक को बनाये रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की आवश्यकता है। जनपद में जल का समुचित प्रबंध करके ही हम जल संकट से छुटकारा पा सकते है। हमें पानी की बर्बादी को रोकना चाहिए क्योंकि जल है तो कल है।

# बांदा में केन पर बनेगा बैराज

**सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह बोले-नहर कटी तो किसानों पर रिपोर्ट और जेई होंगे सस्पेंड**

मर उजाला ब्यूरो

बांदा मेडिकल कॉलेज में पौधा रोपते सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह। अमर उजाला

दा। प्रदेश के सिंचाई मंत्री र्पाल सिंह और बांदा जिला ारी धर्मपाल सिंह ने कहा कि न नदी पर बैराज निर्माण कराया एगा, ताकि जलापूर्ति की जा के। उन्होंने सिंचाई विभाग के धिकारियों को प्रस्ताव बनाकर सन को भेजने के निर्देश दिए। गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में डिया से बातचीत में मंत्री ने कहा पांच साल में 70 फीसदी पात्रों आवास व शौचालय उपलब्ध राए गए हैं। मंत्री ने कहा कि कसभा चुनाव के चलते विकास र्यों पर ध्यान नहीं दिया जा सका । अब इनमें तेजी लाए जाए। 50 ख तक के निर्माण कार्यों की टीम ठित कर जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा है कि नहर या जबहों की कटिंग हुई तो दोषी सानों पर एफआईआर दर्ज कराई एगी। संबंधित अवर अभियंता निलंबित किया जाएगा। उन्होंने ले में अवशेष 7000 शौचालय सी माह पूरे करने के निर्देश दिए। र्यालयों में संबद्ध सफाई कर्मियों हटाकर सफाई कार्य में लगाने कहा। राजकीय नलकूपों की मय से मरम्मत न होने पर नलकूप ंड के अधिशासी अभियंता से ष्टीकरण मांगा। गुरुवार को लक्ट्रेट सभागार में 50 लाख पये से अधिक लागत वाली रियोजनाओं की समीक्षा बैठक में त्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि धानमंत्री शहरी आवास योजना की तार यहां धीमी है। इसे तेज करें। गो आश्रय स्थलों के लिए शासन बजट दिया है। उसके टेंडर की र्रवाई कर निर्माण शुरू कराएं। पीआरओ को निर्देश दिए हैं कि सफाई कर्मी कार्यालयों में संबद्ध हैं, उन्हें हटाकर सफाई कार्यों में लगाएं। मुख्यमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की प्रगति पर असंतोष जताया। पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिया कि बांदा बाईपास का निर्माण प्राथमिकता से कराएं और सड़कें गुणवत्ता से बनाएं। उन्होंने कहा कि पानी नहरों की टेल तक नहीं बल्कि किसानों के खेतों तक पहुंचना चाहिए। कानून व्यवस्था की समीक्षा में निर्देश दिया कि पीड़ितों की एफआईआर जरूर लिखी जाए। विधायक बृजेश प्रजापति ने पाइप लाइनों के लीकेज को दुरुस्त कराने और जल निगम द्वारा लगवाए हैंडपंपों का सत्यापन कराने की म की। विधायक चंद्रपाल कुशवाहा कहा कि शहरी आवास योजना लाभार्थियों का चयन पारदर्शिता नहीं किया जा रहा है। राशनकार्डों भी तमाम शिकायतें हैं। भाज जिलाध्यक्ष लवलेश सिंह ने मंत्री बताया कि आयुष्मान योजना गरीबों को अपेक्षित लाभ नहीं मि पा रहा है। बैठक में डीए हीरालाल, सीडीओ हरिश्चंद्र व सीएमओ डॉ. संतोष कुमार, एडी संतोष बहादुर सिंह, अपर एस लाल भरत पाल, अधीक्षण अभियं सिंचाई नीरज कुमार, उप निदेश सूचना भूपेंद्र सिंह यादव, अर्थ संख्याधिकारी संजीव सिंह ब सहित विभिन्न विभागों अधिकारी उपस्थित रहे।

### सिंचाई मंत्री ने भी पौधा रोपा

मेडिकल कालेज परिसर में सिंचाई मंत्री धर्मपाल सिंह ने बरगद का पौधा रोपा। डीएम हीरालाल ने बताया कि मेडिकल कालेज परिसर में नीम, पीपल, बरगद, अशोक, रुद्राक्ष, गुलमोहर, इमली के दो हज़ार पौधे लगाए जाएंगे। प्रोजेक्ट मैनेजर चंद्रशेखर को कालेज परिसर में चार तालाब खुदवाने के निर्देश दिए। भाजपा जिलाध्यक्ष लवलेश सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बालमुकुंद शुक्ला, मेडिकल कालेज प्रधानाचार्य डा.मुकेश यादव, सीडीओ हरिश्चंद्र वर्मा आदि ने भी पौधे लगाए। डीएफओ संजय अग्रवाल, एसडीएम संदीप कुमार, केन कैनाल एक्सईएन अरविंद पांडेय, रेंजर जुनैद अहमद आदि शामिल रहे।

### टेल तक नहीं, खेत तक पहुंचे नहर का पानी, सिंचा मंत्री ने बैठक में दिए निर्दे

### कुआं-तालाब जियाओ अभियान को सराहा

जनपद में चल रहे कुआं-तालाब जियाओ अभियान को सिंचाई मंत्री और जनपद प्रभारी धर्मपाल सिंह ने प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि नदियां और कुआं-तालाब हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं। इनके संरक्षण के लिए यहां जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा अभियान सराहनीय है। डीएम हीरा लाल ने मंत्री को अभियान से संबंधित जानकारियां दीं। अधिकारियों से कहा कि पौधरोपण अभियान में सभी अधिकारी व कर्मचारी सहभागिता सुनिश्चित करें। डीएम ने मंत्री और बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों का आभार जताया।

# बास व सहजन की पौध लगाने से होगी आर्थिक तरक्की

**निदेशक ने की पौधरोपण की शुरुआत, मिशन में मुफ्त मिलेंगे पौधे**

पौधरोपण करते मिशन निदेशक विभाष रंजन व साथ में डीएम हीरा लाल • जागरण

जागरण संवाददाता, बांदा : विशेष पौधरोपण अभियान के मिशन निदेशक व आइएफएस विभाष रंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में 22 करोड़ पौध लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसकी शुरुआत यहां बांदा जनपद से की जा रही है। मिशन में सभी को निशुल्क पौधे दिए जाएंगे तथा रोपित पौधा जब तक तैयार नहीं हो जाता उसकी सुरक्षा की जाएगी।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में शनिवार को पौधरोपण महाकुंभ-2019 प्रशिक्षण व जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। मिशन निदेशक विभाष रंजन व डीएम हीरा लाल ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि लक्ष्य की सफलता के लिए जन सहयोग बेहद जरूरी है। जिले के लोग इसे जनांदोलन बनाएं। नीम के साथ बांस प्रजाति के ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं। इससे सभी को आर्थिक रूप से भी लाभ मिलेगा। ऐसे पौधे लगाएं, जिससे हरियाली बढ़े और आर्थिक तरक्की भी हो। जिस प्रजाति का बाजार है उसी का चयन करें। सहजन को भी उन्होंने लाभप्रद बताया। कहा कि इससे कुपोषण दूर भगता है। भूतल में जल तभी आएगा जब धरती हरी-भरी होगी। डीएम हीरा लाल ने कहा कि सभी लोग दो-दो पौधे जरूर लगाएं। नीम सबसे बड़ा हकीम है। इसका गल्हा इफ्को खाद बनाने के लिए 15 रुपये किलो खरीदती है। मिशन निदेशक ने इस दौरान सब्जी व अच्छी बागवानी करने वाले दस किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। नीम पुरुष के नाम से प्रसिद्ध बीके सिंह ने नीम के महत्व के बारे में बताया। कहा कि नीम हमारी प्राकृतिक व सांस्कृतिक धरोहर है। इसे जरूर सहेजें। वन संरक्षक केके ... प्रथम वरीयता देने पर मिशन निदेशक का आभार जताया। प्रभागीय वनाधिकारी संजय अग्रवाल, एसडीओ संजय शर्मा, आरके दीक्षित, श्यामलाल आदि ने गोष्ठी को संबोधित किया। इस दौरान विभाष रंजन ने डीएम आवास पर भी पौधरोपण किया। सीडीओ हरिश्चंद्र वर्मा, डीपीआरओ संजय कुमार यादव, एसडीएम सदर संदीप कुमार, डीएचओ परवेज खान, डीडी कृषि एके सिंह, जुनैद अहमद आदि मौजूद रहे।

फौजदार के आल्हा ने मन मोहा: आल्हा गायक फौजदार द्वारा प्रस्तुत गायन में पौधरोपण का संदेश दिया गया। इस दौरान उनके ढोलक की थाप पर मिशन निदेशक

### पीएम आवास के लाभार्थी को लगाने होंगे दो पौधे

- पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक आवंटी की हिस्सेदारी मांगी
- डीएम और विधायक ने लाभार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र व पौधे

प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थी को प्रमाण पत्र व सहजन का पौधा देते विधायक चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय और डीएम शेषमणि पांडेय साथ में बीडीओ कर्वी कुलदीप सिंह • जागरण

जागरण संवाददाता, चित्रकूट : प्रधानमंत्री आवास के प्रत्येक लाभार्थी को अब दो सहजन के पौधे लगाने होंगे। सदर विधायक चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय और जिलाधिकारी शेषमणि पांडेय ने शनिवार को लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व पौधे बांटने के साथ हिस्सेदारी की अपील की।

मंदाकिनी भवन कालूपुर में आयोजित लाभार्थी सम्मेलन में सदर विधायक ने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। सरकारी पैसे का दुरुपयोग न किया जाए। योजना का पैसा उसी में लगाया जाए। पहले निर्बल वर्ग आवास योजना में घर बनाने के लिए दो हजार रुपये मिलते थे पर अब भाजपा सरकार करीब डेढ़ लाख रुपये दे रही है। एक भी रुपये किसी दलाल को नहीं दें। सभी बुराइयों की जड़ रिश्वत है। डीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने संकल्प लिया है कि सभी को वर्ष 2022 तक मकान दिया जाएगा। ग्राम प्रधान एक सहायक है। अगर सरकार पैसा नहीं देगी तो आवास ग्राम प्रधान कहां से देगा। किसी गरीब के घर जाकर देखें। बारिश में छत टपकने पर वह कितना परेशान होता है। कहा कि दो-दो सहजन के पौधे व आवास का स्वीकृति पत्र दिया गया है। सीडीओ डॉ महेंद्र कुमार ने सहजन के लाभ बताए। कहा कि डीएफओ से संपर्क कर सभी लाभार्थियों को निशुल्क पौधे दिलाए जाएंगे। जिले में मेरी छत मेरा पानी अभियान चल रहा है। उसे सफल बनाने में मदद करें। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि शक्ति सिंह तोमर, सुनील सिंह पटेल, जय विजय सिंह, नीरज गर्ग व ब्लाक प्रमुख कर्वी गुलाब पटेल, एसडीएम कर्वी इंदु प्रकाश, राजापुर अश्विनी कुमार पांडेय, पीडी अनय कुमार मिश्र, डीडीओ आरके त्रिपाठी, बीडीओ कुलदीप सिंह, एडीओ रमेश चन्द्र गुप्ता व प्रधान संघ अध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी रहीं।

- हम सभी जानते हैं कि प्लास्टिक हजारों वर्ष तक विघटित नहीं होती है।
- प्लास्टिक मानव जीवन के साथ–साथ पृथ्वी के वातावरण एवं जलवायु परिवर्तन के लिये भी खतरा पैदा कर रही है।
- पशु–पक्षी प्लास्टिक खाकर जान गंवा रहे हैं। प्रतिवर्ष समुद्र में 10 लाख समुद्री जीवों की जीवन लीला प्लास्टिक पदार्थ खाने से समाप्त हो रही है।
- इसके साथ–साथ प्लास्टिक प्रदूषण, मिट्टी की उर्वरा शक्ति को खत्म कर रहा है।
- प्लास्टिक बोतलों, टिफिन से कैंसर हो रहा है। प्लास्टिक नदी–नालों में रूकावट पैदा कर बाढ़ और विनाश लाता है।
- प्लास्टिक के उपयोग से होने वाली हानियों को दृष्टिगत रखते हुये जिलाधिकारी श्री हीरा लाल, द्वारा 19.08.2019 से जनपद को प्लास्टिक मुक्त कराने के उद्देश्य से शपथ लेकर एक कार्ययोजना तैयार कर अभियान की शुरूआत की गई, जिसको **'झोला युक्त–प्लास्टिक मुक्त, बाँदा'** का स्लोगन दिया गया।

## उद्देश्य

- जनपद में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिये प्रयास करना।
- साफ–स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना।
- प्रदूषण जनित बीमारियों की रोकथाम का प्रयास करना।

## प्रक्रिया

- **प्रथम सप्ताह :**
- अधिकारियों एवं व्यापारियों के साथ बैठक की गई।
- **द्वितीय सप्ताह :**
- जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- **तृतीय सप्ताह :**
- पॉलीथीन के विकल्प में आमजन मानस को झोला प्रयोग किये जाने हेतु प्रेरित करते हुये आम जनमानस को झोला वितरण किया गया।
- तत्पश्चात् यदि किसी के पास प्रतिबन्धित प्लास्टिक पायी जाती है तो उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
- जनपद के व्यापारियों, शैक्षिक संस्थानों एवं आम जनमानस को अपने दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग न किये जाने की शपथ दिलायी गई।
- जिलाधिकारी द्वारा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों व जनसामान्य के बीच स्वयं जाकर शपथ पत्र एकत्रित कर झोले भी वितरित किये गये।

## परिणाम

- जिलाधिकारी के इस प्रयास का व्यापारियों एवं आमजनमानस में गहरा असर पड़ा है।
- व्यापारियों द्वारा बायोडिग्रेडेबल थैलों में सामान दिया जा रहा है।
- जनसामान्य के लोगों द्वारा कपड़े के झोलों का अपने दैनिक जीवन में प्रयोग किये जाने का सफल प्रयास दिखाई दे रहा है।
- साथ ही अभियान को और सशक्त बनाने के लिये प्लास्टिक बोतल के प्रयोग को रोकते हुये ताम्र/स्टील/ मिट्टी के बर्तन में प्रयोग किये जाने के लिये प्रेरित किया जा रहा है।
- जनपद में मिट्टी के बर्तनों के प्रयोग पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारी एवं कर्मचारी इसका प्रयोग कर रहे हैं
- जनपद के पूर्णतया प्लास्टिक मुक्त होने तक यह प्रयास अनवरत जारी रहेगा।

# झलकियां

"स्वच्छ भारत मिशन"
जिला प्रशासन बाँदा का प्रयास
झोला युक्त - प्लास्टिक मुक्त, बाँदा
मुमकिन है!
साथ में लायें थैला, ना करें बाँदा को मैला!

# पॉलिथीन मुक्त के लिए एडीएम ने व्यापारियों को दिलायी शपथ

## व्यापारियों ने अभियान को सफल बनाने की कही बात

बाँदा : पॉलिथीन बन्द करने के लिये व्यापारियों से चर्चा करते एडीएम।

अतर्रा,बाँदा : पॉलिथीन मुक्त झोला युक्त अभियान के अंतर्गत तहसील परिसर में व्यापारियों के साथ अपर जिलाधिकारी ने बैठक कर पत्री, प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने पालीथीन व प्लास्टिक से होने वाली हानियों को विस्तार से बताया। जिलाधिकारी हीरा लाल द्वारा जनपद में चलाए जा रहे झोला युक्त पॉलिथीन मुक्त अभियान को सफ ल बनाने के लिए बुधवार अपर जिलाधिकारी संतोष बहादुर सिंह की अध्यक्षता में नगर व क्षेत्र के व्यापारियों के साथ तहसील परिसर में बैठक की और झोला युक्त प्लास्टिक मुक्त बाँदा बनाए जाने के लिए पत्री व प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ दिलाई गई तथा शपथपत्र लिए गए। उन्होने व्यापारियों को बताया कि प्लास्टिक हजारों साल तक विघटित नही होती है। प्लास्टिक मानव जीवन के साथ-साथ पृथ्वी के वातावरण को प्रदूषित कर रही है जिससे जलवायु परिवर्तन का खतरा उत्पन्न हो गया है। पशु-पक्षी प्लास्टिक खाकर जान गवाँ रहे हैं। प्रतिवर्ष 10 लाख समुद्री जीवों की जीवन लीला प्लास्टिक पदार्थों के खाने से समाप्त हो रही है। इसके साथ-साथ प्लास्टिक मिट्टी की उर्वरा शक्ति को खत्म कर रहा है। प्लास्टिक के बोतल और टिफिन में भोजन पानी रखने से कैंसर हो रहा है। प्लास्टिक नदी नालों में रुकावट पैदा कर पानी को प्रदूषित बना रहा है। इस दौरान उपजिलाधिकारी सौरभ शुक्ला ने भी पालीथीन की हानियों को विस्तार से बताया गया। व्यापार मंडल अध्यक्ष उमाशंकर गुप्त,जिला व्यापार मंडल उपाध्यक्ष संजय सिंह ने भी व्यापारियों से पॉलिथीन उपयोग न करने की अपील की है।

इस दौरान मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश शर्मा,पूर्व सभासद राजकिशोर बाजपेई,युवा उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अवधेश गुप्ता सहित मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कटियार ,तहसीलदार सुशील कुमार सिंह,मंडी सचिव प्रभा खरे,अधिशाषी अधिकारी रामसिंह, असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य कर विभाग कृष्ण कुमार मिश्रा, भागवत प्रसाद गुप्ता,नवनीत गुप्ता,सुशील कुमार गुप्ता सहित सैकडों व्यापारी मौजूद रहे।

# कपड़े के थैलों से लैस नजर आएंगे अधिकारी व कर्मचारी

जासं, बांदा : जिलाधिकारी हीरा लाल ने पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नई पहल की है। जनपद में पालीथिन उन्मूलन अभियान शुरू किया गया है।

पालीथिन पर्यावरण में जहर घोल रही है। इससे शहर के नाले व नालियां चोक हो रही हैं, वहीं पालीथिन खाने से बेजुबान मर रहे हैं। जमीन की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। शासन ने पालीथिन से होने वाले नुकसान को गंभीरता से लेते हुए कई साल पूर्व प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए थे। फिर भी बिक्री व प्रयोग पर कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है। प्रतिबंधित पालीथिन के प्रयोग व बिक्री करते पाए जाने पर सजा का भी प्राविधान है।

जिलाधिकारी हीरालाल ने पालीथिन के प्रयोग पर अंकुश लगाने के लिए नई

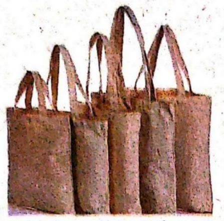

कपड़े के बैग • जागरण आर्काइव

पहल की है। उनके द्वारा मतदान प्लस, कुआं-तालाब जियाओ अभियान चलाए गए जो देश के लिए माडल बन चुके हैं। इसी तर्ज पर उन्होंने पालीथिन पर रोक लगाने की ठानी है। पालीथिन उन्मूलन अभियान शुरू करते हुए उन्होंने जिले के सभी छोटे-बड़े अधिकारियों व

**आदेश**

- **प्रतिबंधित पॉलीथिन से दूरी बनाने को प्रशासन की नई पहल**
- **जिला स्तरीय अधिकारियों के पास पंहुची डीएम की पाती**

कर्मचारियों को पाती भेजी है। इसमें उन्होंने कहा है कि अब अधिकारी व सभी कर्मचारी कपड़े के थैलों के साथ आफिस आएंगे।

कोई भी मीटिंग व बैठक होगी उसमें अभिलेख फाइलों में नहीं लाएंगे, बल्कि उन्हें अपने साथ कपड़े के थैले में सभी कागजात रखकर लाने होगे। उन्होंने जनपद को झोलायुक्त व प्लास्टिक मुक्त बनाने

> डीएम के निर्देश पर सभी जिला स्तरीय अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ खंड विकास अधिकारियों को पत्र भेजा जा रहा है। इसका अनुपालन हर हाल में कराया जाएगा। ताकि जनपद को पालीथिन मुक्त किया जा सके।
>
> **राजेंद्र प्रसाद मिश्रा**, प्रभारी सीडीओ, बांदा

का नारा भी दिया है। अधिकारियों से कहा है कि डायरी व अभिलेख हाथ में लेकर आने की प्रथा खत्म करनी होगी। डीएम ने खुद कपड़े के थैले का प्रयोग शुरू कर दिया है।

**हर रोज खप रही दो क्विंटल पालीथिन** : जिले में हर रोज करीब दो हजार क्विंटल पालीथिन की खपत हो रही है। पालीथिन की खपत में अधिकारी व कर्मचारी आगे हैं।

**समीक्षा** जिलाधिकारी की जनपदवासियों से अपील, सभी पॉलीथिन को त्याग कर कपड़ा व जूट के बैग का करें प्रयोग

# अब झोला युक्त, प्लास्टिक मुक्त होगा बांदा

**जागरण संवाददाता, बांदा** : शासन की मंशा है कि पॉलीथिन पर पूरी तरह अंकुश लगे। ताकि लोग पर्यावरण प्रदूषण से मुक्ति पा सकें। लेकिन इस पर रोक नहीं लग पा रही है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो आगे भयावह परिणाम भुगतने होंगे। इसके लिए अब बांदा को झोला युक्त, प्लास्टिक मुक्त बनाना है। ये बात जिलाधिकारी हीरालाल ने कही।

कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी ने एडीएम सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने पॉलीथिन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन के उपयोग के कारण मनुष्य ही नहीं जानवरों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़

कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक में बोलते डीएम हीरा लाल • जागरण

रहा है। भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही है। गिरते भूजल स्तर के लिए भी यह जिम्मेदार है। यदि इसी तरह पॉलीथिन का उपयोग धड़ल्ले से होता रहा तो आने वाला भविष्य अच्छा नहीं होगा। उन्होंने लोगों से मार्मिक अपील की। कहा कि जनपदवासी पॉलीथिन को त्याग कर कपड़े, जूट व नायलान के बैग का उपयोग करें। जब भी घर से निकलें तो इसे साथ में अवश्य लाएं। वह मानते हैं कि पॉलीथिन लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। लेकिन यह जिंदगी के लिए घातक भी है। चाहे अमीर हो या गरीब सभी को पॉलीथिन त्यागना होगा।

इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार सिंह ने नगर निकायों द्वारा पालीथिन के खिलाफ अभियान के प्रगति की जानकारी दी। इस पर डीएम ने असंतोष जताया। इस मौके पर एडीएम संतोष बहादुर सिंह, एडीएम न्यायिक संजय कुमार, एसडीएम सदर संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

# कपड़े के थैले बांट डीएम ने दिया पालीथीन मुक्त का संदेश

**जागरण संवाददाता, बांदा** : डीएम हीरा लाल सोमवार को पालीथिन मुक्त अभियान के तहत शहर में अधिकारियों के साथ भ्रमण किया। छावनी सहित कई मोहल्लों व बाजार में लोगों को जागरूक किया। पालीथिन प्रयोग न करने के लिए शपथ पत्र भरवाया। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को खुश रखने के लिए हमें इसे जनांदोलन बनाना होगा।

रामलीला रोड, दमेले वस्त्रालय से पैदल भ्रमण कर न्यू मार्केट सब्जी होते हुए छावनी चौराहा डीएम की टीम पहुंची। उन्होंने सभी दुकानदारों से शपथ पत्र भी भरवाया। कहा कि पालीथिन से होने वाले नुकसान से सभी अवगत हैं। फिर भी कुछ स्वार्थ के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं। जबकि पालीथिन का किसी भी दशा में प्रयोग नहीं होना चाहिए। प्लास्टिक के प्रयोग से कैंसर जैसी बीमारियां फैल रही हैं, वहीं मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रही है। नाले-नालियां जाम होने से जलभराव की समस्या पैदा हो रही है। जानवर पालीथिन खाकर जान गवा रहे। कहा कि जिले को हर हाल में प्लास्टिक मुक्त

चौक बाजार में व्यापारियों से शपथ पत्र भरवाते डीएम हीरा लाल • जागरण

कराना है। कहा कि 21 दिन के अभियान के बाद भी यदि नहीं माने तो कार्रवाई की जाएगी। इसमें जुर्माना व सजा हो सकती है। इस दौरान उन्होंने गरीब व मध्यम वर्गीय परिवार के लोगों को कपड़े के झोले भी वितरित किए। इस दौरान उनके साथ व्यापारी नेता मनोज जैन, अमित सेठ भोलू, राजकुमार राज, डा.मनोज शिवहरे, विनय दमेले, जिला बचत अधिकारी राकेश जैन आदि मौजूद रहे।

**मंडी में चला अभियान**: कृषि मंडी परिषद में सचिव विभाग खरे की अगुवाई में पालीथिन मुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान सचिव ने सभी व्यापारियों को पालीथिन न प्रयोग करने की शपथ दिलाई। किसानों व छोटे दुकानदारों को कपड़े के थैले सौंपे और कहा कि आगे इन्हीं थैलों का उपयोग करें। इस दौरान उन्होंने पालीथिन से होने वाले नुकसान के बारे में भी लोगों को जागरूक किया।

## छात्र-छात्राओं ने भी ली शपथ

संस, पैलानी : पॉलीथीन मुक्त विद्यालय के लिए प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि डीआईओएस के निर्देश पर विद्यालयों को पॉलीथीन मुक्त किया जा रहा है। यहां के भी बच्चे व शिक्षक पॉलीथीन से दूरी बनाने का संकल्प लें। उन्होंने इससे होने वाले नुकासन के बारे में भी बताया।

परमहंस रणछोड़ दास इंटर कॉलेज, खप्टिहाकलां में प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार ने कहा कि प्लास्टिक हजारों साल तक सड़ती नहीं है। प्लास्टिक मानव जीवन के साथ-साथ पृथ्वी के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है। पशु-पक्षी प्लास्टिक खाकर जान गवा रहे हैं। मिट्टी की उर्वरा शक्ति को खत्म कर रहा है। प्लास्टिक बोतल और टिफिन से कैंसर हो रहा है। सैकड़ों छात्र छात्राओं को झोला युक्त प्लास्टिक मुक्त करने के लिए शपथ दिलाई। जिससे जल जीवन को समान रूप से बनाया जा सके। लोगों को जीवन का नया अधिकार मिल सके। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पॉलीथीन से तौबा करने की शपथ दिलाई। साथ ही अपने घर व पड़ोस में भी इसके लिए जागरुकता फैलाने को कहा। उन्होंने बताया कि डीएम हीरा लाल ने जनपद में पॉलीथीन मुक्त अभियान शुरू किया है। इसे सफल बनाने के लिए डीआईओएस विनोद सिंह ने सभी राजकीय, अशासकीय, सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महाविद्यालयों के प्राचार्य व प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर झोला युक्त प्लास्टिक मुक्त बांदा नारे के साथ कार्य करने को कहा है। शपथ ग्रहण समारोह में शिक्षक प्रकाश द्विवेदी ज्ञान चंद्र, अशोक त्रिवेदी अनुज कुमार सिंह, गंगाराम, सुरेंद्र सिंह, असीम कुमार, वीरेंद्र कुमार द्विवेदी, अजय गुप्ता उपस्थित रहे।

# पानी के पाउच नहीं थर्मस का करें प्रयोग

**जागरण संवाददाता, बांदा** : डीएम हीरालाल ने थैलायुक्त प्लास्टिक मुक्त बांदा अभियान के तहत मंगलवार को व्यापारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि व्यापारी हों या कर्मचारी पानी के पाउच का प्रयोग न करें। इसकी जगह थर्मस उपयोग में लाएं। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक मुक्त अभियान पूरे जिले में चलाया जा रहा है। आम जन की सहभागिता भी इसमें बढ़ रही है।

कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम हीरा लाल ने व्यापारियों से कहा कि जिले में पालीथिन व प्लास्टिक का पूरी तरह परित्याग करना है। इसमें व्यापारियों की भूमिका अहम है। वह खुद कपड़े के थैले का प्रयोग करें और अपने प्रतिष्ठानों में भी ग्राहकों को कपड़े के थैले में सामग्री दें। उन्होंने कि पानी के पाउच व पानी के बोतल का प्रयोग न करें। इसकी

> थैलायुक्त प्लास्टिक मुक्त बांदा अभियान के तहत जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में व्यापारियों के साथ की बैठक

जगह थर्मस अपनाएं। डीएम ने जिले में चलाए जा रहे थैलायुक्त प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए एडीएम न्यायिक को 11 सितंबर को तहसील नरैनी व एडीएम संतोष बहादुर को अतर्रा की जिम्मेदारी सौंपी है। वह खाद्य सुरक्षा विभाग व वाणिज्य कर के अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान चलाएंगे।

बैठक में व्यापारी नेता संतोष गुप्ता, मनोज जैन, राज कुमार राज, शांतुन ओमर, अमित सेठ भोलू, स्वदेश गौरव शिवहरे, संतोष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

- जिलाधिकारी श्री हीरा लाल के द्वारा जिले में प्रथम बार किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से एक नवोन्मेषी कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, जिसको **किसान विकास भवन भ्रमण** नाम दिया गया है।

- इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के अलावा अन्य विभाग जैसे पंचायती राज विभाग, डी.आर.डी.ए., पशुपालन विभाग एवं कृषि रक्षा अनुभाग, नेडा विभाग, समाज कल्याण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सहकारिता विभाग, आई.सी.डी.एस. विभाग अहम भूमिका निभा रहे हैं।

## उद्देश्य :

- सरकारी विभागों एवं कृषकों के बीच की दूरी को कम करना।

- महत्वपूर्ण नवोन्मेषी कार्यक्रम के माध्यम से कृषकों और अधिकारियों के बीच कृषकों की हिचक दूर करना।

## प्रक्रिया

- क्षेत्रीय कर्मचारियों के द्वारा किसानों को चुनने के लिए निम्नलिखित मापदण्ड अपनाये गये–
  (1.) ऐसे कृषक जो शिक्षित हो।
  (2.) जिसमें अपनी बात दूसरे तक पहुंचाने का कौशल हो।
  (3.) जिसमें सीखने की उत्सुकता हो।
  (4.) जिसमें समाज की सेवा करने की जिज्ञासा हो।

- क्षेत्रीय कर्मचारियों यथा किसान सहायकों, ए.टी.एम. / बी.टी.एम. के माध्यम से ग्राम पंचायतों के 10–10 कृषकों को विकास भवन लाकर समस्त विभागों की संचालित विकास योजनाओं से परिचित कराया गया।

- किसानों की आय दोगुनी करने के विषय में खेती प्रणाली को व्यावसायिक बनाने हेतु कृषि की नवीनतम तकनीकों, संकर बीजों के उपयोग को बढ़ावा देना, दलहन और तिलहन को वैज्ञानिक ढ़ंग से उगाना।

- गुणवत्ता परक प्रमाणिक बीजों का प्रयोग करना, खेती में कम लागत से अधिक उपज प्राप्त करने, कृषि उपज का सही मूल्य प्राप्त करने हेतु पैकेजिंग एवं ग्रेडिंग के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

- इसके साथ–साथ मत्स्य पालन, बागवानी, दुधारू पशुओं को शामिल करना, मुर्गी पालन (कुक्कुट), और बकरी पालन, खेती के बदलते परिवेश में सभी का समेकित करना।

- प्रयास करने के लिए कृषकों को जागरूक किया जा रहा है।

- विभिन्न योजनाओं के हैण्डबिल्स, लीफलेट्स, पम्पलेट्स एवं फोल्डर्स कृषकों को ये प्रचार सामग्री वितरित की जा रही है।

## परिणाम

- अब तक 107 ग्राम पंचायतों के कृषक किसान विकास भवन भ्रमण के लिए सम्मिलित हो चुके हैं।

- इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 25 सितम्बर 2018 से 29 जुलाई 2019 तक कुल 1083 कृषकों को कृषि विकास भवन एवं अन्य विभागों में उनको भ्रमण कराकर लाभान्वित कराया गया है।

- किसान विकास भवन भ्रमण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले कृषकों का कार्यक्रम आगे भी जारी है।

# किसानों को विभागों का कराया गया भ्रमण, दी जानकारी

**बांदा।** जिले के विभिन्न न्याय पंचायत के अंतर्गत गांव के किसानों को विभागों का भ्रमण कराया जा रहा है। सोमवार को न्याय पंचायत खप्टिहाकला के विभिन्न गांव के करीब एक दर्जन किसानों को विकास भवन के विभिन्न विभागों का भ्रमण कराया गया। कार्यालयों में मौजूद अधिकारियों ने संचालित योजनाओं की जानकारी दी। किसानों ने अधिकारियों से भी योजनाओं के बारे में पूछा।

जिलाधिकारी के निर्देशन पर किसानों को विभिन्न विभागों का भ्रमण कराया जा रहा है। सोमवार को तिन्दवारी विकास खण्ड के न्याय पंचायत खप्टिहाकला के विभिन्न गांव के किसानों को सरकारी कार्यालयों का भ्रमण कराया गया। विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में पहुंचकर किसानों ने जानकारी ली। सीडीओ हरिश्चन्द्र वर्मा ने किसानों को बताया कि खरीफ फसल का समय चल रहा है। कम लागत और अधिक पैदावार वाली फसलों को खेतों में तैयार करें।

इसके बाद जिला कृषि अधिकारी कार्यालय किसान पहुंचे। जहां पर जिला कृषि अधिकारी डा. प्रमोद कुमार ने किसानों को बताया कि कम सिंचाई वाली फसलों को तैयार करें। दलहन और तिलहन क्षेत्र में अधिक पैदावार होती है तो ऐसे में इन्हीं फसलों का चयन करें। साथ ही किसानों को सुझाव दिया कि कम बारिश और कीट रोगों सहित अन्य आपदा से फसल प्रभावित होने पर फसलों का बीमा जरुर कराए। प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत ब्लाक और तहसील स्तर पर बीमा कम्पनी के कर्मचारी नियुक्त किए गए है। कहा कि अपने खेतों में एक फसल की बुआई न करें जरुरत और पैदावार को देखते हुए कई फसलें अलग अलग खेतों में तैयार करें।

# नई तकनीकी सीखने के इच्छुक किसान करेंगे भ्रमण

5/09/20 आज

## डीडी कृषि ने विकासखंडवार प्राविधिक सहायकों को सौंपी जिम्मेदारी

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 4 सितम्बर। नई तकनीकी सीखने के इच्छुक किसानों को विकास भवन के भ्रमण का विशेष कार्यक्रम चलाया जायेगा, जिसकी शुरुआत ७ सितम्बर से होगी। उपकृषि निदेशक ने ब्लाकवार प्राविधिक सहायकों को किसानों के भ्रमण की जिम्मेदारी सौंपी है।

उपकृषि निदेशक एके सिंह ने जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में प्राविधिक सहायकों को जिम्मेदारी सौंपते हुए जारी आदेश में कहा है कि जनपद के किसानों के उन्नयन एवं विकास के लिए विकास भवन भ्रमण का विशेष कार्यक्रम चलाया जाना है। इसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए प्राविधिक सहायकों की ड्यूटी लगाई गई है। इनका दायित्व होगा कि वह न्याय पंचायतों के गांवों से ऐसे किसानों का चयन करेंगे जो साक्षर हों और नई तकनीकी सीखने की उनमें उत्सुकता हो। ऐसे किसानों के बीच जाकर प्रोत्साहित करना है ताकि सीखी हुई नवीन तकनीकी/विकास योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने को प्रोत्साहित हों। प्राविधिक सहायकों का यह दायित्व होगा कि प्रत्येक गांव से वह ऐसे दस कृषकों का चयन कर विकास भवन में संचालित संबंधित विभागों का भ्रमण कराकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं/नवीन तकनीकी से अवगत करायेंगे। भ्रमण की शुरुआत ७ सितम्बर से होगी और यह कार्यक्रम १३ नवम्बर तक चलेगा। भ्रमण का समय ११ बजे से निर्धारित किया गया है। इसमें महिला कृषकों की विशेष सहभागिता सुनिश्चित कराई जायेगी। प्राविधिक सहायक बलराम लोधी, शैलेन्द्र, प्रहलाद सिंह, सूर्यप्रताप, महेन्द्र सिंह, ज्ञान सिंह, रामजियावन को बड़ोखर ब्लाक, एटीएम उमेश कुमार, अजय पाल, बीटीएम शिववीरेंद्र, सुभाष, सीताराम, रुपेश, शारदा प्रसाद, को तिंदवारी, बीटीएम नरेश कुमार, एटीएम भोला प्रसाद, राजेश कुमार, शत्रुघन सिंह, शिववीर को जसपुरा, परवेज आलम, जनार्दन यादव, रामनरेश यादव को महुआ, शिवाधार, रामप्रकाश, महेश सोनकर, आनंद यादव, अतुल कुमार द्विवेदी, देवेन्द्र कुमार, जयकरन, ब्रजकिशोर, अरुण कुमार को नरैनी, जीतेन्द्र कुमार शिवहरे, रामबाबू, महेन्द्र कुमार सोनी, रामपाल, सुदर्शन को बिसंडा, रघुवीर, अजमेर शरीफ, वीरेन्द्र यादव, प्रदीप कुमार, श्यामलाल, कुलदीप को बबेरू, प्रेमप्रकाश द्विवेदी, दीनानाथ, राजेन्द्र, अरुण को कमासिन ब्लाक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्धारित तिथियों में इनके द्वारा किसानों का भ्रमण कराया जायेगा।

- आदर्श बजरंग इण्टर कॉलेज, बाँदा में **प्रतिभा सम्मान समारोह – 2019** के अवसर पर माध्यमिक स्तर के छात्रों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी श्री हीरा लाल ने उनको भविष्य में अपने कैरियर का क्षेत्र चुनने की सलाह दी।

- पहले सेवाओं के क्षेत्रों की जानकारी आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती थी। वर्तमान में किसी भी क्षेत्र में जाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर उसकी व्यवस्थित तैयारी की जा सकती है।

- उन्होंने छात्रों से माता–पिता की सहमति लेकर अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिखित रूप से अपने विद्यालय में जमा करने को कहा।

## उद्देश्य:

- विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित करने के प्रति प्रेरित करना।

- विद्यार्थियों को विभिन्न रोजगार परक अवसरों के प्रति जागरूक करना।

- विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सही दिशा एवं रणनीति बनाने के लिए प्रेरित करना।

- विद्यार्थियों को लक्ष्य लिखित रूप में लिखने और अपने शिक्षकों, अभिभावकों को अवगत कराने के लिए तैयार करना।

- विद्यार्थियों के इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यालय को उनकी भूमिका का ज्ञान कराना।

## प्रक्रिया

- छात्र निर्माण संवाद कार्यक्रम के अन्तर्गत कॉलेज के विद्यार्थियों से जिलाधिकारी ने 7 बिन्दुओं पर सीधा संवाद किया–

- आप अपने जिन्दगी के लक्ष्य को तय करें।

- आपको कितनी ऊचांई (लक्ष्य) पर जाना है, क्या आपने अपना लक्ष्य तय किया है ?

- आजकल के बच्चे अपने आपको माता–पिता से ज्यादा होशियार समझते हैं ?

- बच्चे अपने माता–पिता से सलाह लेकर अपना लक्ष्य निर्धारित करें।

- छात्र अपने माता और पिता के संयुक्त हस्ताक्षर से लक्ष्य का प्रमाण–पत्र अपने कक्षाध्यापक को दें।

- फैशन से दूर रहें। सादा जीवन, उच्च विचार को अपनायें।

- मोबाइल एवं सोशल मीडिया से दूर रहें। मोबाइल केवल सर्च इंजन गूगल की सहायता से पढ़ने के उद्देश्य से प्रयोग करें।

- समय प्रबन्धन – सुबह से शाम एवं शाम से रात्रि तक का समय सारिणी प्रतिदिन बनायें।

- इस सवांद के दौरान विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित करने, अभिभावक की सहमति लेने, लक्ष्यों को लिखित रूप में अपने विद्यालय में जमा कराया गया।

- जमा कराए गए लक्ष्यों के प्रपत्र के आधार पर चार प्रमुख क्षेत्रों का चयन अधिकांश विद्यार्थियों द्वारा किया गया–
- इंजीनियरिंग सेवा
- मेडिकल सेवा
- प्रशासनिक सेवा
- शिक्षण सेवा

- प्रत्येक चयनित क्षेत्र के विद्यार्थियों की सामूहिक कार्यशाला का आयोजन जिलाधिकारी के निर्देशन में कराया गया।

- इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर उनसे शैक्षिक मार्गदर्शन एवं संवाद करने का अवसर विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ।

## परिणाम

- विद्यार्थियों अपने लक्ष्य निर्धारण के प्रति सजग हो रहे हैं।

- अभिभावक एवं उनके शिक्षक विद्यार्थियों के लक्ष्यों से परिचित हो रहे हैं।

- विद्यार्थियों के लक्ष्यों के आधार पर विद्यालय अपनी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में वांछित सुधार कर रहे हैं।

# झलकियां

# सादा जीवन, उच्च विचार की सोच दिमाग में रखें छात्र:डीएम

**छात्र निर्वाण संवाद कार्यक्रम में बोले हर छात्र को जीवन का लक्ष्य चुनाना बेहद जरूरी**

**बच्चों को दी पेड, पानी और योगा से मिलने वाले फायदों की जानकारी**

बालिका विद्या मंदिर में छात्र निर्वाण संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते जिलाधिकारी हीरालाल।

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 6 सितम्बर। जिलाधिकारी हीरालाल ने कहा कि छात्र जीवन में हर छात्र को एक लक्ष्य चुनना बहुत जरूरी है। सभी लोगों को सादा जीवन उच्च विचार की सोच दिमाग में रखनी चाहिए। आधुनिक युग में फैशन डिजाइन की ओर ध्यान न बटाकर अपने शिक्षा के क्षेत्र मे अधिक ध्यान लगाकर सफलता प्राप्त करें। जिससे आप सभी का फायदा हो सके। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर कन पथ में शुक्रवार को आयोजित छात्र निर्वाण संवाद कार्यक्रम मे हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में उचाइयां छूने के लिए जिलाधिकारी ने प्रेरित किया। उन्होने कहा कि सभी लोग छात्र जीवन में आगे बढ़ने के लिए जीवन मे एक लक्ष्य बनाये। जिसे प्राप्त करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी छात्राएं एक सप्ताह के अंदर अपने माता-पिता से राय लेकर एक लक्ष्य अवश्य तय करें और उसे सादे कागज में लिखकर माता-पिता व स्वयं हस्ताक्षर कर विद्यालय में जमा करें। ताकि हम लोग प्रयास कर आप लोगों के तय किए गये लक्ष्य को आगे बढाने में सहयोग कर सकें। जिलाधिकारी हीरालाल ने छात्राओं को अनावश्यक मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की हिंदायत दी, कहा कि इसका उपयोग तभी करें जब आपको पढाई के लिए मोबाइल आवश्यक हो। उन्होने बच्चों को मोबाइल में गुगल के जरिए अनेकों लाभ व शिक्षाप्रद जानकारियां प्राप्त करने की बच्चों को सलाह दी।

जिलाधिकारी ने छात्राओं से पेड, पानी व योगा को जीवन से जोडने और उससे मिलने वाले फायदो के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बच्चों को बताया कि शुद्ध वायु व आक्सीजन हमे पेडों से मिलती है। प्रत्येक बच्चा अपने घर में दो पौधे अवश्य लगाये। कहा कि जिले में पानी की सबसे बडी समस्या है। इसलिए पानी का दुरूपयोग न कर अधिक से अधिक वर्षा जल का संचय करें। जिस प्रकार हमलोग बैंको में धन जमा करते हैं उसी प्रकार पानी रूपी धन को धरती रूपी बैंक में रेन हार्वेस्टिंग के जरिए जल संचयन करें ताकि पानी की समस्या दूर हो सके। उन्होंने बच्चों को बीमारी से बचने के लिए नियमित रूप से योगा करने का संकल्प दिलाया। इसके साथ ही बांदा को प्लास्टिक मुक्त बनाने में बच्चों से सहयोग की अपील की। इस मौके पर प्रधानाचार्या अमिता सिंह समेत किरन जैन, सुनीता तिवारी, शैलजा, प्रियंका, आभा, माधुरी, स्वाती, आयुषी, प्रेमलता, जेपी गुप्ता, रामसजीवन आदि मौजूद रहे।

# शिक्षा और स्वास्थ्य उन्नति के 2 मुख्य कारक : जिलाधिकारी

## लोगों का ध्यान इलाज से हटाकर बचाव में लाने की जरूरत

बाँदा ब्यूरो : किसी देश की उन्नति के लिये कई कारक हो सकते हैं। लेकिन उनमें से दो मुख्य कारक शिक्षा और स्वास्थ्य होते हैं। यह बात जिलाधिकारी हीरा लाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में बतायी। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिये योगा कार्यक्रम की शुरूआत की गयी है। उन्होंने बताया कि लगभग एक साल पहले वह साउथ कोरिया एक ट्रेनिंग में गये थे। उसी वक्त उनकी मुलाकात साउथ कोरिया के एक प्रोफेसर से हुयी थी। उन्होंने बताया कि साउथ कोरिया 1945 में आजाद हुआ था। जिसके अगले दस वर्षो तक उस देश में केवल स्वास्थ्य पर ही ध्यान दिया गया। उसके अगले दस वर्षो तक केवल शिक्षा पर ही ध्यान दिया गया। जिसके फलस्वरूप आज साउथ कोरिया में हर व्यक्ति उन्नति की ओर अग्रसर है। जिलाधिकारी ने कहा कि हमको भी स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जब किसी देश की स्वास्थ्य और शिक्षा मजबूत हो तो उस देश के विकास को कोई भी नहीं रोक सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि आज लोग इलाज की ओर भागते हैं। लेकिन बचाव की ओर कोई ध्यान नहीं देता है। आज इलाज से ज्यादा बचाव की जरूरत है।

जिलाधिकारी हीरा लाल

जब कोई इंसान किसी भी चीज का बचाव कर ले जायेगा तो उसे इलाज की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। मेरा प्रयास लोगों का ध्यान इलाज से हटाकर बचाव में लाने का है। जिस दिन लोगों का दिमाग इस ओर आज जायेगा। तो उनको इलाज की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों की सोंच में सकरात्मक परिवर्तन लाना ही मेरा उद्देश्य है।

# एमएड की मेधावी छात्राओं का सम्मान

छात्राओं को डीएम ने किया सम्मानित। • हिन्दुस्तान

**बांदा।** बुन्देलखण्ड विश्व विद्यालय झाँसी से एमएड परीक्षा में विश्व विद्यालय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को जिलाधिकारी ने कैम्प कार्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

छात्रा प्रीती गुप्ता जिन्होंने अतर्रा पीजी कालेज से शिक्षा प्राप्त की है ने प्रथम स्थान। नीतू सिंह कछवाह जिन्होंने राजा देवी डिग्री कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की है इन्होंने बुन्देलखण्ड विश्व विद्यालय झाँसी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है तथा अन्तिमा सिंह पटेल जिन्होंने अतर्रा पीजी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की है इन्होंने विश्व विद्यालय झाँसी में तृतीय स्थान प्राप्त कर जनपद बांदा का गौरव बढ़ाया।

# लक्ष्य तय करके जीवन में कुछ बन सकते

बांदा | हिन्दुस्तान संवाद

आर्यकन्या इंटर कालेज में बुधवार को डीएम के द्वारा छात्राओं के द्वारा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को प्रेरित किया कि अभी से लक्ष्य तय करके ही जीवन में कुछ बन सकते हैं।

जिलाधिकारी हीरालाल ने कहा कि हमे हमेशा अपने लक्ष्य को ध्यान में रखना चाहिए। अभी से ही लक्ष्य तय करना चाहिए। तभी हम जीवन में कुछ बन सकते हैं। साथ ही विद्यार्थी जीवन में सदा जीवन एवं उच्च विचार की सोच रखते हुए ही अपनी जीवन शैली में सुधार किया जा सकता है। कहा कि माता पिता सर्वश्रेष्ठ हैं सदैव उनका सम्मान करना चाहिए। कालेज की प्रबंधक शमीम बानो, प्रधानाचार्या कु. शाइस्ता सिद्दीकी, समीक्षा खरे, नीलांजना रहीं।

संवाद कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते डीएम। • हिन्दुस्तान

संवाद कार्यक्रम में शामिल छात्राएं। • हिन्दुस्तान

# छात्र भविष्य के लिए लक्ष्य तय कर उसे पाने का करें पूरा प्रयास

**डीएवी इंटर कालेज में छात्र निर्माण संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने बच्चों को बताई अच्छी बातें**

**बोले-पढाई के लिए अच्छे वातावरण का होना बहुत जरूरी**

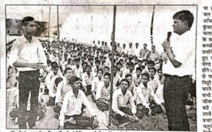

डीएवी इंटर कालेज में छात्रों को संबोधित करते जिलाधिकारी हीरालाल। छाया:आज

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 7 सितम्बर। जिलाधिकारी हीरालाल ने बच्चों को शिक्षा क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा उन्नति कर ऊंचाइयों तक बढने के लिए अच्छी बातें बताई। कहा कि आगे पढ लिखकर उन्हें क्या बनना है इसका लक्ष्य माता-पिता से राय लेकर अवश्य तैयार करें। और उस लक्ष्य को पाने के लिए पूरा प्रयास करें। शनिवार को डीएवी इंटर कालेज में छात्र निर्माण संवाद कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बच्चे प्रातःकाल उठकर अपने माता-पिता के पैर छुएं और बडे बुजुर्गों व गुरूजनो का सम्मान दें। उन्होंने कहा कि पढाई के लिए एक अच्छा वातावरण होना बहुत जरूरी है। जिसके लिए पेड, पानी, योगा बहुत ही सहयोगी हैं। पेडों से हमे शुद्ध आक्सीजन मिलती है। पानी जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है। सभी बच्चे अपने घरों में दो-दो वृक्ष अवश्य लगायें और वर्षा का पानी बर्बाद न हो इसे इक्ट्ठा करने के लिए वाटर रिचार्ज पिट का निर्माण करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि अगला विश्व युद्ध पानी पर ही होगा, जिसे बचाना होगा। जल संचयन के लिए अधिक से अधिक उपाय करने होंगे। जिले में कुंआ तालाब जियाओ अभियान चलाकर लोगों को जल संचयन के बारे में जागरूक किया गया। बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए उन्होंने योगा करने पर बल देते हुए कहा कि यदि सभी बच्चे योगा करेंगे तो कभी बीमार नही होंगे। उन्होंने सभी को प्लास्टिक से परहेज करने और पीतल व मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करने पर जोर दिया। कहा कि सभी बच्चे अच्छी बातों को जीवन का अंग बनाकर आगे बढें और जीवन में खुशहाली लायें। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मोहन चतुर्वेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद सिंह, बजरंग इंटर कालेज के प्रधानाचार्य मिथलेश पांडेय आदि ने विचार व्यक्त किए। संचालन दिनेश कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर रमेश राजपूत ने बच्चों को योगा कराया।

छात्र निर्माण संवाद कार्यशाला को संबोधित करते मेजर मिथलेश पांडेय।

# आईआईटी इंजीनियर ने छात्रों को टिप्स दिए

अमर उजाला ब्यूरो

**कलक्ट्रेट में छात्र निर्माण संवाद का आयोजन**

बांदा। छात्र निर्माण संवाद आयोजनों की श्रृंखला में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं से संवाद किया गया। उनसे अपने लक्ष्य तय करके लिखित रूप में माता-पिता के भी हस्ताक्षर कराकर अपने विद्यालयों को सौंपने को कहा गया है। आईआईटी कानपुर से आए सुरेंद्र प्रताप सिंह ने इस कार्यशाला में उपस्थित आदर्श बजरंग इंटर कालेज, राजकीय इंटर कालेज, आर्य कन्या इंटर कालेज, सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, डीएवी इंटर कालेज से अलग-अलग संवाद किए। उन्हें इंजीनियरिंग से संबंधित कंपटीशन तैयारी की जानकारियां दीं। कार्यशाला को आदर्श बजरंग इंटर कालेज प्रधानाचार्य/कार्यक्रम के समन्वयक मेजर मिथलेश कुमार पांडेय ने भी संबोधित किया। कानपुर आईआईटी के बृजेश कुमार यादव, जीआईसी के अभिषेक कुमार, वीरेंद्र सिंह चंदेल, रुचिंद्र गुप्ता, बलराम त्रिपाठी, राकेश वर्मा, कमलेश आदि भी उपस्थित रहे।

अभियान 13

# नेकी की दीवार

- हम जानते है कि आम आदमी को जीवकोपार्जन के लिये विभिन्न संसाधनों की आवश्यकता होती है। जनपद में असहाय/ जरूरतमन्द एवं गरीबों की मदद के लिये जनपद बाँदा के तहसीलदार श्री अवधेश निगम द्वारा समाजिक सरोकार स्वरूप **'नेकी की दीवार'** नामक गतिविधि की शुरूआत की गई है।

- इस प्रयास के कारगर परिणाम के फलस्वरूप जिलाधिकारी श्री हीरा लाल ने जनपद की समस्त तहसीलों में सुव्यस्थित कार्ययोजना तैयार कर नेकी की दीवार गतिविधि को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए।

## उददेश्य:

- समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन।
- जिम्मेदार नागरिक बनने एवं बनाने की भावना विकसित करना।
- नागरिकों के व्यक्तित्व में उदारता, दानी प्रवृत्ति का विकास करना।
- निर्बल वर्ग के प्रति सहयोग हेतु समाज को प्रेरित करना।
- अनावश्यक/अनुप्रयोगी वस्तुओं का उचित प्रबन्धन करना।
- अपने हृदय से संतुष्टि का भाव विकसित करना।
- परिवार, समाज में अपनी सकारात्मक पहचान बनाना।
- दानी व्यक्तियों एवं जरूरतमंदों के मध्य एक सार्थक मंच उपलब्ध कराना।
- समाज में एक दूसरे की सहायता करने की भावना विकसित करना।
- प्रत्येक व्यक्ति के अन्दर समाज सेवा करने की भावना को मंच प्रदान करना।

## प्रक्रिया:

1– किसी सार्वजनिक स्थल, कार्यालय एवं प्रतिष्ठान का चयन करना।

2– नेक कार्य के प्रति समर्पित 2–3 स्वयं सेवकों का चयन करना।

3– सर्वसुलभ, सुरक्षित एक दीवार का चयन करना।

4– नेकी की दीवार को स्थापित भवन के रंग से अलग रंग में तैयार कराना।

5– उक्त दीवार में ''आप सभी के सहयोग से, आप सभी के सहयोग को'' नेकी की दीवार पर अंकित कराना।

6– उक्त दीवार में निवेदन अंकित करना चाहिए–

- आप सभी अपने अतिरिक्त/ अनुप्रयोगी कपड़े/ सामान यहाँ छोड़ सकते हैं।
- जरूरतमंद अपनी जरूरत/उपयोग के कपड़े/सामान यहाँ से निःशुल्क ले जा सकते हैं।

7– असामाजिक तत्वों से उक्त सामानों की निगरानी हेतु दीवार के पास या तो सी0सी0टी0 कैमरा लगाया जा सकता है या फिर निगरानी हेतु किसी व्यक्ति को रखा जा सकता है।

8– दानी व्यक्तियों द्वारा उपलब्ध कराये गये कपडे/जूते, चप्पल, कापी किताबें एवं अन्य घरेलू उपयोग का सामान को व्यवस्थित रखने के लिये एक कमरे में भण्डारण कक्ष बनाना होगा।

9– दानी व्यक्ति से उक्त सामान प्राप्त करते हुये यह ध्यान रखना होगा कि कपड़े फटे/गन्दे आदि न हो तथा तथा अन्य सामग्री (खाद्य आदि) उपयोग हेतु हो।

10– दानी व्यक्तियों का एक रजिस्टर में सम्पूर्ण ब्यौरा जैसे नाम, पता, पद एवं मोबाइल नम्बर आदि अंकित किया जायेगा।

11–नेकी की दीवार से सामान/ कपड़े प्राप्त करने वाले व्यक्ति की निगरानी तो की जाये परन्तु उसके स्वाभिमान की रक्षा को दृष्टिगत रखते हुये उनसे उनका नाम, पता आदि की जानकारी न ली जाये।

12–समाज में सहृदय / दानी प्रवृत्तियों के नागरिकों को समय–समय पर सम्मानित किया जाये, जिससे समाज के प्रति अधिक से अधिक लोग प्रेरणस्रोत बनें।

13–नेकी की दीवार संचालित करने वाले प्रतिष्ठान/ कार्यालय/समाज सेवियों को जिलाधिकारी बांदा द्वारा समय–समय पर सम्मानित किया जायेगा।

## परिणाम:

- जनपद में असहाय/जरूरतमन्द एवं गरीब व्यक्ति नेकी की दीवार से अपने आवश्यकतानुसार सामान निःशुल्क ले जाते हैं, जिससे इस तबके के लोगों को मदद मिल रही है।
- नेकी की दीवार में सहयोग करने वाले व्यक्तियों को सामाजिक सेवा करने का मौका मिल रहा है।

# झलकियां

राजस्व परिवार, तहसील सदर बाँदा की
नेकी की दीवार
आप सबके सहयोग से
नेकी की दीवार

नेकी की दीवार

राजस्व परिवार, तहसील सदर बाँदा की
नेकी की दीवार
सामान यहाँ छोड़ जाइये।
2. जरूरतमंद लोग अपने जरूरत के कपड़े /सामान यहाँ से ले जाइये।
निवेदक : राजस्व परिवार, तहसील सदर, बाँदा

आप सबके सहयोग से
नेकी की दीवार

पटाखा - प्लास्टिक मुक्त दीवाली
मिलजुल कर घर -घर दीवाली
तहसील सदर बाँदा नेकी की दीवार की ओर से
नेकी की दीवाली

# नेकी की दीवार से जरूरतमंदों को खाना मिलेगा

**इनसे सीखें**

पैलानी | हिन्दुस्तान संवाद

नेकी की दीवार में अभी तक जरूरतमंदों को कपड़े मिलते थे लेकिन जिलाधिकारी की पहल से अब नेकी की दीवार में कपड़ों के साथ खाना भी मिलेगा।

पैलानी तहसील परिसर में संचालित नेकी की दीवार में जरुरतमंदों को रोटी कपड़ा देने की

लाल और पुलिस अधीक्षक जीपी साहा ने किया था। नेकी की दीवार में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को भोजन की व्यवस्था की गई है वहीं दूसरी ओर जरूरतमंदों को नेकी की दीवार से मिलने वाले कपड़ों की प्रतिदिन कोई न कोई निराश्रित के लिए कपड़े देकर तहसील प्रशासन के इस पुनीत कार्य करने में जुड़ रहा है। बुधवार को तहसीलदार राजीव निगम ने थाना चिल्ला के बरेठी कला की एक निराश्रित को सर्दी से बचने के लिए कपड़े दिए। पैलानी तहसील के अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण सिंह, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गंगा शरण सिंह ने कहा कि तहसील

जरूरतमंदों को भोजन व कपड़े उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है जो बेहद ही सराहनीय है इससे जरुरतमंद कपड़े ले सकते है वहीं भोजन भी मिलेगा। तहसीलदार ने बताया कि नेकी की दीवार में भोजन और कपड़ों के अलावा तहसील परिसर में एक रैन बसेरा भी बना दिया गया है। जिससे आने जाने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की रुकने में कोई दिक्कत नहीं होगी। रेन बसेरा में रुकने वाले लोगों को आधार कार्ड की छायाप्रति देनी होगी। इस मौके पर वीरेंद्र कुमार यादव, रामप्रकाश, शिव बाबू तिवारी, विष्णुदत्त द्विवेदी, ओम दीक्षित, शिव बचन सिंह आदि

# जरूरतमंदों का आधार बनी नेकी की दीवार

***जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर ली जानकारी, की सराहना***

***सामाग्री जमा करने वाले लोगों को आज देंगे प्रशंसापत्र***

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 13 सितम्बर। सदर तहसील परिसर में २५ अगस्त से चलाई जा रही 'नेकी की दीवार' का शुक्रवार को जिलाधिकारी हीरालाल ने औचक निरीक्षण किया और तहसीलदार से जानकारी ली। उन्होंने सामाग्री जमा करने वाले लोगों को शनिवार को प्रशंसा पत्र दिए जाने की घोषणा की। इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इसी तरह शहर के अन्य स्थानों पर भी सामाजिक कार्यों का संचालन कर अनुपयोगी पुस्तकें, कपडे, जूते-चप्पल, स्कूल बैग आदि जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जा सकता है।

निरीक्षण के दौरान सदर

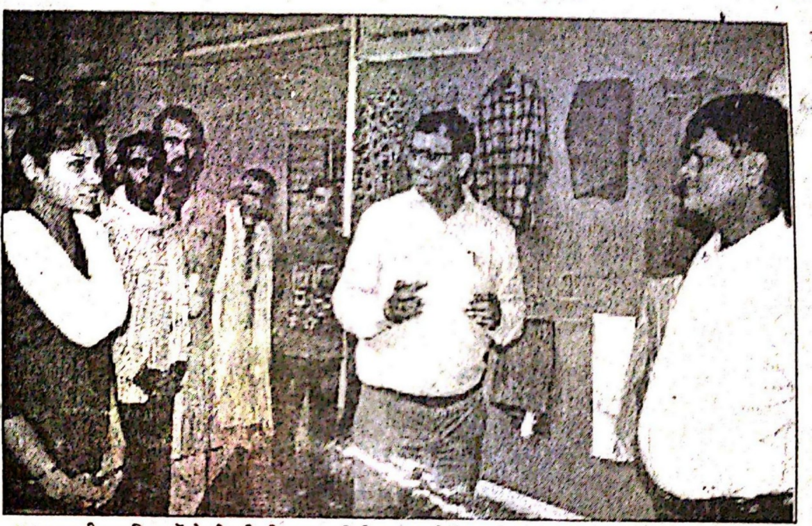

सदर तहसील परिसर में नेकी की दीवार का निरीक्षण करते जिलाधिकारी। छाया:आज

तहसीलदार अवधेश निगम ने बताया कि तहसील स्टाफ व अधिवक्ताओं द्वारा घरों में अतिरिक्त पडे उपयोगी कपडे व चप्पल जूते यहां जमा कराये जाते हैं। जमा की जाने वाली सामाग्री का विवरण एक पंजिका मे तैयार किया जाता है। प्राप्त सामाग्री को नेकी की दीवार पर टांग दिया जाता है। जिससे जरूरतमंद लोग अपनी जरूरत के कपडे व सामान ले जाते हैं। सामाग्री ले जाने वाले व्यक्ति के आत्मसम्मान को देखते हुए उसका नाम व पता नही पूछा जाता है और न ही अंकन किया जाता है। प्राप्त सामाग्री को प्रतिदिन सुबह दीवार पर टांग दिया जाता है। देख-रेख के लिए एक चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई है जिससे कबाडी

टाइप के असामाजिक तत्वों द्वारा सामाग्री को इकट्ठा न ले जाया जा सके। इस कार्य में कई ग्राम प्रधानों व संभ्रांत व्यक्तियों ने सहयोग करने का आश्वासन दिया है। जिलाधिकारी ने इस पुनीत कार्य की सराहना की, कहा कि लोगों के घरों में अतिरिक्त पड़ी सामाग्री जरूरतमंद लोगों के उपयोग में आ जाती है। उन्होंने रजिस्टर का अवलोकन भी किया, जिसमें सामाग्री जमा करने वाले अवधेश कुमार निगम तहसीलदार, रमेश कुमार श्रीवास्तव, रमेशचन्द्र अवस्थी, सुरेश कुमार श्रीवास्तव, कमलेश बाबू, रामकिशोर वर्मा, अब्दुल मजीद, अमर दीप गौतम, प्रीति कुशवाह लेखपाल, रामकृष्ण त्रिपाठी संग्रह अमीन, सुशील कुमार नजारत चतुर्थ श्रेणी, संतोष देवी नजारत चतुर्थश्रेणी, फूलचन्द्र पांडेय राजस्व निरीक्षक के नाम अंकित मिले। एक अधिवक्ता ने भी सामाग्री जमा की लेकिन रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराने से मना कर दिया। जिलाधिकारी ने सामाग्री जमा करने वालों को शनिवार को प्रशंसापत्र देने की घोषणा की है।

# जिलाधिकारी ने नेकी दीवार का किया निरीक्षण, सराहना की

बांदा | हिन्दुस्तान संवाद

सदर तहसील में चलाई जा रही नेकी की दीवार का जिलाधिकारी हीरा लाल ने औचक निरीक्षण किया। इस सम्बन्ध में तहसीलदार से जानकारी ली गई। बताया कि तहसील स्टाफ, अधिवक्ता आदि द्वारा घरों में अतिरिक्त पड़े उपयोग कपड़े, चप्पल, जूते यहां जमा कराए जाते है। जमा की जाने वाली सामग्री का विवरण एक पंजिका में तैयार किया जाता है जिसमें सामग्री उपलब्ध कराने वाले का नाम, पता व जमा करने की तिथि और जमा करने वाली सामग्री की मात्रा का उल्लेख किया जाता है।

प्राप्त सामग्री को नेकी की दवार पर टॉग दिया जाता है। जिससे जरुरतमंद लोग अपने जरुरत के कपड़े व सामान ले जाते है। सामग्री ले जाने वाले व्यक्ति के आत्म सम्मान को ध्यान में रखते हुए उससे नाम व पता नहीं पूछा जाता है और न ही कहीं अंकन किया जाता है। इस कार्य में ग्राम प्रधानों सहित संभ्रांत व्यक्तियों द्वारा सहयोग करने का आश्वासन दिया गया है। डीएम ने इस पुनीत कार्य की सराहना की है और कहा कि लोगों के घरों में अतिरिक्त पड़ी सामग्री का जरुरतमंद लोगों के उपयोग में आ जाती है। डीएम ने रजिस्टर को देखा और सामग्री जमा करने वाले अवधेश कुमार निगम तहसीलदार, रमेश कुमार श्रीवास्तव लेखपाल, रमेशचन्द्र अवस्थी लेखपाल, सुरेश कुमार श्रीवास्तव लेखपाल, रामकृष्ण त्रिपाठी संग्रह अमीन, सुशील कुमार नजारत चतुर्थ श्रेणी, दिनेश कुमार राजस्व लिपिक, कमलेश बाबू लेखपाल, अमदीन गौतम, प्रीती कुशवाहा लेखपाल, फूलचन्द्र पाण्डेय राजस्व निरीक्षक अंकित मिले। डीएम ने कहा कि सामग्री जमा करने वाले लोगों को 14 सितम्बर को सदर तहसील में नेकी की दीवार के सामने प्रशंसा पत्र दिए जाने की घोषणा की जाएगी।

# तहसीलदार की पहल से बनी तहसील परिसर में नेकी की दीवार

**अन्य विभाग संचालित करेंगे नेकी की दीवार :डीएम**

**बाँदा ब्यूरो** : जिलाधिकारी ने सदर तहसील में नेकी की दीवार मुहिम के तहत सहयोग करने वाले तहसीलदार समेत लेखपाल अमीन व लिपिक आदि कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया। अनेक अधिकारियों ने अपने विभाग में नेकी की दीवार संचालित करने का संकल्प लिया।

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी हीरा लाल द्वारा सदर तहसील में पिछली 25 अगस्त से संचालित नेकी की दीवार पर टंगे वस्त्रों का अवलोकन किया और [illegible] बताई कि यह सामग्री गरीबों के

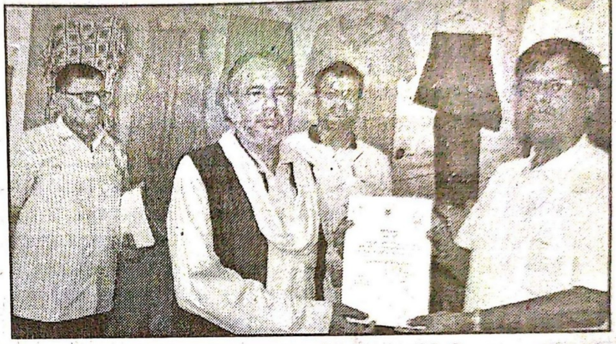

बाँदा : तहसील में नेकी की दीवार कार्यक्रम में प्रमाण पत्र देते डीएम।

हितों मे काम आएगी। इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट, मेडिकल कालेज प्राचार्य, बेसिक शिक्षाधिकारी, जेलर, महिला कालेज के प्रोफेसर, वन विभाग, वास्थ्य, विकास समेत जनपद स्तरीय अनेक अधिकारियों ने अपने-अपने विभागो मे नेकी की दीवार संचालित करने का संकल्प लिया।

# ज्ञानार्जन यात्रा

- आज के इस आधुनिक युग में समय–समय पर कार्यशैली में बदलाव समय की आवश्यकता है। जो व्यक्ति अपने कार्य प्रक्रिया में नवीन ज्ञान का समावेश नहीं करते हैं वह समाज से पीछे छूट जाते हैं और न ही कार्यालय/घर/अन्य जगहों पर पहचान बना पाते हैं।
- उक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी श्री हीरा लाल ने **ज्ञानार्जन यात्राओं** की शुरूआत विभिन्न समूहों जैसे बच्चों, किसानों, प्रधानों एवं लघु व्यवसायियों के लिए किया।
- जिससे उनके ज्ञान में बढ़ोत्तरी हो सके, उनकी कार्यप्रणाली सुव्यस्थित एवं आधुनिक तकनीकी युक्त बन सके तथा वह समाज में एक विशेष पहचान बनाने में अग्रसर रहें।

### उद्‌देश्य

- तुलनात्मक कार्य करने की प्रक्रिया का विकास करना।
- आधुनिक तकनीकी से परिचित कराना।
- समयानुसार एवं आवश्यकतानुसार विभिन्न समूहों जैसे बच्चों, किसानों, प्रधानों एवं लघु व्यवसायियों आदि में ज्ञान को खोजने एवं उसका प्रयोग कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना।

### प्रक्रिया

- विभिन्न लक्ष्य समूहों का चयन एवं निर्धारण।
- चयनित लक्ष्य समूहों के अनुसार विभागवार यात्रा का निर्धारण।
- यात्रा हेतु प्रमुख आदर्श/प्रसिद्ध स्थलों का चयन एवं संदर्भ सामाग्री का निर्माण।

### यात्राओं के आयोजन हेतु नोडल विभाग

- **बच्चों हेतु** : जिला विज्ञान क्लब बाँदा
- **किसान हेतु** : कृषि विभाग, उद्यान विभाग एवं कॉपरेटिव विभाग
- **ग्राम प्रधानों हेतु** : पंचायती राज विभाग
- **दुग्ध उत्पादकों हेतु** : दुग्ध विभाग

***इसी प्रकार सभी विभागों भ्रमण यात्राएं कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं***

### मेधावी छात्रों हेतु आई.आई.टी. कानुपर एवं राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भ्रमण यात्रा

- करके सीखने की प्रक्रिया का विकास करने के उद्देश्य से देश के प्रसिद्ध तकनीकी शिक्षण संस्थान में बच्चों को ज्ञानार्जन करने का मौका दिया गया। जिससे इस क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थियों को एक नई दिशा मिल सके।
- यात्रा के दौरान आधुनिक वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं, सेन्ट्रल पुस्तकालय, क्लास रूम, हवाई पट्‌टी, आदि का भ्रमण कराया गया। जहां सुपर कम्प्यूटर, थ्री–डी टेक्नालॉजी, लेजर टेक्नालॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी आदि प्रमुख विषय रहे।
- शुगर फैक्ट्री आदि का भ्रमण भी कराया गया।

### सब्जी उत्दपादक किसानों हेतु भ्रमण यात्रा

- जनपद के कृषकों की आय बढ़ाने, आधुनिक पद्धति से कृषकों को जोड़ने एवं देखकर सीखने की प्रक्रिया को दृष्टिगत रखते हुए **सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस उमरदा, कन्नौज** में ज्ञानार्जन यात्रा का आयोजन किया गया।
- इसका प्रमुख उद्‌देश्य कृषकों को सब्जी की खेती की नवीनतम तकनीकी से परिचित कराते हुए कम समय में ज्यादा सब्जी उत्पादन कर आय में बढ़ोत्तरी लाने के लिए सशक्त प्रयास करना है।

### आदर्श ग्राम भ्रमण यात्रा

- एक आर्दश ग्राम कैसा हो? उसमें क्या– क्या सुविधाएं जनसामान्य के लिए हों? प्रधान कैसे अपनी बेहतर भूमिका ग्राम विकास में करें? इसके लिए ललितपुर जनपद की ग्राम पंचायत पवा एवं जनपद जालौन की ग्राम पंचायत इटौरा में प्रधानों हेतु मॉडल विलेज ज्ञानार्जन यात्रा का आयोजन किया गया।
- जिसके अन्तर्गत आधुनिक सुविधायुक्त विद्यालय, चाल्इड फ्रैंडली शौचालय, तालाब, पेयजल व्यवस्था, वायस आफ पवा, हाट बाजार, प्रतीक्षालय, भूसा बैंक, ग्राम सफाई व्यवस्था, सोलर लाइट, सचिवालय, जिम, **एन.आर. एल.एम.समूह कार्य, फूलों की खेती, रूफ वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम, सोकपिट, ए.एन.एम. सेन्टर** एवं धार्मिक स्थल आदि का अवलोकन किया गया।

### 'किसान की बात किसान से' भ्रमण यात्रा

- जनपद के 40 किसानों का समूह ग्राम दौलतपुर जिला बाराबंकी के लिए रवाना हुआ। दौलतपुर ग्राम के एक सम्मानित, प्रगतिशील किसान व पद्म श्री पुरस्कार से पुरस्कृत कृषक श्री राम शरण वर्मा जी के उन्नतशील फॉर्म का अवलोकन किया गया। जिसमें उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों एवं उत्पादन के दौरान ध्यान रखने वाली बारीकियों को बताया गया।

# झलकियां

IFFCO
कृषक भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम
दौलतपुर, बाराबंकी
दिनांक - 13.09.2019

National Sugar Institute

उत्पादक किसान दल
दिनांक : 29 - 30 अगस्त 2019

## 29 ग्राम पंचायतों को मॉडल ग्राम पंचायत बनाने की पहल शुरू

**बांदा।** 29 ग्राम पंचायतों को मॉडल बनाये जाने की पहल जिलाधिकारी द्वारा शुरू कर दी गयी है। पंचायती राज विभाग द्वारा जिलाधिकारी के निर्देश पर 14 ग्रामों के ग्राम प्रधानों को शुक्रवार को डीएम व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर जनपद ललितपुर की मॉडल ग्राम पंचायत पवा का एक्सपोजर विजिट करने के लिए रवाना किया गया।

प्रथम चरण मेंबांदा के विकास खण्ड बिसण्डा से ग्राम पंचायत उमरेहडा, भदेहदू, विकास खण्ड नरैनी से डढवामानपुर, कटरा कालिंजर बरछा व विकास खण्ड महुआ से गिरवां, विगहना, जखनी, सरस्वाह, विकास खण्ड बडोखर खुर्द से इटवा, जारी, बडोखर खुर्द के ग्राम प्रधानों द्वारा ललितपुर के ग्राम पवा में विकास खण्ड की स्थिति व संचालन किये जाने सम्बन्धी जानकारी का अवलोकन किया जायेगा।

## प्रशिक्षण के लिए प्रगतिशील किसान कन्नौज हुए रवाना

जागरण संवाददाता, बांदा : जिलाधिकारी हीरा लाल ने उद्यान विभाग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार वेजीटेबल्स की बस को हरी झंडी दिखाकर कन्नौज रवाना किया। 50 प्रगतिशील किसानों को कन्नौज प्रशिक्षण के लिए उद्यान विभाग से रवाना किया गया। इसके पूर्व जिलाधिकारी ने किसानों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभी की प्रगति और प्रशिक्षण सीख के आने वाले समय में प्रगति का रोड मैप जिला प्रशासन को उपलब्ध कराये। जो किसान सब्जी उगाने की तकनीक सीखकर आयेंगे उसे अपने खेतों में उगाने का कार्य करेंगें। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और शासन की मंशा भी पूर्ण होगी। उद्यान अधिकारी परवेज को निर्देशित करते हुए कहा कि अगले सप्ताह महिलाओं को बाहर भेजने की कार्य योजना बनाई जाए। प्रशिक्षण में भेजा जाए जिससे कुछ सीखकर आयेंगी और जनपद को आगे बढाने में अपना योगदान देंगी।

## जनपद के 14 ग्राम प्रधान ललितपुर के लिये रवाना

बाँदा : जनपद की 29 ग्राम पंचायतों के माडल का रूप दिये जाने की शुरू की गयी पहल के तहत स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत 14 गाँवों के ग्राम प्रधानों को जनपद ललितपुर के लिये बस द्वारा रवाना किया गया। शुक्रवार को विकास भवन से जनपद ललितपुर के लिये रवाना होने वाली 14 ग्राम प्रधानों की बस को हरी झंडी दिखाकर जिलाधिकारी हीरा लाल व मुख्य विकास अधिकारी हरिश्चन्द्र वर्मा ने रवाना किया। जनपद के ब्लाक बिसंडा की ग्राम पंचायत उमरेहटा,भदेहदू,नरैनी ब्लाक की ग्राम पंचायत डढ़वामानपुर,कटरा कालिंजर ,बरछा,महुआ ब्लाक की गिरवा ,बिगेहना ,जखनी,सरस्वाह,बडोखर ब्लाक से इटवां,जारी,बडोखर खुर्द के ग्राम प्रधान बस द्वारा जनपद ललितपुर के लिये रवाना हुये जो मौके पर स्वच्छता,सार्वजनिक मार्ग ग्राम पंचायत में कराये गये अच्छे विकास कार्यो को देखकर वह अपने गांवों को भी माडल के रूप में विकसित कर सके, इसकी वह सींख लें और उसी आधार पर कार्य योजना तैयार करें।

दुग्ध पशुपालकों की विजिट को झंडी दिखाते डीएम हीरा लाल। अमर उजाला

# पशुपालकों को दी जानकारी

**बांदा।** डीएम हीरा लाल ने दुग्ध पशुपालकों को एक्सपोजर विजिट कराने के लिए हरी झांडी दिखाकर रवाना किया। गुरूवार को सुबह विकास भवन से 40 दुग्धपालक 4 वाहनों में विजिट के लिए रवाना हुए। सबसे पहले किसानों का दल बड़ोखर खुर्द स्थित प्रगतिशील किसान प्रेम सिह के फार्म हाउस पंहुचा। यहां आधुनिक तकनीकि और जैविक खेती से संबंधित प्रयोग देखे। यहां से महुआ ब्लाक के खेरवा गांव स्थित विज्ञान शुक्ला दुग्ध डेरी फार्म हाउस देखा। युवा किसान संजीव अवस्थी से पशुपालन व दुग्ध उत्पादन बढ़ाने संबंधित जानकारी दी। डेरी फार्म में 140 गायों का पालन पोषण और गोबर व गोमूत्र से अतिरिक्त आमदनी जुटाने के बारे में जानकारी हासिल की। जिलाधिकारी ने कहा कि खेती के साथ किसानों को पशुपालन के लिए जागरूक किया जा रहा है। दुधारु पशु पाल कर किसान अतिरिक्त आमदनी जुटा सकते है। शहरों में दूध की मांग बढ़ने से डेरी उद्योग फायदेमंद साबित हो रहा है।

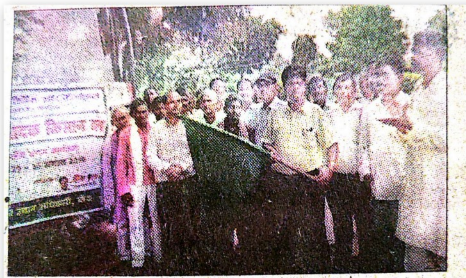

हरी झंडी दिखा किसानों को रवाना करते डीएम हीरालाल। अमर उजाला

## सब्जी तकनीक सीखने कन्नौज गए 50 किसान

**बांदा।** जनपद के 50 प्रगतिशील किसान कन्नौज में सब्जी उत्पादन संबंधी प्रशिक्षण लेंगे। गुरुवार को जिलाधिकारी हीरा लाल ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। उन्होंने किसानों से कहा कि अभी की प्रगति और प्रशिक्षण के बाद की प्रगति का रोड मैप तैयार कर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। सब्जी उगाने की नई तकनीक सीखने के बाद अन्य किसानों को भी जागरुक करें। उद्यान अधिकारी परवेज खां को निर्देश दिए कि अगले सप्ताह महिलाओं को बाहर भेजने की कार्य योजना बनाएं। ब्यूरो

अपना शहर

डेस्क रिपोर्ट SEP 05, 2019

## बाँदा के मेधावी छात्रों को मिला आईआईटी कानपुर घुमने का मौका

**बांदा,**

जिलाधिकारी बाँदा हीरा लाल अध्यक्षता में संचालित जिला विज्ञान क्लब बाँदा के तत्वाधान में जनपद के 40 मेधावी विद्यार्थियों व 10 शिक्षकों को आईआईटी कानुपर में एक्सपोजर विजिट करने का मौका प्राप्त हुआ। जनपद के मुख्य विकास अधिकारी बाँदा हरिश्चन्द्र वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं अर्थ एवं संख्याधिकारी संजीव बघेल ने बस को हरी झण्डी दिखा कानपुर आई आई टी के लिए शुभाकामनाएं देते हुए रवाना किया।

जिलाधिकारी बाँदा हीरा लाल जी बताया कि एक्सपोजर विजिट से मेधावी विद्यार्थियो को सोचने, समझने व करने की क्षमता का विकास होता है। साथ ही विश्व प्रसिद्ध संस्थानों में भ्रमण से कैरियर में एक नई दिशा मिलती है। एक्सपोजर विजिट कानपुर आई आई टी के सहा. रजिस्टार प्रो.विनोद मलिक के दिशा निर्देशन एवं उपनिदेशक प्रो. मणिन्द्र अग्रवाल जी के सहयोग से आयोजित किया गया।

अभियान 15

# एक दिन का अधिकारी

- शिक्षा ग्रहण करते हुए छात्र–छात्राएं सैद्धान्तिक अध्ययन तो बहुत करते हैं, किन्तु उनको प्रयोगिक ज्ञान नहीं होता। अतः उनको प्रयोगिक ज्ञान कराने, कार्यालय कैसे चलते हैं ? किस– किस प्रकार पटलों पर कार्य होता है एवं अधिकारी किस प्रकार कार्य करते हैं? जब वह स्वयं अधिकारी बनेंगे तो उन्हें कैसे कार्य करना होगा? उस पद पर उनसे विभाग एवं जनसामान्य की क्या – क्या अपेक्षायें होंगी? आदि प्रक्रिया से परिचित कराते हुए एक कुशल अधिकारी बनने के प्रति प्रेरित करने हेतु एक दिन के मुख्यमंत्री के तर्ज पर **''एक दिन का अधिकारी कार्यक्रम''** बनाया गया।

## उद्देश्य :

- व्यक्तित्व विकास।
- सेवायोज्यता में अभिवृद्धि।
- कार्यालय प्रबन्ध प्रशिक्षण।
- अधिकारी के गुण देखना व सीखना।
- सरकार व आम जनता के बीच की दूरी कम करना।
- छात्रों को सुशासन से परिचित कराना।
- छात्र को अधिकारी बनने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना।

## प्रक्रिया :

- महाविद्यालयों में प्राध्यापकों एवं छात्र–छात्राओं को निर्देशन।
- छात्र–छात्राओं के रजिस्ट्रेशन हेतु आवेदन।
- जनपद स्तर के उच्चाधिकारियों में से किसी एक अधिकारी, जिसके साथ छात्र सीखना चाहता है, पर 02 पेज का लेख (WRITE-UP) प्रस्तुत करना।
- चयनित कार्यालय में एक दिन का अध्ययन।
- कार्यालय अध्ययन विषयक 02 पेज का लेख देना।
- इच्छित अधिकारी के साथ एक दिन रहकर सीखना।
- अधिकारी के साथ रहने के उपरान्त स्वयं को एक दिन के अधिकारी के रूप में देखना।
- सीखकर एक लेख देना, जिसमें 05 बिन्दुओं का संक्षिप्त विवरण भी होगा कि सम्बन्धित अधिकारी –
- क्या–क्या विभागीय कार्य करते हैं ?
- कैसे विभागीय कार्य संचालित करते हैं?
- 5 अच्छी बातें, जो उन अ़धिकारी से सीखीं ?
- 5 अच्छी बातें, जो अपने जीवन में लागू करेंगे ?
- कार्यक्रम के 5 फायदे।
- उपरोक्त समस्त का एक साथ संकलन कर स्लाइड बनाकर कुल पाँच स्लाइड, पाँच मिनट का प्रजेन्टेशन निर्धारित समय और तिथि पर करेंगे।
- जिलाधिकारी द्वारा इन छात्रों को प्रशंसा पत्र दिया जायेगा।

## परिणाम

- छात्र–छात्राओं में अधिकारी बनने की इच्छा बढ़ रही है।
- छात्र–छात्राओं में प्रशासनिक व्यवस्था व पदों की महत्ता की समझ विकसित हो रही है।
- सरकार एवं आम आदमी के बीच का गैप कम होगा और सुशासन व्यवस्था बढ़ेगी।
- छात्र–छात्राओं के ज्ञान का विकास हो रहा है।
- अधिकारी बनाने के लिए छात्र–छात्राएं प्रेरित होंगे और उनका जोश उमड़कर आयेगा।

***इस कार्यक्रम की प्रगति सतत् जारी है।***

CAMEL

एक दिन की अधिकारी पिंकी एसडीएम वंदिता श्रीवास्तव के साथ।

## एक दिन का अधिकारी बनी छात्रा

नरैनी। डीएम हीरालाल के निर्देश पर चलाए जा रहे एक दिन का अधिकारी अभियान में छात्र-छात्राओं को विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को यहां खरौंच गांव निवासी और विवेकानंद इंटर कालेज में 11वीं की छात्रा कुमारी पिंकी पुत्री राजेश को तहसील में एक दिन का अधिकारी के रूप में एसडीएम वंदिता श्रीवास्तव ने अपने कार्यालय में अपने साथ कुर्सी पर बैठाया। उसे राजस्व विभाग आदि के कामों की जानकारियां दीं। उसके साथ लंच भी लिया। छात्रा पिंकी बेहद खुश नजर आई। वह मेधावी है। उसने इच्छा जताई कि मेहनत से पढ़ाई करके वह आईएएस बनना चाहती है। एक अन्य छात्र कालिंजर के नौगवां निवासी रितिक शुक्ला पुत्र रामफल जो कि दीनदयाल इंटर कालेज में 11वीं का छात्र है को नायब तहसीलदार आरके शुक्ला ने अपने कार्यालय में एक दिन का अधिकारी बनाया। ब्यूरो

## एक दिन की सीओ और कोतवाल बनीं दो छात्राएं

पुलिस की गाड़ी में सीओ व कोतवाल बन पुलिस के कार्यों की जानकारी लेती इंटर कालेज की दो छात्राएं। • हिन्दुस्तान

नरैनी। एक दिन के सीएम की तर्ज पर बांदा में पिछले एक माह से डीएम के निर्देश पर बच्चों को एक दिन का अधिकारी बनाकर काम करने के तरीके बताए जा रहे है। मंगलवार को नरैनी सीओ व कोतवाल बन इंटर कालेज की दो छात्राओं ने पूरे दिन पुलिस के कामकाज का तरीका सीखा। डीएम का कहना है कि बच्चों में आत्मविश्वास जगाने के लिए यह मुहिम शुरू की गई है। मंगलवार को राजकुमार इण्टर कालेज दो बालिकाओं को एक दिन का सीओ व कोतवाल बनाया गया। सीओ बनी छात्रा लक्ष्मी व कोतवाल के रूपए में कृष्णा देवी पुलिस की गाड़ी से दफ्तर पहुंची। यहां एक प्रार्थी की शिकायत सुनी गई। कोतवाल की कार्यशैली से असंत ष्ट होकर सीओ बनी छात्रने विवेक से कार्रवाई किए जाने की बात कही। इन छात्राओ के साथ मौजूद एस आई नरेश प्रजापति ने पुलिस अभिलेखों का रख रखाव व कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी। बताया कि सही शिकायत करने वाले की समस्यां का तुरंत निदान किया जाता है। निडर हो कर अपनी सही बात की शिकायत करना है। कहीं कोई गलत कार्य होते देख अच्छे नागरिक का फर्ज अदा करते हुए सभी को पुलिस को सूचना देनी चाहिए। इस मौके पर प्रधानाचार्य राघवेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

- जीवन विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं से संचालित होता है। रहने के लिए हम घर बनाते हैं। पानी पीने के लिए कुआं, तालाब, नल की व्यवस्था करते हैं। प्रकाश के लिए विद्युत/सोलर की व्यवस्था करते हैं। लेकिन जिससे हमारा जीवन (24x7) चलता है। इसके बारे में हम कुछ नहीं सोंचते हैं।

- सोते–जागते जिस वायु को हम लेते हैं और जिससे हम जिन्दा रहते हैं। उसके महत्व को बहुत कम लोग समझते हैं क्योंकि यह प्राणवायु (Oxygen- $O_2$) को प्राप्त करने के लिए हम लोगों को कोई प्रयास नहीं करना पड़ता ।

- हमें वायु मण्डल से Public goods के रूप में मुफ्त और असीमित मात्रा में $O_2$ प्राप्त होती है। शहरीकरण के कारण शहरों में आबादी का घनत्व बढ़ता जा रहा है। जिससे $O_2$ की कमी होती जा रही है।

- इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि हमें जो पौधे रात–दिन ऑक्सीजन देते हैं, उन्हें लगाने के बारे में हम कोई सार्थक प्रयास नहीं करते हैं। बल्कि लगातार अधाधुंध कटाई से ऑक्सीजन की मात्रा में कमी आई है।

- पेड़ों की कटान से प्रदूषण बढ़ा है। वायु मण्डल में ऑक्सीजन की कमी से विभिन्न प्रकार की जानलेवा बीमारियां भी बढ़ रही हैं और जीवन घट रहा है।

- स्वस्थ व खुशहाल जीवन के लिए शुद्ध ऑक्सीजन की प्रचुर मात्रा में आवश्यकता है।
- इसके लिए घर की बिजली आदि की तरह ही हमें $O_2$ पैदा करने के बारे में सोचना चाहिए।
- यह हमारे जीवन की सबसे पहली महत्वपूर्ण आवश्यकता है जिसे हम पूरी तरह से एहसास नहीं करते। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जनपद में एक नया प्रयोग किया जा रहा है।
- बाँदा शहर के प्रसिद्ध "नवाब टैंक" के बगल में स्थित वन विभाग का "चेतना पार्क" (क्षेत्रफल 0.368 हे0) तथा वन निगम का डिपो (क्षेत्रफल 1.12 हे0) की वन विभाग की नर्सरी (क्षेत्रफल4.532हे0) और सिंचाई विभाग का एक तालाब और विभाग का गेस्ट हाउस से लगी जमीन में सरदार वल्लभ भाई पटेल "**ऑक्सीजन पार्क**" के निर्माण की परियोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है।
- इसमें ऐसे पौधे लगाए जायेंगे जिनसे अधिक से अधिक ऑक्सीजन प्राप्त हो सके। ऑक्सीजन इससे प्रचुर मात्रा में नगरवासी को ही नहीं, अपितु जनपद वासियों को भी प्राप्त हो सकेगी।
- इस हेतु सिंचाई विभाग, वन निगम, बाँदा विकास प्राधिकरण, खेलकूद विभाग तथा जिला उद्यान विभाग की सहायता और समन्वय से लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया पार्क और श्री जनेश्वर पार्क की तर्ज पर इस ऑक्सीजन पार्क को विकसित करने का सार्थक प्रयास जारी है ।

- इससे जनपद बाँदा के लोगों को ऑक्सीजन के साथ हरियाली और खुशहाली मिलेगी।
- सिंचाई विभाग का एक–एक पार्क तहसील अतर्रा और बबेरू में भी है। इनका क्षेत्रफल क्रमशः 3.372 हे0 व 1.878 हे0. है ।
- इन दोनों को भी इसी ऑक्सीजन पार्क की भांति विकसित किया जा रहा है । ताकि तहसील स्तर पर भी यह सुविधा उपलब्ध करायी जा सके।
- देखने और सुनने में तो यह बहुत आकर्षक और प्रभावी नहीं लगता है । लेकिन जब दिल्ली के प्रदूषण और ऑक्सीजन की कमी के कारण दिल्ली गैस चेम्बर के नाम से खबर छपती है तो यह एहसास होता है कि समय रहते हमें यह प्रयास कर लेना चाहिये।
- ऐसे प्रयोग प्रत्येक जनपद में होना चाहिए। ताकि पूरे प्रदेश को विभिन्न जिलों से शुद्ध ऑक्सीजन का प्रवाह हो सके प्राप्त हो तथा पर्यावरण को दूषित होने से रोका जा सके।
- ऑक्सीजन पार्क, जल युक्त नवाब टैंक के चारों ओर विकसित हो रहा है। जल और जंगल का एक स्वाभाविक–प्राकृतिक गहरा रिश्ता है। यह स्थल (जल–जंगल) बांदा में खुशहाली (**Happiness Index**) को बढ़ायेंगे।
- नवाब टैंक और ऑक्सीजन पार्क को कालिंजर के साथ पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का प्रयास पूर्व से जारी है। पर्यटन स्थल के रूप में इस स्थान को विकसित करने में आक्सीजन पार्क बहुत बड़ा योगदान देगा।

हमारा संकल्प
प्राथमिक विद्यालय पचिनियाँ डेरा (जौहरपुर)
क्षेत्र- तिन्दवारी, जिला-बाँदा
जिला प्रशासन बाँदा की पहल
कुआँ-तालाब जियाओ अभियान
कुआँ-तालाबों में पानी
बाँदा को खुशहाल
संकलन
राजेन्द्र नाथ श्रीवास्तव
मार्गदर्शन
राजेन्द्र कुमार कुशवाहा
खण्ड शिक्षा अधिकारी, तिन्दवारी
निवेदक
हीरा लाल

# सरदार पटेल के सपनों को प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया

**नवाब टैंक परिसर में एकता दिवस के रूप में मनाया गया सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिवस**

◆

**विभिन्न सरकारी विभागों ने लगाये स्टाल, आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम**

एकता दिवस में लगे स्टालों का निरीक्षण करते कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत साथ में डीएम हीरालाल।

(आज समाचार सेवा)

बांदा, 31 अक्टूबर। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन एकता दिवस के रूप में मनाया गया। नवाब टैंक परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने एकता और अखंडता के लिए जो कार्य किया था उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धारा ३७० हटाकर अखंड भारत के सपने को पूरा कर दिया है।

गुरुवार को एकता दिवस की शुरुआत शपथ के साथ हुई। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्यमंत्री श्री राजपूत ने लोगों को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों का विलय करके अखंड भारत की संकल्पना को मूर्त रूप दिया था। उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। राज्यमंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की १४४वीं जयंती के अवसर पर बांदा में भव्य रुप से एकता दिवस का आयोजन किया गया है। निश्चित रुप से यह प्रशंसनीय है। राज्यमंत्री ने पैदल भ्रमण कर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विभिन्न घाटों पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों योगा अभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री ने घाट नंबर-१ पर हवन-पूजन किया। साथ में बांदा-चित्रकूट सांसद आरके सिंह पटेल, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, बबेरु विधायक चन्द्रपाल कुशवाहा, नरैनी विधायक राजकरन कबीर, भाजपा जिलाध्यक्ष लवलेश सिंह आदि उपस्थित रहे। सांसद ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा सरदार पटेल के कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बांदा जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित किए गए एकता उत्सव की सराहना की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता से अखंड भारत का कार्य प्रारंभ किया गया था, उसे वर्तमान सरकार द्वारा पूरा किया गया। जिलाधिकारी हीरालाल ने कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत किया। बताया कि बांदा में सरदार पटेल आक्सीजन पार्क की स्थापना कराई जा रही है। इससे जनपद के लोगों को जहां एक पर्यटन स्थल मिलेगा, वहीं प्राणवायु भी प्राप्त होगी। कार्यक्रम में सभी प्रमुख धर्मों के धर्माचार्य मौजूद रहे। बुंदेलखंड में प्रचलित विभिन्न विधाओं के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। जिला उद्योग केन्द्र द्वारा आयोजित स्टाल में उद्यम समागम एक जनपद एक उत्पाद प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में एडीएम संतोष बहादुर सिंह, संजय कुमार, सीडीओ हरिश्चन्द्र वर्मा, पीडी आरपी मिश्रा, एसडीएम सदर सुरजीत सिंह, डीपीआरओ संजय यादव, उपायुक्त एनआरएलएम केके पांडेय, राकेश जैन, संजीव बघेल, उपायुक्त उद्योग मो.जहीरुद्दीन, नगर मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके पूर्व स्कूली बच्चों द्वारा रन फॉर यूनिटी की रैली निकाली गई, जिसका शुभारंभ डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया।

### आकर्षण का केन्द्र रही अनाज छन्ना मशीन

बांदा। एकता दिवस के मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाकर योजनाओं व कार्यक्रमों के अलावा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। नरैनी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सढ़ा के अंश छतफरा निवासी विनय कुमार राजपूत द्वारा खुद से बनाई गई किसान अनाज छन्ना मशीन को प्रदर्शनी में लगाया गया, जो आकर्षण का केन्द्र रही। उसने बताया कि ४ माह पहले उसने इस मशीन को तैयार किया था। इससे किसी भी प्रकार के अनाज की छनाई करके उसे साफ-सुथरा बनाया जा सकता है।

### स्कूली बच्चों ने स्टालों का भ्रमण कर ली जानकारी

बांदा। एकता दिवस में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों में लोगों की खासी भीड़ रही। स्कूली छात्र-छात्राओं ने टीम के साथ विभिन्न स्टालों में जाकर सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी हासिल की। छात्र-छात्राओं को उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों ने सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यक्रमों व योजनाओं के साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य के बारे में बताया गया। उधर, छोटे-छोटे बच्चे नवाब टैंक के पास स्थित पार्क में हमजोलियों के साथ मनोरंजन करते नजर आये।

### तुलसी पत्ती के साथ वितरित हुआ चना-चटनी का प्रसाद

बांदा। एकता दिवस कार्यक्रम में कई अलग-अलग स्थानों पर तुलसी पत्ती के साथ गुड़, चना और चटनी का वितरण कराया गया। इसे प्रसाद का नाम दिया गया था। जिला प्रशासन द्वारा पिछले कई कार्यक्रमों में भी चना व गुड़ का वितरण कराया जाता रहा है। एकता दिवस के इस कार्यक्रम में भी कई स्थानों पर इसके वितरण की व्यवस्था की गई थी, जहां लोगों की भीड़ लगी हुई थी।

# एकता के मंच पर आज होगा बुन्देली विविधताओं का संगम

बाँदा- नवाब टैंक में व्यवस्थाओं को लेकर अफसरों के पेंच कसते डीएम हीरा लाल नवाब टैंक में कार्यक्रम व्यवस्था का मौका निरीक्षण करते डीएम

**झाँसी, ललितपुर से लेकर बाँदा-चित्रकूट के उत्पादों का सजेगा बाजार**

**नवाब टैंक के ऑक्सीजन पार्क में मनाया जायेगा सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन**

नवाब टैंक कार्यक्रम स्थल पर पत्रकारों से प्रेसवार्ता में चर्चा करते डीएम

बसंत गुप्ता

बाँदा ब्यूरो। वीर भूमि बुन्देलखण्ड में विविधताओं के अनेक रंग हैं। जिनका संगम गुरूवार को नवाब टैंक के ऑक्सीजन पार्क में देखने को मिलेगा। मौका होगा सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिन का जिसे एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल में अनेक स्टाल होंगे जिनमें झाँसी-ललितपुर से लेकर बाँदा-चित्रकूट के उत्पादों का बाजार सजेगा। लौह पुरूष के जन्मदिन कार्यक्रम को एकता दिवस के रूप में मनाया जाना है। इसमें इनोवेशन को भी जोड़ा गया है, ताकि आयोजन की सार्थकता को और व्यापक बनाया जा सके। जिलाधिकारी हीरा लाल पिछले काफी दिनों से कार्यक्रम की रूप रेखा के तहत तैयारियों में लगे रहे। 31 अक्टूबर को नवाब टैंक स्थित ऑक्सीजन पार्क में इस भव्य आयोजन का मंच सजेगा। जिससे भविष्य के विकास को भी दिशा दिये जाने की तैयारी है। बुन्देलखण्ड में अनेक प्राचीन उत्पाद है जो पिछले कुछ सालों से उपेक्षा के चलते गुम होते जा रहे थे। लेकिन सरकार द्वारा शुरू की गयी एक जनपद एक उत्पाद योजना से इन्हें पुनः जीवंत किया जा रहा है। यहां के प्रत्येक जनपद का कोई न कोई उत्पाद मशहूर रहा है। चाहे झाँसी का टैडीबियर हो, बाँदा का शजर पत्थर या फिर चित्रकूट के लकड़ी के खिलौने। इनकी पहचान दूर-दूर तक रही है। यह सभी उत्पाद 31 अक्टूबर को एकता दिवस के मंच में लोगों के सामने होंगे। जिला उद्योग एवं उद्यम केन्द्र के उपायुक्त उद्योग मो. जहीरूद्दीन ने बताया कि एकता मंच के स्टालों में ललितपुर की चन्देरी साड़ी, सतना की आयुर्वेदिक दवायें, चित्रकूट के लकड़ी के खिलौने, झाँसी का टैडी बियर, बाँदा का शजर पत्थर एवं महोबा का गौरा पत्थर सजेगा। इन उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर लोगों के सामने प्रस्तुत किये जायेंगे। साथ ही इन्हीं उत्पादों के जरिये बुन्देलखण्ड के स्वरोजगार को एक बार फिर ऊँचाईयों तक पहुँचाने का पूरा प्रयास होगा। जिलाधिकारी हीरा लाल के अथक प्रयासों से एकता दिवस के आयोजन को भव्य रूप दिया गया है।

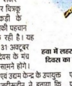

हवा में लहराता एकता दिवस का गुब्बारा।

**खेलकूद व दीवारी नृत्य होंगे विशेष आकर्षण**

जिलाधिकारी हीरा लाल ने बताया कि एकता दिवस के मौके पर ऑक्सीजन पार्क में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिसमे प्रदर्शनी व स्टालों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। खेलकूद व दीवारी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण रहेंगे। डीएम ने बताया कि 31 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया जायेगा। इस अवसर पर स्कूलों के बच्चे, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। एयर हाट बैलून, बुन्देलखण्डी लोक नृत्य एवं लोकगीतों की धूम रहेगी। प्रत्येक स्टाल पर गुड़ चना एवं तुलसी पत्ती का वितरण प्रसाद के रूप में किया जायेगा। साथ ही योगा के कार्यक्रम होंगे। निरीक्षण के दौरान एडीएम संतोष बहादुर सिंह, संजय कुमार, एसडीएम सदर सुरजीत सिंह, डीपीआरओ संजय यादव, डीएफओ संजय अग्रवाल, अधिशासी अभियंता संजय पाण्डेय, अपर सूचना अधिकारी कु. शारदा निषाद आदि मौजूद रहे।

**कार्यक्रम में शामिल हों पीआरडी जवान**

विकास भवन परिसर में पीआरडी संगठन की बैठक हुई। अध्यक्ष प्रेम सिंह खेंगर ने पीआरडी के सभी जवानों से अपील की है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस कार्यक्रम में शामिल हों। जिलाधिकारी द्वारा इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन रखा गया है। स्टाल लगेंगे तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। बैठक में रमेशचन्द्र, हनुमान, रतिराम, रामबाबू आदि मौजूद रहे।

# 30 लाख से संवरेगा ऑक्सीजन पार्क

## मंडलायुक्त ने पार्क विकसित करने को दी धनराशि की मंजूरी, वन चेतना पार्क में लगेंगे दो फाटक

जागरण संवाददाता, बांदा : मंडलायुक्त शरद कुमार सिंह ने विकास प्राधिकरण व प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने नरैनी रोड पर सिंचाई विभाग की जमीन पर प्रस्तावित आक्सीजन पार्क की साज-सज्जा व बैरीकेडिंग के लिए 30 लाख रुपये की स्वीकृति दे दी। साथ नवाबटैंक के पास वन चेतना पार्क में दो गेट लगवाने और पाथ-वे बनाने के भी निर्देश दिए।

मयूर सभागार में आयोजित अधिकारियों की बैठक में बोलते कमिश्नर शरद कुमार सिंह ● जागरण

मंगलवार को मयूर भवन सभागार में हुई बैठक में मंडलायुक्त ने प्राधिकरण की तुलसी नगर योजना की भी समीक्षा की। यहां बने छोटे मकानों का नई दरों पर मूल्य निर्धारण कर नियमानुसार आवंटन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में अवैध निर्माण रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। प्राधिकरण द्वारा नक्शा पास करते समय लागू की गई शर्तों का अनिवार्य रूप से अनुपालन कराया जाए। उन्होंने नवाब टैंक के पास प्रस्तावित आक्सीजन पार्क की बैरीकेडिंग कराने और उसे विकसित करने के लिए 30 लाख रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी।

प्रागीतालाब में खुदाई कराने को मंजूरी देते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक तालाब को पर्यटकों के लिए सजाया-संवारा जाए। उन्होंने तुलसी नगर आवासीय योजना के बड़े प्लाटों की तत्काल नीलामी कराने और प्लाटों में नलकूप लगाने के भी निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि नवाब टैंक के वन चेतना पार्क में शीघ्र ही दो आकर्षक गेट लगवाए जाएं। भ्रमण पर आने वाले लोगों के लिए शीघ्र पाथ-वे का निर्माण कराएं।

बड़े आवासीय मकानों में रिचार्ज पिट बनवाए जाने पर जोर दिया। इस मौके पर जिलाधिकारी हीरा लाल ने शहर के 10 कुएं चिन्हित कर जल संरक्षण कराने के निर्देश दिए। बैठक में नगर नियोजक एनके पुष्कर, मुख्य कोषाधिकारी विनोद कुमार, सहायक अभियंता बीके ओझा आदि मौजूद रहे।

### शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही

डीएम हीरा लाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। इस दौरान आनलाइन शिकायतों में कृषि विभाग के 28, स्वास्थ्य के 9, रोडवेज के 8, आरईएस के 6, वन विभाग व बेसिक शिक्षा विभाग के पांच-पांच, बाल विकास पुष्टाहार के तीन, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के दो मामले डिफाल्टर श्रेणी में मिले। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से संबंधित खाद्य एवं रसद विभाग में 57, ग्राम विकास में 48, पूर्ति निरीक्षक बबेरु के यहां 18, नगर पालिका अतर्रा में 10, पंचायतीराज विभाग में दस मामले डिफाल्टर मिले। डीएम ने कहा कि एडीएम न्यायिक शिकायतों के निस्तारण की साप्ताहिक समीक्षा करें और आख्या भेजें। ताकि लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जा सके।

# आक्सीजन पार्क के लिए 30 लाख आवण्टित

## आयुक्त ने तुलसी नगर में बने छोटे मकानों के आवण्टन के दिये निर्देश

बाँदा ब्यूरो : मंगलवार को मयूर भवन सभागार में आयोजित विकास प्राधिकरण की बैठक मे आयुक्त शरद कुमार सिंह ने कहा कि तुलसी नगर योजना मे बने हुए छोटे मकानों का नयी दरो पर मूल्य निर्धारण कर नियमानुसार आवण्टन की कार्यवाही की जाये।

बैठक में आयुक्त सिंह ने विकास प्राधिकरण को निर्देश दिये कि शहर में अवैध निर्माण रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाये तथा प्राधिकरण द्वारा नक्शा पास करते समय लगायी गयी शर्तों का अनुपालन कराये जाये। बोर्ड की बैठक में नवाब टैक के पास प्रस्तावित आक्सीजन पार्क की बैरिकेटिंग कराने तथा पार्क को विकसित करने के लिए 30 लाख व्यय करने की स्वीकृति प्रदान की गयी। इसके साथ ही शहर के प्रागी तालाब में खुदाई कराने की अनुमति दी गयी। उन्होंने कहा कि तुलसी नगर आवास योजना के बड़े प्लॉण्टो की नीलामी करायी जाये। इसी प्रकार इस योजना मे दो विद्यालयो के लिए आरक्षित भूमि की भी नीलामी करायी जाये। कहा कि प्राधिकरण की योजनाओ मे वृहद वृक्षारोपण कराया जाये, ताकि शहर के बड़े संस्थानो व बड़े आवासीय मकानो पर रिचार्ज पिट बनवाये जाये ताकि जल संरक्षण हो सके। बैठक मे जिलाधिकारी हीरा लाल ने कहा कि प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी ईमानदारी से काम करें तथा शहर के 10 कुएं चिन्हित कर जल संरक्षण का कार्य कराया जाये। बैठक में नगर नियोजक एनके पुष्कर, मुख्य कोषाधिकारी विनोद कुमार, सहायक अभियंता बीके ओझा के अलावा सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

### ग्रामीणों का अनशन समाप्त

बाँदा : लगभग एक महीने अशोक लाट के नीचे चकबन्दी के बाद आवण्टित चकों पर कब्जा न मिल पाने के आरोप में चलाया जा रहा अनशन मंगलवार को समाप्त हो गया। समाज सेविका ऊषा निषाद ने बताया कि चकबंदी के बाद आवंटित चकों पर कुछ दबंग चकों पर कब्जा नहीं दे रहे थे और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते थे।

इसी मामले को लेकर बीते 13 जुलाई से उनकी अगुवाई में क्रमिक अनशन चलाया जा रहा था। आरोपियों के खिलाफ पहले मुकदमा पंजीकृत हुआ था बाद में पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारियों ने आवंटित चकों पर कब्जा दिलाया था।

# जिले को जल्द मिलेगा ऑक्सीजन पार्क का तोहफा

## नवाबटैंक के पास कई विभाग मिलकर बनाएंगे आकर्षक पार्क, डीएम ने निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

जागरण संवाददाता, बांदा : पार्कों की दशा सुधारने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे डीएम हीरा लाल की पहल पर शहर को जल्द ही भव्य व आकर्षक आक्सीजन पार्क का तोहफा मिलेगा। रविवार को शाम डीएम ने पार्क स्थल का निरीक्षण किया। सिंचाई, वन व विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को पार्क तैयार करने के लिए जरूरी निर्देश दिए।

ऑक्सीजन पार्क का निरीक्षण कर विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते जिलाधिकारी हीरा लाल ● जागरण

शहर में अद्भुत छटा बिखेरता आक्सीजन पार्क बनाना डीएम हीरा लाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। वह इस पर लगातार कार्य कर रहे हैं और योजनाएं बना रहे हैं। माह भर पहले उन्होंने नवाबटैंक के पास सिंचाई विभाग की पड़ी पांच हेक्टेअर जमीन का स्थलीय निरीक्षण किया था। अधिकारियों को यहां पार्क बनाने की कार्य योजना बनाने को कहा था। इसी कड़ी में रविवार को डीएम हीरा लाल ने अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने नवाब टैंक और बगल में बने कच्चा तालाब सहित पूरी जमीन का निरीक्षण किया। इस दौरान सिंचाई विभाग की जमीन पर डिपो बनाए, वन विभाग के अधिकारियों से बातचीत की। कहा कि जमीन खाली कर डिपो कहीं अन्य जगह स्थानांतरित कराया जाए। कच्चा तालाब व वन विभाग की नर्सरी और सिंचाई विभाग की जमीन में करीब 25 हेक्टेअर क्षेत्रफल में आक्सीजन पार्क तैयार कराया जाए। इसमें तमाम छायाकार व छायाकार पौधे लगाए जाएं। वन विभाग पौधे उपलब्ध कराएगा और विकास खंड बड़ोखर खुर्द के बीडीओ व सिंचाई विभाग यहां पौधारोपण, उसकी सुरक्षा और ग्रीन पट्टिका लगाने की व्यवस्था करेगा। उन्होंने कहा कि इस पार्क को तैयार करने में जिला प्रशासन भी पूरा सहयोग देगा। इसके अलावा सिंचाई, वन, विकास प्राधिकरण व बीडीओ अपने पर्यावरण संरक्षण के मद का पैसा यहां खर्च करेंगे। शहर में लोगों के खुली हवा में बैठने के लिए कोई उपयुक्त स्थान नहीं है। उनकी इच्छा है कि यहां आक्सीजन पार्क तैयार किया जो शहरवासियों के लिए बैठने के लिए बेहतर स्थान हो। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां भी समस्याएं आएं, अधिकारी उनसे मिलकर निस्तारित कराएं। इसकी प्रगति रिपोर्ट से भी उन्हें हर रोज अवगत कराएं।

निरीक्षण में उनके साथ एसडीएम सदर संदीप कुमार, वन विभाग के जुनैद अहमद, विकास प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर डीएम ने नवाब टैंक व चेतना पार्क का भी निरीक्षण किया। यहां नियमित सफाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

### किसानों को जल्द जारी होंगे 116 करोड़

जागरण संवाददाता, बांदा : रविवार को वह बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की प्रगति की समीक्षा करने आए अपर मुख्य सचिव गृह व यूपीडा के सीईओ अवनीश अवस्थी ने अधिकारियों से कहा कि जमीनों का अधिग्रहण जल्द से जल्द हो। किसानों के मुआवजे आदि के लिए अवशेष 116 करोड़ रुपये जल्द ही जारी किए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव सुबह आठ बजे हेलीकाप्टर शहर में आए। मंडलायुक्त शरद कुमार सिंह, डीआइजी दीपक कुमार, डीएम हीरालाल व एसपी गणेश साहा ने उनकी आगवानी की। पुलिस लाइन में सिपाहियों ने उन्हें सलामी दी और देश भक्ति गीत पेश किए।

पौधारोपण करते अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ● जागरण

**पुलिस लाइन के तालाब का किया लोकार्पण :** अपर मुख्य सचिव ने जन सहयोग से पुलिस लाइन में खोदे गए तालाब का लोकार्पण किया। पूजा-पाठ करने के बाद उन्होंने तालाब परिसर में बरगद, नीम व पीपल के पौधे रोपे।

**डीआइजी ने चार नई चौकियों के लिए सौंपा ज्ञापन :** अपर मुख्य सचिव ने शांति व्यवस्था के संबंध में डीआइजी दीपक कुमार से जानकारी ली। डीआइजी ने मंडल में कालिंजर दुर्ग में पुलिस चौकी स्थापित करने, सिमौनी चौकी को थाना बनवाने, कानाखेड़ा को रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, नरैनी में सहबाजपुर को रिपोर्टिंग पुलिस चौकी बनाएं। पुलिस बैरिक आदि की व्यवस्था किए जाने को मांगपत्र सौंपा। अवनीश अवस्थी ने गुड मार्निंग पुलिस की सराहना की।

**ये रहे मौजूद :** बैठक में स्थानीय अधिकारियों के साथ यूपीडा के मैनेजमेंट अधिकारी श्रीश चंद्र वर्मा, मुख्य अभियंता यूपीडा मनोज गुप्ता, सलाहकार जगतराज, भूमि आध्याप्ति अधिकारी चुनकूराम, यूपीडा वरिष्ठ सलाहकार जगदीश शर्मा के अलावा डीएम हीरा लाल, एसपी जीपी शाहा, एडीएम संतोष बहादुर सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी संजय अग्रवाल, जिला उद्यान अधिकारी परवेज खां व सदर तहसीलदार अवधेश निगम आदि रहे।

बांदा की महिलाओं को सशक्त एवं समृद्ध बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन द्वारा अन्य योजनाओं के साथ–साथ 5 प्रमुख योजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है।

### 1.ब्रायलर पालन योजना

- एक यूनिट हेतु अनुदानित धनराशि– ₹ 30000/–

**उद्देश्य**

- बांदा के ग्रामीण अंचलों में महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।

**योजना का क्रियान्वयन**

- यह योजना पशु–पालन विभाग द्वारा संचालित है।
- जिलाधिकारी द्वारा इस योजना का लाभ राष्टोय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित पात्र समूह की महिलाओं को दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

**हितग्रहियों का चयन**

- इसके अन्तर्गत कुल 1680 हितग्राहियों का चयन किया गया।

**अनुदान व्यवस्था**

- पशु–पालन विभाग द्वारा कुल 1680 पात्र महिलाओं का सत्यापन कर उनके खाते में ₹ 6000/– प्रति हितग्राही की दर से कुल धनराशि ₹1,00,80,000/– पोल्टो शेड के निर्माण हेतु प्रदान की गई।

**प्रशिक्षण**

- महिलाओं को एक दिवसीय कुक्कुट पालन का प्रशिक्षण सम्बन्धित उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी/ पशु चिकित्साधिकारी/ पोल्ट्री प्रोग्राम ऑफीसर द्वारा किया गया।
- इसमें उनको कुक्कुट की आवास व्यवस्था, रख–रखाव, आहार, प्रमुख रोगों एवं टीकाकरण की जानकारी उपलब्ध करायी गई।

**पोल्टो फार्म का भ्रमण**

- जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सभी हितग्राही महिलाओं को पोल्टो संचालन हेतु जिले में चल रहे अन्य पोल्टो फार्म का निरंतर भ्रमण कराया जा रहा है।

**औषधि एवं वैक्सीन**

- औषधि एवं वैक्सीन आदि की व्यवस्था मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा की जा रही है।

**विपणन**

- जिले के पोल्टो व्यवसायियों के साथ बैठक कर उन्हें मुर्गी के अंडे एवं मांस को क्रय करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

**अनुमानित आय**

- योजना से प्रत्येक महिला को लगभग ₹ 3000 – ₹ 4000 का प्रतिमाह लाभ हो रहा है।

### 2.फिट इंडिया मूवमेन्ट

- राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन द्वारा **महिला योग प्रशिक्षण कार्यक्रम** के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम से 3–4 महिला सदस्यों का चयन किया गया।
- इन महिला सदस्यों को जनपद स्तर पर संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ–साथ त्रिदिवसीय योग प्रशिक्षण योगाचार्य श्री रमेश राजपूत द्वारा दिया गया।
- प्रशिक्षित महिला योग ट्रेनर ग्राम स्तर पर महिलाओं को योग सिखा रहीं हैं।

**योग सेन्टर**

- ग्राम स्तर पर पंचायत भवन
- ग्राम संगठन के कार्यालय
- *अभी तक कुल 290 महिलाओं को जनपद स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया।*
- *8 अन्य जनपदों से आये 40 मास्टर टेनरों को योग का प्रशिक्षण दिया गया।*

### 3.नीम से समृद्धि की ओर बढ़ते कदम

- इफको द्वारा एनआरएलएम समूह की महिलाओं को 40 हजार पौधे वितरित किए गए।
- समूहों में समूह सखी द्वारा नीम के महत्व एवं आय पर चर्चा।
- महिलाओं द्वारा एकत्रित निमौली को इफको द्वारा क्रय किया जायेगा।
- राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन एवं इफको द्वारा संयुक्त रूप से नीम से आय कार्यक्रम में जनपद बांदा की 700 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।
- बुन्देलखण्ड के सात जनपदों की 100–100 महिलाओं को नीम से आय कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षित किया जाएगा।

### 4.डेयरी आजीविका गतिविधि

- जनपद में दुग्ध विकास एवं डेयरी विभाग के साथ समन्वयन कर कृषक महिलाओं को दुग्ध उत्पादन में योगदान हेतु निम्न कदम उठाए गए।
- प्रत्येक विकास खण्ड से 10–10 दुग्ध उत्पादक कृषक महिलाओं का चयन।
- जनपद एवं जनपद के बाहर दुग्ध उत्पादक कृषक महिलाओं की ज्ञानार्जन यात्रा।
- 183 समूह सदस्यों का जनपद के अन्दर ज्ञानार्जन यात्रा।
- 200 महिलाओं का पं. दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट में तीन दिवसीय ज्ञानार्जन यात्रा।
- दुग्ध समितियों का सुंदरणीकरण।

### 5.ट्रेडिंग व्यवसाय से आय

- जनपद के प्रमुख उत्पाद अरहर, चना एवं देशी गुड़ आदि के व्यवसाय को बढ़ाने के लिए महिला उद्यमियों को पं. दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट में ज्ञानार्जन यात्रा कराई गयी।
- इस क्षेत्र में पहले से व्यवसायरत महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान किया गया।
- इफको एवं डीआरआई द्वारा उत्पादित सामाग्री को महिला समूहों द्वारा संचालित दुकान/स्टोर के माध्यम से बिक्री हेतु उपलब्ध कराया गया।
- विकास भवन में महिला समूह द्वारा उत्पादित समाग्री का विक्रय केन्द्र संचालित कराया गया।
- शासकीय विभागों में प्रेरणा कैन्टीन का संचालन कराना।

# झलकियां

जनपद स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला
19 दिसम्बर 2019
स्थान – निजामी पैलेस
जिला मिशन प्रबन्धन इकाई जनपद बाँदा
ग्रामीण आजीविका मिशन, बाँदा
समृद्धिकरण ब्रायलर पालन योजना
स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला
प्रेरणा
राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बाँदा

IFFCO
संयुक्त आयोजक : उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बांदा एवं इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
नीम : गुण, उपयोग एवं लाभ
एक दिवसीय विचार संगोष्ठी
आपका हार्दिक स्वागत एवं शत शत अभिनन्दन
Synthetic vs Organic Crop Care
The Life of Neem

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जानकारी देते एनआरएलएम उपायुक्त।

## डेयरी डेवलपमेंट के लिए किया रवाना

बांदा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को डेयरी डेवलपमेंट योजना के तहत भ्रमण कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को विकास भवन परिसर से रवाना किया गया। उप कृषि निदेशक एके सिंह व एनआरएलएम उपायुक्त केके पाण्डेय ने भ्रमण के लिए जा रही महिलाओं के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एनआरएलएम उपायुक्त ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से कहा कि भ्रमण के दौरान वह सीखे कि किस तरह से पशुओं का पालन किया जाता है और उनसे कैसे आमदनी कर सकते है। जिला मिशन प्रबन्धक राकेश

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को चेक सौंपते कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष लवलेश सिंह व डीएम हीरा लाल ● जागरण

# महिला समूहों को सौंपा 4 करोड़ 42 लाख का चेक

जागरण संवाददाता, बांदा : एकता उत्सव कार्यक्रम में एनआरएलएम विभाग की ओर से भी भव्य शिविर का आयोजन किया गया। विभाग के उपायुक्त केके पांडेय की अगुवाई में चल रहे कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने दो महिला समूहों कालिंजर की चुनूबादी को मैजिक व पिपरी खेरवा बिसंडा अध्यक्ष लक्ष्मिनिया को कृषि यंत्रों सहित ट्रैक्टर की चाबी दी।

राज्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आजीविका मिशन की ओर से सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने 252 महिला समूहों को 4 करोड़ 42 लाख का डेमों चेक भेंट किया। इस मौके पर राज्यमंत्री का कहना था कि समूहों की महिलाएं इस धनराशि से अपना-अपना स्वरोजगार अच्छी तरह संचालित करें। ईर्ष्या व द्वेष से समूहों का विघटन न होने दें। सभी महिलाओं

**भेंट**

- दो महिला समूहों को दी मैजिक व ट्रैक्टर की चाबी, खिले चेहरे
- सब्जी की जानकारी के लिए 50 महिलाओं को भेजा बनारस

को स्वरोजगार देकर स्वलंबी बना का सरकार का मिशन है। जिसे राष्ट्री आजीविका मिशन के द्वारा पूरा करा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान उन्हों समूहों की 50 महिलाओं को बस द बनारस भेजने के लिए हरीझंडी दिखा रवाना किया। एनआरएलएम विभाग अधिकारियों ने बताया कि बनारस भे गई सभी महिलाओं को वहां तीन का सब्जी अनुसंधान का प्रशिक्षण वि जाएगा। इस मौके पर अन्य विभा अधिकारी भी मौजूद रहे।

बाँदा जा

# वितरित किये जायेंगे 40 हजार नीम के पौधे

**एनआरएलएम की मण्डलीय समीक्षा बैठक में आजीविका बढ़ाने को लेकर हुआ मंथन**

**महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिये पूरी मेहनत से काम करें**

दैनिक जागरण,झाँसी,
27,दिसम्बर

बाँदा : वर्कशाप कार्यक्रम में बोलते महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू।

बैठक लेते महानिदेशक, कमिश्नर व डीएम।

बाँदा ब्यूरो : उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन चित्रकूट मण्डल की समीक्षा बैठक में आजीविका बढ़ाने को लेकर मंथन हुआ। बैठक में राज्य ग्राम विकास प्रशिक्षण संस्थान के महानिदेशक एल वैंकटेश्वर लू ने भाग लिया। चित्रकूट धाम मण्डल के कमिश्नर ने निर्देश दिये कि गरीब महिलाओं को स्वरोजगार महैया कराने के लिये पूरी मेहनत से कार्य किया जाये। गुरुवार को मयूर भवन सभागार में मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। चित्रकूट धाम मण्डल के कमिश्नर शरद कुमार सिंह ने मिशन के अन्तर्गत जनपदों में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और इनोवेटिव कार्य कराने पर बल दिया। कमिश्नर ने कहा कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली प्रत्येक महिला को आजीविका मिशन से जोड़ते हुये स्वरोजगार उपलब्ध कराने में पूरी मेहनत से कार्य करें। जिलाधिकारी हीरा लाल ने कहा कि बाँदा जनपद में इनोवेटिव कार्य के रूप में प्रोजेक्ट शुरू किये गये हैं। जनपद में स्वस्थ्य रहने के लिये योग प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे हैं। साथ ही इफको दिल्ली के सहयोग से 40 हजार नीम के पौधे निःशुल्क वितरण किये जायेंगे। बैठक में सभी ब्लॉकों के खण्ड विकास अधिकारी, एनआरएलएम के तहत काम कर रहे जिला मिशन मैनेजर ने अपने अनुभव और कार्यों में आ रही दिक्कतों को लेकर मुख्यालय से आये श्री लू व कमिश्नर को अवगत कराया। बैठक का संचालन डिप्टी कमिश्नर एनआरएलएम के के पांडे ने किया। इस दौरान एलडीएम बाँदा, जीएमडीसी जहिरूद्दीन सहित महोबा, हमीरपुर, बाँदा के मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, संयुक्त विकास आयुक्त आदि उपस्थित रहे।

### डीआरपी प्रशिक्षण का महानिदेशक ने किया प्रशिक्षण

राज्य ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थान के महानिदेशक ने जनपद में चल रही आठ दिवसीय डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन का औचक निरीक्षण किया। जनपद में एनआरएलएम के तहत चलाये जा रहे गरीबी उन्मूलन के कार्यों को देखा।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब महिलाओं को मिशन से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार महैया कराया जा रहा है। ताकि गरीबी उन्मूलन की दिशा में बेहतर हो सके। मौजूदा समय डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन का प्रशिक्षण चल रहा है। गुरूवार को राज्य ग्राम्य विकास प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ के महानिदेशक एल वैंकटेश्वर लू ने प्रशिक्षण में पहुँचकर प्रतिभागियों से बातचीत की। स्वरोजगार की दिशा में चलाये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी हासिल की। एनआरएलएम के डिप्टी कमिश्नर कृष्ण करूणाकरण पांडे द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में एनआरएलएम के अन्तर्गत प्रशिक्षण का आयोजन 24 दिसम्बर से किया गया था। समापन 31 दिसम्बर को होगा जिसमें औरेया, इटावा, सिद्धार्थ नगर, श्रावस्ती, बलरामपुर, प्रतापगढ़, चित्रकूट और बाँदा के प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा मिशन के लिये किये जा रहे विशेष प्रयासों के बारे में भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। एनआरएलएम से जुड़ी महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिये डेयरी, सब्जी उत्पादन, योगा, नीम की निबोरी, एवं मुर्गी पालन के कार्य किये जा रहे हैं। 27 दिसम्बर को नीम के उपयोग एवं महत्व के प्रति जागरूक करने के लिये इफको के सहयोग से राजकीय मेडिकल कॉलिज में कार्यक्रम किया जायेगा। जिसमें देश के बुद्धिजीवी एवं नीममैन भाग लेंगे।

प्रशिक्षण के लिये नामित स्टेट रिसोर्स पर्सन मजहर रूशदी, योगेन्द्र मिश्रा, कमल मिश्रा, डीआरपी एवं स्टेट ऐंकर पर्सन, विजय कुमार सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान जिला मिशन प्रबन्धक राकेश सोनकर, धर्मेन्द्र जयसवाल, अमित, शालिनी जैन, प्रवीण कुमार, वरूण कुमार और अभिषार जैन आदि उपस्थित रहे।

# बांदा में महिला समूहों के लिए पांच परियोजनाएं लागू

**नीम की निबौली से आमदनी बढ़ाएंगी महिलाएं, अप्रैल से शुरु होगी खरीद, 15 रुपये किलो भाव, नीम-गुण उपयोग लाभ संगोष्ठी में नीम पर चर्चा**

अमर उजाला ब्यूरो

बांदा। प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री और बांदा जनपद प्रभारी लाखन सिंह राजपूत ने कहा है कि बांदा जनपद में महिला समूहों की आमदनी बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के पांच प्रोजेक्ट लागू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यहां काफी मात्रा में पाई जाने वाली नीम की निबौली बेचकर महिला समूह अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगी।

शुक्रवार को यहां राजकीय मेडिकल कालेज में ऑडिटोरियम में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोआपरेटिव लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित- नीम :

कार्यशाला में नीम के गुणों की जानकारी देते डीएम हीरा लाल।

राज्यमंत्री ने कहा कि नीम के जरिए समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों को राय दी कि परंपरागत खेती छोड़कर नई

आयुर्वेदिक औषधि भी है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि नीम के बारे में किसानों को किसान पाठशाला में जानकारियां दें। उन्होंने कहा कि बांदा जनपद में 5000 महिला समूह कार्यरत हैं।

### डीएम नीम रत्न से सम्मानित

बांदा। जिलाधिकारी हीरा लाल को ग्लोबल नीम आर्गनाइजेशन ने नीम रत्न से सम्मानित किया। शुक्रवार को आयोजित संगोष्ठी में डीएम ने घोषणा की कि नीम की निबौली खरीद का काम अप्रैल माह से शुरू हो जाएगा। इफ्को इसकी खरीद करेगा। उन्होंने कहा कि जिले में 1680 महिला समूहों को मुर्गी पालन व्यवसाय से जोड़ा गया है। कई समूह डेयरी उद्योग से जोड़े गए हैं। नीम की निबौली से भी महिला समूहों को आमदनी बढ़ाने का मौका है। उन्होंने कहा कि डेयरी में दूध के साथ गाय के मूत्र व गोबर की बिक्री की व्यवस्था कराई जाएगी।

यहां के प्रशासन द्वारा गरीब महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयास बहुत सराहनीय हैं। जिला प्रशासन पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करने में लगा हुआ है।

विपणन निदेशक योगेंद्र कुमार ने कहा कि नीम संजीवनी है। उन्होंने महिला समूह से कहा कि नीम के पेड़ों का अधिक से अधिक संवर्धन करें। इसमें पांच वर्ष बाद निबौली आती है, लेकिन फारेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट नीम की ऐसी प्रजातियां विकसित कर रही है। इसमें तीन वर्ष में निबौली आएगी। निदेशक ने कहा कि बांदा में जिलाधिकारी ने नीम से आमदनी बढ़ाने का विकासोन्मुख जनांदोलन किया है। महिला समूह इफ्को के उत्पाद बेचकर भी आमदनी बढ़ा सकते हैं। इफ्को के प्रयास से किसानों की 20 से 25 फीसदी आमदनी बढ़ी है।

ग्लोबल नीम आर्गनाइजेशन अध्यक्ष/नीम मैन बीके सिंह ने कहा कि अमेरिका ने नीम का पेटेंट कर लिया था। हमारी संस्था ने इसे खत्म कराया। उन्होंने बताया कि इफ्को 15 रुपये किलो नीम के निबौली खरीदेगा। संस्थापक पीपल, नीम अभियान डा.धर्मेंद्र कुमार ने नीम के गुण बताए। इफ्को के राज्य विपणन निदेशक ऋषि पाल सिंह ने भी संबोधित किया। सीडीओ हरिश्चंद्र वर्मा ने सभी का आभार जताया। संचालन उपायुक्त ग्रामीण आजीविका मिशन करुणा शंकर पांडेय ने किया।

स्वच्छ बाँदा : सुन्दर बाँदा

स्वच्छ भारत मिशन ( ग्रामीण ) बाँदा

COLOUR IMPRESSION
+91 639 140 3000

Twitter - https://twitter.com/heeralalias
Facebook - https://www.facebook.com/heeralaliasup
Linkedin - https://pr.linkedin.com/in/heeralalias
Email - heeralalias@gmail.com
WhatsApp - +91 7317 505050

हीरा लाल, आईएएस
जिलाधिकारी बाँदा